सोमवार
23 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सर्वे की समस्याओं को सुलझाने के लिए आएंगे यूपी से विशेषज्ञ : मंत्री

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

तिरुपति प्रसादम विवादः सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

किसान और हिंदू सेना ने प्रसाद में मिलावट की एसआईटी से जांच कराने की मांग की

एजेंसी/अमरावती

आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डुओं के घी में पशु वसा के कथित इस्तेमाल को खड़ा हुआ विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अब किसान और हिंदू सेना ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में प्रसाद में की गई मिलावट की एसआईटी से जांच कराने की मांग की गई है। किसान और हिंदू सेना के अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने याचिका में कहा है कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भक्तों को घी के बजाय पशु वसा का उपयोग करके तैयार लड्डू प्रसादम परोसा है। टीटीडी ने हिंदू धर्म का उपहास किया है और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लड्डू प्रसादम तैयार करने में पशु वसा का उपयोग करने के आरोप ने हिंदू समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। इसलिए मामले की एसआईटी से जांच कराने की मांग की है।

ऐसे समझें... क्या है तिरुपति मंदिर के लड्डू में चर्बी का पूरा विवाद

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि, मंदिर के प्रसादम में प्रयोग होने वाले शुद्ध घी में जानवरों की चर्बी मिली हुई है। भगवान तिरुपति के प्रसादम बनाने में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। लड्डुओं में घी के बजाय जानवरों की चर्बी का उपयोग किया गया। ये मिलावट पिछली सरकार के दौरान दिए गए घी के ठेके के चलते हुई है। सीएम ने कहा था कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में सरकार की ओर से कई लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जा चुका है। वहीं इस पूरे मामले पर मंदिर समिति तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से भी बयान जारी किया गया है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मंदिर के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्यामला राव ने भी स्वीकार किया है कि मंदिर की पवित्रता भंग हुई है। पिछली सरकार ने मिलावट की जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाए थे। वहीं वाईएसआरसीपी के वकीलों ने तिरुपति लड्डू प्रसादम को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा लगाए गए आरोपों की उच्च न्यायालय की पीठ को जानकारी दी। वकील ने कहा कि मौजूदा न्यायाधीश या उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति मुख्यमंत्री द्वारा किए गए दावों की जांच करे। पीठ ने सुझाव दिया कि 25 सितंबर तक जनहित याचिका दायर की जाए। उस दिन दलीलें सुनी जाएंगी।

अयोध्या से सीतामढ़ी तक चले वंदे भारत ट्रेनः नीतीश

- सीएम नीतीश ने पीएम मोदी को पत्र लिख पुनौरा धाम के लिए सड़क एवं रेल संपर्कता बढ़ाने का किया अनुरोध

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर के पुनर्विकास को लेकर एक्टिव नजर आ रहे हैं। बीते शनिवार को उन्होंने सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में पुनर्विकास कार्य की समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर का पुनर्विकास कार्य भव्य ढंग से कराने का निर्देश दिया। वहीं अब मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख पुनौरा धाम हेतु सड़क एवं रेल संपर्कता प्रदान करने का अनुरोध किया है।

नीतीश कुमार ने पत्र में लिखा, सर्वप्रथम मैं आपको अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण एवं पवित्र नगरी अयोध्या के विकास हेतु किये गये कार्यों के लिए बधाई देता हूं। मुझे आपको

पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर का पुनर्विकास कराएगी सरकार

यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि बिहार राज्य के अन्तर्गत सीतामढ़ी जिले में अवस्थित पुनौरा धाम माता सीता की जन्मस्थली के रूप में विख्यात है। भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या की तरह ही माता सीता की जन्म स्थली पुनौरा धाम का भी वृहद धार्मिक महत्व है। बिहार सरकार द्वारा यहां पर 50 एकड़ भूमि को अधिग्रहीत कर पुनौरा धाम अन्तर्गत मां सीता के मंदिर परिसर के विस्तार एवं सौन्दर्यीकरण का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, यह संतोष का विषय है कि भारत सरकार द्वारा अयोध्या से सीतामढ़ी जिले तक राम जानकी मार्ग के निर्माण हेतु कार्य किया जा रहा है। इस मार्ग के बन जाने से श्रद्धालुओं को अयोध्या के साथ ही मां सीता की जन्म स्थली पुनौरा धाम आने में सुविधा होगी। अनुरोध है कि इस मार्ग को शीघ्र पूर्ण किए जाने हेतु संबंधित मंत्रालय को आवश्यक निदेश देने की कृपा की जाए। साथ ही भारत सरकार द्वारा हाल के दिनों में रेलवे सम्पर्कता के संबंध में कई जनोपयोगी कार्य किए गए हैं जिसमे वंदे भारत ट्रेन का परिचालन भी महत्वपूर्ण है। बिहार टाज्य को भी इससे लाभ हुआ है जिसके लिए मैं आपको विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं। अयोध्या से सीतामढ़ी के बीच बेहतर रेल सम्पर्कता हो जाने से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा बोगी। अनुरोध है कि अयोध्या से सीतामढ़ी के बीच भी एक वंदे भारत ट्रेन के परिचालन हेतु रेल मंत्रालय को समुचित निदेश देने की कृपा की जाए।

खबरें फटाफट

गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन की एसी बोगी में मिला सांप, हड़कंप

जबलपुर। जबलपुर से मुंबई जा रही गरीब रथ ट्रेन संख्या 12187 में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक सांप ट्रेन के एसी कोच में रेंगता हुआ दिखाई दिया। यह घटना महाराष्ट्र के कसारा रेलवे स्टेशन के पास की है। ट्रेन के जी-17 कोच में सीट नंबर 23 के पास सांप को सबसे पहले देखा गया, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। जैसे ही ट्रेन कसारा स्टेशन के करीब पहुंची, यात्रियों ने कोच के अंदर एक सांप को रेंगते हुए देखा। सांप सीटों के बीच लगे हैंडल पर चढ़ रहा था और ट्रेन की छत तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था। यात्रियों ने तुरंत ट्रेन स्टाफ को इसकी सूचना दी। इस दौरान किसी यात्री ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो गया है। सांप दिखने के बाद सभी यात्रियों को दूसरे कोच में स्थानांतरित कर दिया गया, और जी-17 कोच को बंद कर दिया गया। सौभाग्य से सांप ने किसी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचाया। बाद में रेलवे स्टाफ और रेस्क्यू टीम ने सांप को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए।

ईरान की कोयला खदान में विस्फोट 50 लोगों की मौत

तेहरान। खाड़ी देश ईरान की एक कोयला खदान में मीथेन गैस के रिसाव के कारण हुए धमाके में 50 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। ईरानी राज्य टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना तबास में हुई, जो राजधानी तेहरान से लगभग 540 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है। धमाके के बाद आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी क्षेत्र में भेजे गये। ईरान एक तेल उत्पादक देश है और इसे कई प्रकार के खनिजों के लिए भी जाना जाता है।

टला हादसा: मध्यपद्रेश के बुरहानपुर के सागफाटा रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे ट्रैक पर रखे गए थे 10 डेटोनेटर

सेना की ट्रेन को बम से उड़ाने की साजिश नाकाम

- ट्रेन गुजरने से ठीक पहले हुए एक धमाके की आवाज सुन ट्रेन के चालक ने तुरंत रोक दी रेल
- एटीएस और एनआईए ने शुरू की मामले की जांच

एजेंसी/भोपाल

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर से गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर एक ट्रेन को उड़ाने की बड़ी साजिश का पदार्फाश हुआ है। यह ट्रेन सेना की स्पेशल ट्रेन थी जो जम्मू कश्मीर से कर्नाटक जा रही थी। घटना 18 सितंबर बुधवार की बताई जा रही है। बुरहानपुर के सागफाटा रेलवे स्टेशन के नजदीक से जब सेना की एक ट्रेन गुजरने से ठीक पहले एक धमाका हुआ और विस्फोटक की आवाज सुनकर ट्रेन के चालक ने ट्रेन रोक दी और घटना की सूचना नजदीकी रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। इसके बाद इस घटना की रिपोर्ट भुसावल जंक्शन पर दर्ज करवाई गई। जानकारी के अनुसार रेल की पटरी पर 10 डेटोनेटर लगाए गए थे। घटना सामने आने के बाद से ही एटीएस और एनआईए सहित अन्य एजेंसियों के साथ रेलवे और लोकल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चूंकि इससे पहले भी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में ट्रेन पलटाने की साजिशों का खुलासा हो चुका है। इन सभी मामलों में आतंकी कनेक्शन भी सामने आए थे। ऐसे में केंद्रीय एजेंसियों से लेकर लोकल पुलिस तक इस मामले को हल्के में नहीं ले रही। इस बार आशंका यही जताई जा रही है कि इस साजिश के पीछे किसी आतंकी गिरोह के स्लीपर सेल का हाथ हो सकता है।

जांच में बरती जा रही है गोपनीयता

चूंकि यह पूरा मामला सेना से जुड़ा है, इसलिए मामले की जांच में पूरी गोपनीयता बरती जा रही है। हालांकि रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक पर 10 डेटोनेटर लगाए गए थे। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक यह हादसा जम्मू कश्मीर से कर्नाटक जा रही आर्मी की स्पेशल ट्रेन के साथ हुआ। उस समय यह ट्रेन दोपहर 1:48 बजे सागफाटा रेलवे स्टेशन से निकली ही थी कि धमाके शुरू हो गए। लोको पायलट ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक लिया। शनिवार की दोपहर पुलिस विभाग की स्पेशल शाखा डीएसपी, नेपानगर एसडीओपी थाना प्रभारी समेत रेलवे के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। वहीं एनआईए, एटीएस सहित अन्य खुफिया की एजेंसियों ने भी मौके पर पहुंच कर जांच को अपने हाथ में ले लिया है।

प्रयागराज कानपुर रेल खंड पर ट्रैक पर मिला सिलिंडर

प्रयागराज। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग के प्रयागराज कानपुर रेल खंड पर रविवार की सुबह रेल ट्रैक पर सिलिंडर मिलने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि उस ट्रैक से गुजर रही एक मालगाड़ी के लोको पायलट ने गैस सिलिंडर को दूर से ही देख लिया। उसने सजगता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोकी, और कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। मामला रविवार सुबह 6:00 बजे के आसपास प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के निकट का है। जेटीटीएन मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज की ओर आ रही थी। इसी दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर आ रही थी तो गाड़ी में तैनात लोको पायलट देव आनंद गुप्ता एवं सहायक लोको पायलट सी बी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले रेल ट्रैक पर एक गैस सिलिंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलिंडर से पहले रोक लिया। कंट्रोल रूम के साथ संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर रेलवे आईओडब्ल्यू, रेल सुरक्षा बल सहित अन्य विभागों की टीम मौके पर पहुंची। सिलिंडर की जांच करने पर पता चला कि यह 5 लीटर का खाली सिलिंडर है। ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले मिले सिलिंडर किसने रखा उसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इस मामले में जांच चल रही है उसी के बाद कुछ कहा जा सकेगा।

बठिंडा स्टेशन के पास ट्रैक पर रखा था छड़, हादसा टला

बठिंडा। बठिंडा-दिल्ली रेलवे लाइन पर असामाजिक तत्वों ने रविवार सुबह रेलगाड़ी को डीरेल करने का दुस्साहस किया। हालांकि, रेलवे कर्मचारियों की मुस्तैदी के चलते बड़ा हादसा होने से बच गया। फिलहाल इस मामले की रेलवे अधिकारी, आरपीएफ व जिला पुलिस जांच कर रही है। सुबह तीन बजे बठिंडा-दिल्ली रेलमार्ग पर मालगाड़ी गुजर रही थी। गाड़ी की गति धीमी होने के कारण ट्रैक पर रखा गया छड़ लोको पायलट व रेलवे स्टाफ को दिखाई दे गया, जिसके बाद तुरंत मालगाड़ी को रोक दिया गया। इसके बाद गाड़ी के स्टाफ ने इस मामले की सूचना आरपीएफ एवं स्थानीय पुलिस को दी। अधिकारियों के साथ जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर देखा कि रेलवे ट्रैक के बीच में किसी ने मोटा सरिया रखा था, जिससे ट्रेन के डीरेल होने का खतरा था। गनीमत रही कि सुबह यहां से मालगाड़ी गुजर रही थी, जिसकी स्पीड बहुत ही धीमी थी, जिससे लोको पायलट को सरिया दिखाई दे गया। अगर यहां से एक्सप्रेस गाड़ी गुजर रही होती, तो नुकसान अधिक हो सकता था। रेलवे सूत्रों की मानें तो यहां गाड़ी को करीब 45 मिनट तक रोके रखा गया, जिससे यहां से गुजरने वालीं करीब छह गाड़ियां प्रभावित हुईं।

आईएएस संजीव हंस की कुल कमाई 5.47 करोड़ लेकिन दिल्ली में है 9.60 करोड़ रुपए का फ्लैट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के आईएएस अधिकारी संजीव हंस की आमदनी और संपत्ति को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। उनकी कुल आमदनी 5 करोड़ 47 लाख रुपये है, जिसमें से अधिकांश हिस्सा सैलरी और लोन से आया है, लेकिन उनके खर्च और संपत्तियां उनकी आमदनी से कहीं ज्यादा हैं। विशेष रूप से संजीव ने दिल्ली के आनंद निकेतन में 9 करोड़ 60 लाख रुपये का फ्लैट खरीदा है। यह जानकारी स्पेशल विजिलेंस यूनिट द्वारा दर्ज किए गए केस के आधार पर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्पेशल

विजिलेंस यूनिट ने संजीव हंस उनकी पत्नी मोना, साले, पिता और पूर्व विधायक गुलाब यादव व उनकी पत्नी अंबिका समेत 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बता दें कि संजीव हंस 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। 1997 से 2023 तक उनकी सैलरी लगभग 3.5 करोड़ रुपये की रही है। उन्होंने 60 लाख रुपये का हाउसिंग लोन और 17 लाख का कार लोन लिया है। उनकी पत्नी मोना ने भी एक व्यवसायिक प्लॉट पर 1.20 करोड़ रुपये का लोन लिया है। इसके अलावा गुलाब यादव और संजीव हंस की पत्नी मोना के बीच पुराने पारिवारिक संबंध हैं। केस के अनुसार, मोना और गुलाब यादव ने मिलकर पुणे में मेसर्स प्रोग्रोथ इंटरप्राइजेज नाम की एक कंपनी बनाई है, जिसके नाम पर पुणे में एक सीएनजी पंप है। यह सीएनजी पंप गुलाब यादव की पत्नी अंबिका यादव की जमीन पर बना है। संजीव हंस की संपत्तियों में दिल्ली के द्वारका में एक फ्लैट भी शामिल है।

किसान महापंचायत का ऐलान, 3 को पूरे देश में जाम रखेंगे रेल ट्रैक

नई दिल्ली। कुरुक्षेत्र के पिपली में पान मजदूर मोर्चा वी एस के एम के आह्वान पर रविवार को पिपली अनाज मंडी में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में हरियाणा के अलावा पंजाब और राजस्थान से भी बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। किसानों की महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि 3 अक्टूबर को पूरे देश में रेल ट्रैक जाम रखा जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा किसानों पर किए गए अत्याचारों का समय आ गया है, और अब किसान इसका बदला लेंगे।

उप्र में नशे के सौदागरों, हथियार तस्करों समेत नकल माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई

872 दुर्दांत और 379 साइबर अपराधियों को भेजा गया जेल

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश में 'जीरो टॉलरेंस नीति' के तहत अपराध और अपराधियों की लगातार कमर तोड़ रही है। इसी के तहत यूपीएसटीएफ ने प्रदेश के दुर्दांत अपराधियों, अवैध नशे के सौदागरों, हथियार तस्करों, साइबर अपराधियों समेत परीक्षा माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में 7 हजार से अधिक कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।

559 से अधिक हत्या, अपहरण और लूट की घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया: एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसटीएफ की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में कुल 7,015 कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है जबकि इस दौरान 49 अपराधी मारे गये। इन सभी पर 10 हजार से लेकर 5 लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सजगता और सतर्कता के फलस्वरूप 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया। इसमें जनप्रतिनिधि, प्रतिष्ठित व्यक्ति, आम नागरिकों के अपहरण, लूट, हत्या जैसे अपराध की घटनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही 3970 संगठित अपराधियों को अरेस्ट किया गया।

पेपर लीक में लिप्त 193 गिरोह के 926 सरगना व सॉल्वरों के खिलाफ की गई कार्रवाई: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी धांधली को रोकने एवं जड़ से खत्म करने के लिए 193 गिरोहों के 926 सरगना और साल्वरों के खिलाफ कार्रवाई की। एसटीएफ की इस कार्रवाई से युवाओं में योगी सरकार की साख बढ़ी है। वहीं, साइबर अपराधों में लिप्त 379 साइबर अपराधियों को भी दबोचा गया है। अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर 189 अपराधियों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से 2080 अवैध शस्त्र और 8229 अवैध कारतूस बरामद किये गये हैं। एसटीएफ ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों से शराब की तस्करी करने वाले 523 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

जल्द दरभंगा में बनेगा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट: संजय झा

♦ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/पटना

जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दरभंगा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले यात्रियों की परेशानियां दूर करने तथा इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने से संबंधित ज्ञापन सौंपा। संजय झा ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू जी से मुलाकात कर उन्हें दरभंगा एयरपोर्ट से आवागमन करने वाले यात्रियों को हो रही परेशानियों को दूर करने तथा इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने और रनवे के विस्तार की

आवश्यकता के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इस अनुरोध को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए मेरे सामने ही इंडिगो और अकासा एयरलाइंस के अधिकारियों को फोन कर दरभंगा से दिल्ली, मुंबई, बंगलोर और हैदराबाद के बीच उड़ान सेवा शुरू करने का प्रस्ताव विभाग को देने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि वे दोनों कंपनियों के लिए टाइम स्लॉट उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने से संबंधित विस्तृत प्रस्ताव तैयार करें। हमारे अनुरोध को अत्यंत गंभीरता से लेने के लिए माननीय मंत्री का सभी मिथिला वासियों की ओर से कोटिशः आभार। साथ ही, आंध्र प्रदेश के व्यंजन का स्वादिष्ट लंच कराने के लिए हृदय से धन्यवाद। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू उड़ान योजना के तहत बिहार को मिले एयरपोर्ट को सीएम नीतीश ने मिथिला के केंद्र दरभंगा को दिया। उन्होंने कई बार दरभंगा एयरपोर्ट का स्थल निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। अब उनकी इच्छा है कि दरभंगा एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बने। माननीय सीएम ने स्पष्ट कहा है कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने के लिए यदि अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता होगी, तो राज्य सरकार उसे भी देने के लिए तैयार है। हमने केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू को बताया कि दरभंगा उड़ान योजना के तहत एक अत्यंत सफल एयरपोर्ट है, जो प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक यात्रियों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान में यहां से स्पाइसजेट एयरलाइंस मुख्य रूप से दरभंगा से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे मार्गों पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। लेकिन, इस एयरलाइंस के परिचालन समय में अनिश्चितता और उड़ानों को अचानक रद्द कर दिये जाने से यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यहां से उड़ानों की संख्या कम होने के कारण किराये में भी काफी वृद्धि होती रहती है।

बेगूसराय में बेखौफ अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, फैली दहशत

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय में बेखौफ अपराधियों ने शाम ढलते ही रतनपुर थानाक्षेत्र के हेमरा चौक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना को अंजाम दे दिया। इस घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। सभी अपराधी फायरिंग करते हुए और हथियार लहराते हुए मोटरसाइकिल से फरार हो गए। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। चश्मदीदों के अनुसार, दो मोटरसाइकिल पर सवार चार अपराधी

हेमरा चौक पर पहुंचे और बिना किसी चेतावनी के ताबड़तोड़ 10 से 12 राउंड फायरिंग की। जिस समय यह घटना घटी, उस समय हेमरा चौक पर भारी भीड़ थी, क्योंकि यह इलाका व्यस्त बाजारों में से एक है। फायरिंग की आवाज सुनते ही लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह फायरिंग किसी दुकानदार को टारगेट करके की गई थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि फायरिंग का मकसद क्या था। फिलहाल इसे दहशत फैलाने की नीयत से की गई हरकत माना जा रहा है।वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और इलाके को घेर लिया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

सरकार ने तीन माह के लिए भूमि सर्वे को आगे टाला, मिली राहत

सर्वे की समस्याओं को सुलझाने के लिए आएंगे यूपी से विशेषज्ञ : मंत्री

केटी न्यूज/पटना

बिहार में 20 अगस्त से जमीन के सर्वे का काम चल रहा था। लेकिन तीन महीने के लिए नीतीश सरकार ने इस पर रोक लगा दी है। सरकार के इस फैसले के बाद रैयतों में खुशी की लहर देखी जा रही है। क्योंकि लोग कागजात बनाने के लिए कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। इसे लेकर लोग काफी परेशान थे। लोगों की परेशानी को देखते हुए सरकार ने कागजात को दुरुस्त करने का समय दे दिया। जमीन के मालिकों को तीन महीने का समय कागजात बनाने के लिए दिया गया है। अब तीन महीने के बाद ही फिर से बिहार में जमीन सर्वे का काम शुरू किया जाएगा। फिलहाल उत्तर प्रदेश से विशेषज्ञों को बुलाया गया है। जो जमीन मालिकों की समस्या का समाधान करेंगे। बिहार में जमीन सर्वे का काम कुछ समय के लिए टल गया है। भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने जमीन मालिकों की परेशानी को देखते हुए सरकार इस सर्वे को तीन महीने के लिए स्थगित करने जा रही है। जमीन मालिकों को कागजात बनाने के लिए तीन महीने का समय दिया जाएगा ताकि वह जमीन का कागजात तैयार करवा सकें। दरअसल, भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल सांसद पप्पू यादव के दिवंगत पिता चन्द्रनारायण बाबू के निधन के बाद शोक संसप्त परिवार से मिलने पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमें शिकायत मिल रही थी कि लोगों को कागजात ढूंढने में दिक्कतें हो रही है। लोगों की परेशनी को देखते हुए उन्हें कागजात बनाने के लिए तीन महीने का समय दिया जाएगा तब तक जमीन सर्वे का काम फिलहाल स्थगित रहेगा। बता दें कि

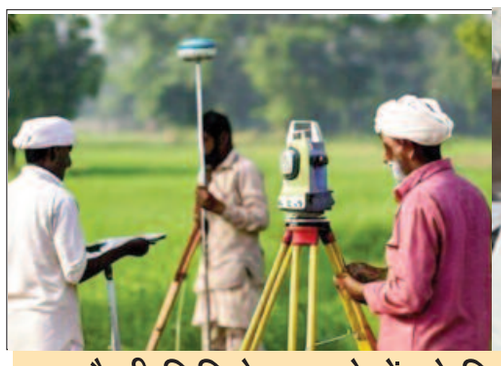

कैथी लिपि के दस्तावेजों को किया जाएगा दुरूस्त

कैथी लिपि से संबंधित जो समस्याएं सामने आई है उसे दूर करने का काम उत्तर प्रदेश से आए विशेषज्ञ करेंगे। वही जमीन मालिकों को कागजात तैयार करने में आ रही परेशानी को दूर करने का निर्देश तमाम अंचलाधिकारी को भी दिया गया है। रैयतों को कागजात जुटाने के लिए तीन माह की जो मोहलत दी गयी उसमें सीओ जमीन मालिकों की समस्या को दूर करने की कोशिश करेंगे। जमीन मालिकों के कागजात को दुरुस्त करने में मदद करेंगे। तीन माह की मोहलत वाली बात बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने पूर्णिया में शनिवार को दी थी। कहा था कि लोगों को जमीन का कागजात जुटाने में कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। रैयतों को भारी परेशानी हो रही है। उनकी इस परेशानी को देखते हुए सरकार ने उन्हें तीन महीने का मोहलत दिया है। इस अवधि में वो अपने-अपने जमीन का कागजात तैयार कर ले जिससे जमीन का सर्वेक्षण करने में किसी तरह की समस्या ना हो। सरकार चाहती है कि जमीन का विवाद खत्म हो इसलिए बिहार में भूमि का सर्वे कराया जा रहा है।भूमि सुधार मंत्री ने कैथी लिपि को लेकर हो रही परेशानियों को लेकर कहा कि जल्द ही इसको लेकर ट्रेनिंग स्टार्ट करेगें ताकि कोई इसका गलत फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि इसको लेकर बनारस और अन्य जगहों से सौ से अधिक एक्सपर्ट को बुलाया गया हैं।

बिहार में बिहार विशेष सर्वेक्षण बंदोबस्त नियमावली 2012 के तहत राज्य में जमीन सर्वे का काम शुरू किया गया था जिसके जरिए सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी कि जमीन में असल मे मालिकाना हक किसका हैं। 45 दिनों के अंदर जमीन मालिकों को जमीन के कागजात सरकार को मुहैय्या कराने के निर्देश दिए गए थे लेकिन यह काम शुरू होते ही विवादों में फंस गया। राज्यकर्मियों को कैथी लिपि की जानकारी नहीं होने से जहां कामकाज हैम्पर हो रहा था। ऐसे में भूमि सुधार मंत्री की यह घोषणा कर जमीन मालिकों को बड़ी राहत दी है।

डीएमसीएच के जूनियर डॉक्टर गए हड़ताल पर, इमरजेंसी सेवा ठप

♦ मरीज और उनके परिजनों को हुई परेशान
♦ चार दिन पहले मरीज के परिजन की जूनियर डॉक्टरों ने पिटाई कर थी

केटी न्यूज/दरभंगा

दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने शनिवार रात से काम करना बंद कर दिया है। इससे इमरजेंसी और गायनिक विभाग में जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर देने से मरीजों की परेशानी काफी बढ़ गई। चार दिन पहले मरीज के परिजन को जूनियर डॉक्टरों ने पिटाई कर थी। इस मामले को लेकर बेंता थाना में 30 से 40 डॉक्टरों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन इमरजेंसी और गायनी विभाग में पीओडी और एसओडी को मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने को कहा है। जूनियर डॉक्टरों ने गायनी विभाग में भी इलाज ठप करा दिया। अगर वे आज से काम पर नहीं लौटते हैं तो मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि चार दिनों पहले डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में हुए बवाल को लेकर जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के विरोध में उन्होंने काम बंद कर दिया है। डीएमसीएच उपाधीक्षक डॉ. हरेंद्र कुमार ने जूनियर डॉक्टरों के काम बंद करने की पुष्टि करते हुए कहा है कि इमरजेंसी के अलावा विभिन्न विभागों में मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने के लिए वरीय चिकित्सकों से अनुरोध किया गया है।

एक नजर

दिशा भटका रहे प्रशांत किशोर, उनका दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ : मो. उमेर

दरभंगा। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक कमिटी के अध्यक्ष मो. उमेर खान ने जन सुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर अल्पसंख्यकों की दिशा भटका रहे हैं। प्रशांत किशोर का राजनीतिक दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ है।कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मो. उमेर खान ने कहा कि प्रशांत किशोर, जो पहले नरेंद्र मोदी का प्रचार कर चुके हैं, अब अल्पसंख्यक समुदाय को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। खान ने कहा कि किशोर ने 2014 के चुनाव में मोदी को लॉन्च करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नारे हर हर मोदी और घर घर मोदी ने भाजपा के प्रचार को मजबूती दी। कांग्रेस नेता उमेर खान ने आगे कहा कि किशोर ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की स्थिति का समर्थन किया था। जब लोगों को लगा कि भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा है, तो किशोर ने टीवी चैनलों पर यह कहकर बयान दिया कि भाजपा को 303 सीटें मिलेंगी। इससे साफ है कि उनका दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।उमेर खान ने यह भी बताया कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन की सरकार 2025 में बिहार में बनेगी। कांग्रेस इस बार एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरेगी और लोगों के बीच अपनी नीतियों को पहुंचाएगी। हम बिहार के विकास और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। खान ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार में सभी समुदायों को एकजुट होकर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। हम अल्पसंख्यकों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि आगामी चुनाव में वह ऐसे मुद्दों को उठाए जो आम लोगों को प्रभावित करते हैं। पार्टी ने लोगों के बीच जाकर उनके मुद्दों को समझने और समाधान के लिए योजनाएं बनाने की रणनीति बनाई है।

जमुई के सिकंदरा में कार्यक्रम के दौरान छज्जा गिरने से दो की मौत, सात जख्मी

केटी न्यूज/जमुई

जमुई जिले के सिकंदरा थानाक्षेत्र के ऋषिडीह गांव में एक निजी कार्यक्रम के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। यहां घर का छज्जा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि सात गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब ऋषिडीह गांव में एक निजी कार्यक्रम चल रहा था। कुछ लोग घर के जर्जर छज्जे पर बैठे थे, जबकि अन्य लोग नीचे बैठकर कार्यक्रम देख रहे थे। अचानक छज्जा कमजोर होने के कारण गिर गया, जिससे छज्जे पर बैठे लोग और नीचे बैठे लोगों पर भारी मलबा गिर गया। इस दौरान घटनास्थल पर अफरातफरी

मच गई और ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जोगिंदर यादव (55) और जद्दु यादव (52) के रूप में हुई है, जो दोनों ऋषिडीह गांव के निवासी थे। वहीं, घायलों में अशोक यादव, कौशल यादव, सोनू साव, दरमन यादव, ईश्वर यादव, चानो यादव और अधिक यादव शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर किया गया है। जबकि कुछ का इलाज निजी क्लीनिक में चल रहा है।वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। सिकंदरा थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह ने बताया कि छज्जा गिरने की इस दुखद घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई है और सात लोग घायल हुए हैं।

घटना को अंजाम दे रहे छह अपराधी गिरफ्तार

छपरा। बिहार में सारण जिले की भेल्दी थाना की पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम दे रहे छह अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि खरीदाहा कोल्ड स्टोरेज के समीप गोसी छपरा गांव निवासी आकाश कुमार तिवारी घर जा रहे थे इस दौरान अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़ित ने भेल्दी थाना में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एसपी ने बताया कितकनीकी सूचना के आधार पर पुलिस ने मकेर थाना क्षेत्र के डोसी मनुअर गांव निवासी अपराधी विपिन कुमार, नीतीश कुमार, रौशन कुमार, रितिक कुमार विकास कुमार एवं कुंदन कुमार को गिरफ्तार किया गया।

रक्तदान करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है : डॉ नेहा सिंह

जैनेंद्र ने 29 वर्ष की आयु में 49 बार किया था रक्तदान

केटी न्यूज/ जमुई

मंत्री मंगल पांडेय ने जैनेंद्र को याद करते हुए कहा कि 29 साल की उम्र में 49 बार रक्तदान करना निश्चित रूप से बहुत बड़ी बात है। मैंने भी 50 बार रक्तदान किया है। लेकिन 29 साल की उम्र में मैं ऐसा नहीं कर सका, स्व. जैनेन्द्र ज्योति ने किया। स्वस्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने ये बातें कहीं। पत्रकार एवं समाज सेवी स्व. जैनेन्द्र ज्योति की चौथी पुण्यतिथि पर मां ब्लड सेंटर में आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए मंगल पांडेय ने कहा कि रक्तदान करने से कोई नुकसान नहीं होता है। इसलिए हर इंसान को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से अतिरिक्त ऊर्जा महसूस होती है। मंत्री ने कहा कि स्व जैनेन्द्र ज्योति कोरोना महामारी में हमसे जुदा हो गए। उनके श्राद्ध भोज

की जगह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। यह बड़ी बात है। इस मौके पर डॉ दिवाकर तेजस्वी ने रक्तदान करने के बाद कहा कि रक्तदान एक बहुत ही पुनीत कार्य है। हर व्यक्ति को क्षमता के अनुसार रक्तदान करना चाहिए। 3 महीने में नया रक्त बनता है। 3 महीने में रक्त पुराना हो जाता है। इसलिए पुराने रक्त को रखने से कोई फायदा नहीं है। बेहतर है कि उसे दान कर दें। रक्तदान करने से बहुत फायदे हैं। प्रख्यात महिला चिकित्सक डॉ सारिका राय ने कहा कि रक्तदान करने से सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्लड हमेशा रिफाइन होते रहता है। मेरे साथ लगभग 20 सालों से काम करने वाले जितने भी लोग हैं वह कभी बीमार नहीं हुए। इसकी मुख्य वजह यह है कि वह हमेशा रक्तदान करते हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मां ब्लड सेंटर में मुझे बुलाया गया और मैं आई। जिस कॉन्सेप्ट से मां ब्लड सेंटर खुला है, यह मेरे लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। पटना एम्स की ब्लड बैंक इंचार्ज नेहा सिंह ने कहा कि रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि अगर आप ब्लड डोनेट करते हैं तो आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। रिसर्च के अनुसार, रक्तदान करने वाले कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से दूर रहते हैं। कार्यक्रम में मुकेश हिसारिया, मां वैष्णो देवी सेवा समिति के अध्यक्ष जगजीवन सिंह बबलू, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल अनंत अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, मनीष बनेटिया, पंकज लहुरका, मुकेश कांत, किशन बंका, राजेश बजाज, विनय बजाज, अशोक शर्मा, सज्जन चौधरी, सुनील जी आदि मौजूद थे।

राजपुर में ओवरटेक करने में यात्री बस पलटी, आधा दर्जन घायल; दो रेफर

♦ कोचस-बक्सर मुख्य मार्ग पर राजपुर के पास की है घटना, जानकारी मिलते ही राहत बचाव में जुटी स्थानीय पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

कोचस-बक्सर मार्ग पर तेज गति से आ रही एक यात्री बस दूसरी यात्री बस को ओवरटेक करने के चक्कर मे सड़क किनारे चाट में पलट गई। जिसमें सवार आधा दर्जन यात्री जख्मी हो गए। जिन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया। जहा दो की हालत गम्भीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना दोपहर डेढ़ बजे के आपस राजपुर थाने के स्थानीय गांव के पास हुई।

मिली जानकारी के अनुसार दो यात्री बस यादव व मां सरस्वती यात्री बस आसपास समय के अंतराल में कोचस से आगे-पीछे करते आ रही थी। जहा कई जगह कभी यादव तो कभी मां सरस्वती बस एक दूसरे को ओवरटेक कर रही थी। इसी में राजपुर के पास आगे चल रही यादव बस को पीछा करते हुए मां सरस्वती बस का चालक आगे निकलने का प्रयास किया। लेकिन, सड़क पर गड्ढे होने के वजह से बस असंतुलित हो चाट में पलट गई। जिससे बस में सवार करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। बस पलटते ही वहा अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में पहुंचे ग्रामीणों ने सभी घायलों को बस से निकाल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर पहुंचाया। जहां दो की हालत गम्भीर होने से चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया।

वही, घायलों के फर्द बयान पर पुलिस ने अज्ञात बस चालक, खलासी पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए यात्री बस को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद बेलगाम परिचालन के प्रति लोगों में गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि चालकों की लापरवाही तथा वाहनों की अधिक स्पीड के कारण अक्सर ऐसी दुर्घटनाएं हो रही है। बावजूद स्थानीय प्रशासन और परिवहन विभाग मौन साधे है। जिससे ऐसी घटनाओं पर लगाम नहीं लगाया जा रहा है। लोगों ने बेलगाम परिचालन पर रोक लगाने की मांग बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल व परिवहन विभाग से की है।

घटना के बाद चालक व सहचालक फरार

इधर, घटना की जानकारी के बाद राजपुर पुलिस भी पहुंच गई। जहां घायलों के इलाज के साथ चालक व सह चालक को ढूंढने लगी। बताया जाता है कि चालक व सहचालक पहले ही फरार हो गए थे। राजपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि ओवरटेक करने के चक्कर में एक यात्री बस पलटने की सूचना मिली तो पुलिस पहुंच मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना में भेलूपुर निवासी बसंत चौहान, करैला गांव निवासी श्रवण चौहान, धनु चौहान, रोहतास जिला के करगहर थाना क्षेत्र के बभन बरहेता गांव निवासी कृष्णनंदन राय, राजपुर थाना क्षेत्र के बसही गांव निवासी भरत बिंद सहित अन्य लोग घायल हो गए। इन सभी का इलाज सीएचसी राजपुर में किया गया।

टुड़ीगंज स्टेशन पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने व एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का करूंगा प्रयास

रेल यात्री कल्याण समिति की बैठक में बोले सांसद...

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ रेल यात्री कल्याण समिति ने आयोजित किया था सांसद का अभिनंदन समारोह

टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस टेज्नों के ठहराव तथा यात्री सुविधाएं बढ़ाने के लिए रेल मंत्री से मांग किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो इसके लिए संघर्ष भी किया जाएगा। उक्त बातें बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने टुड़ीगंज में आयोजित अभिनंदन समारोह के मौके पर कही। रेल यात्री कल्याण समिति द्वारा बक्सर के नये सांसद के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। जहां, रेल यात्री कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में समिति ने सांसद का जोरदार स्वागत किया।

टुड़ीगंज स्टेशन पर पहुंचकर सांसद ने रेल यात्री कल्याण समिति के साथ यात्रियों की समस्याओं को सुना। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेलयात्री कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार सिंह तथा संचालन प्रवक्ता इमरान खान ने किया। अपने संबोधन में समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुधाकर सिंह पहले ऐसे सांसद है, जिन्होंने रेलयात्री कल्याण समिति के संघर्षों में साथ चलने का निर्णय लिया है। रेलवे में फैले भ्रष्टाचार के चलते रेलयात्रियों की मुलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। एकतरफ जहां हॉल्ट पर जनशताब्दी जैसी गाड़ी का ठहराव मिल रहा है तो दूसरी तरफ कई स्टेशनों पर एक भी एक्सप्रेस गाड़ी का ठहराव नहीं है। मुख्य अतिथि सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि रेलयात्री कल्याण समिति द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में मुझे आकर बहुत प्रसन्नता हुई। मैं रेलयात्री कल्याण समिति द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से संसद में उठाउंगा। स्टेशन पर नई ट्रेनों के ठहराव के साथ ही रेलयात्रियों की मुलभुत सुविधाओं में भी वृद्धि का मैं पूरा प्रयास करूंगा।

मौके पर पूर्व सैनिक संघ अध्यक्ष रामनाथ सिंह, शिक्षक डॉ योगेन्द्र सिंह, डॉ एस के सैनी, अन्तर्राष्ट्रीय तैराक बीजेन्द्र सिंह, रासबिहारी सिंह, उमेश प्रसाद, प्रो सुरेन्द्र सिंह यादव, हरेन्द्र महतो, अनिल सिंह, जय प्रकाश चौबे, मुन्ना यादव, रामबाबू कुशवाहा, मिथिलेश सिंह, रवी सिंह, पूर्व मुखिया अजीत सिंह,पुर्व मुखिया राजु सिंह,अरियांव मुखिया प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, सरपंच प्रतिनिधि दीनेश्वर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

अभय कुमार सिंह बने भाजपा क्रीडा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक

बक्सर। जिले के डुमरांव अनुमंडल के चौगाईं प्रखंड के नचाप गांव निवासी व युवा भाजपा नेता अभय कुमार सिंह को भाजपा क्रीडा प्रकोष्ठ बक्सर का संयोजक बनाया गया है। उन्हें यह जिम्मेवारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश कुमार श्रीवास्त ने दी है। इस मनोनयन से बक्सर जिला भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। नेताओं और कार्यकताओं द्वारा बधाईयों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, रामकुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष, राजवंश सिंह लोकसभा संयोजक, अनिल पांडेय संयोजक सदस्यता, मनोज पाण्डेय, संत कुमार सिंह, श्रीमन्नारायण तिवारी, मिना सिंह कुशवाहा, रेखा देबी, सुधा गुप्ता, सुनील कुमार सिंह, आशानन्द सिंह, संध्या पाण्डेय तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा बक्सर प्रमुख हैं।

डीएम व एसपी ने की संयुक्त रूप से समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है भूमि विवाद का निपटारा: जिलाधिकारी

♦ अवैध शराब जब्ती में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर जिलाधिकारी ने उत्पाद अधीक्षक से मांगा स्पष्टिकरण

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से जिला सड़क सुरक्षा समिति, भूमि विवाद, मद्य निषेध, शस्त्र, नीलाम, राजस्व न्यायालय, खनन टास्क फोर्स, लोक सेवा केंद्र, लोक शिकायत निवारण एवं दुगार्पूजा पर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण की तैयारी की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में की।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि विवाद का निराकरण कराना मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। भू-समाधान पोर्टल पर आवेदन की प्रविष्टि एवं निष्पादन की थानावार समीक्षा के क्रम में पाया गया कि बक्सर एवं नावानगर थाना के द्वारा भूमि विवाद की प्रविष्टि के लिए एक बार भी पोर्टल पर लॉग इन नहीं किया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समाधान पोर्टल पर प्रविष्टि करते हुए भूमि विवाद के मामलों का निष्पादन करेंगे साथ ही प्रत्येक शनिवार को अनिवार्य रूप से जनता दरबार का आयोजन करेंगे। जबकि सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि पंजी 9 एवं पंजी 10 का मिलान अवश्य करें। अपर समाहर्ता, बक्सर को निर्देश दिया गया कि साप्ताहिक एवं पाक्षिक रूप से नीलाम पत्र पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करें।

आईटीआई फिल्ड तिराहा पर साइनेज लगाने का निर्देश : जेल पईन पथ पर निर्माण के बाद पथ में रोड साइनेज नहीं लगाने, आईटीआई मोड़ फिल्ड के पास बने तिराहा पर दुर्घटना की संभावना को देखते हुए आवश्यक व्यवस्था नहीं करने के कारण जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया कि उक्त तिराहा पर आवश्यक व्यवस्था करें ताकि कोई दुर्घटना नहीं हो। साथ ही आईटीआई के टूटे हुए चाहरदीवारी के संबंध में पूछने पर पर कार्यपालक अभियंता ने बताया कि चाहरदीवारी निर्माण के लिए विभाग में प्रस्ताव भेज दिया गया है। साथ ही बताया गया कि जेल पईन पथ पर वृक्षों की कटाई की जा रही है।

शराब जब्ती में उदासीनता पर उत्पाद अधीक्षक से शो-कॉज : अवैध शराब की जब्ती में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण जिलाधिकारी ने अधीक्षक, मद्य निषेध एवं उत्पाद से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैद्य शराब जब्ती के लिए गहन जांच अभियान चलाने एवं जब्ती का निर्देश दिया गया। वहीं, खनिज विकास पदाधिकारी बक्सर द्वारा बताया गया कि 15 अक्टूबर से खनन कार्य प्रारंभ होगा। अवैद्य खनन, परिवहन एवं नियम विरूद्ध वाहनों के परिचालन तथा उक्त अवधि में यातायात प्रबंधन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी एवं खनन पदाधिकारी को विस्तृत कार्य योजना बनाकर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया।

निलंबित व रद्द अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र जमा कराने का निर्देश : समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि शस्त्र सत्यापन नहीं करने वाले 193 निलंबित अनुज्ञप्तिधारियों एवं 545 रद्द शस्त्रों के शस्त्रधारियों द्वारा अब तक संबंधित थाना एवं अथवा शस्त्रागार में अपने शस्त्रों को जमा नहीं किया गया है। प्रभारी पदाधिकारी शस्त्र शाखा को निदेश दिया गया कि सभी थानाध्यक्ष को थानावार सूची पुनः उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

लंबित राजस्व वाद का निष्पादन करें अधिकारी

राजस्व न्यायालय में लंबित वाद की समीक्षा के क्रम में डीएम ने अपर समाहर्ता बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव, भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर एवं डुमरांव तथा सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि नियमित तौर पर न्यायालय कार्य करते हुए लंबित सभी राजस्व वादों का निष्पादन करें। मोटर वाहनों से शमन की राशि की थानावार समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध कृष्णाब्रह्म थाना द्वारा 4 प्रतिशत, मुरार थाना द्वारा 28 प्रतिशत, रामदास राय का डेरा थाना द्वारा 12 प्रतिशत, सोनवर्षा थाना द्वारा 20 प्रतिशत एवं बासुदेवा ओपी द्वारा 10 .5 प्रतिशत ही राशि वसूली की गई है। जिस पर पुलिस अधीक्षक बक्सर ने खेद व्यक्त किया एवं संबंधित थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करेंगे।

पूजा पंडालों का भौतिक सत्यापन करें थानाध्यक्ष: एसपी

कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को निर्देश दिया गया कि शीघ्र रामरेखा घाट पर स्थाई नियंत्रण कक्ष बनवाए, ताकि मुंडन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान भीड़ नियंत्रण एवं आम जनों को सहयोग प्रदान किया जा सके। निर्देशित किया गया कि नगर क्षेत्र में सभी सीसीटीवी को क्रियाशील कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही रामरेखा घाट तक जाने वाले पथों पर से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया। एसपी ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए अभी से ही निर्माण हो रहे सभी पूजा पंडालों का भौतिक सत्यापन कर लेंगे। पंडाल संयोजकों तथा पूजा समितियों से समन्वय स्थापित कर सभी पंडालों पर सीसीटीवी लगवाने, भीड़ नियंत्रण के लिए व्यवस्था, वोलेन्टियर का विवरण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

एक नजर

झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश पहुंचे बक्सरे

बक्सर। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश संजय कुमार दुबे बक्सर पहुंचे। जो जिले के सेमरी प्रखंड स्थित दुबौली गांव निवासी है। बक्सर पहुंचने पर पत्नी गायत्री द्विवेदी के साथ सुमेश्वर स्थान स्थित भगवान वामन मंदिर दर्शन करने को लेकर पहुंचे.जहां भगवान वामन एवं भोलेनाथ की मंदिर के पुजारी के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पुजा, अर्चना व आरती की। पंडितों ने विधिवत संकल्प के साथ पूजा, अर्चना और आरती करायी। वहीं इस दौरान भगवान वामन चेतना मंच ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी के नेतृत्व में रविवार को मंच के सदस्यों ने न्यायाधीश को भगवान वामन का चित्र एवं अंग वस्त्र देखकर स्वागत किया। भगवान वामन के जयघोष से पुरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। मंच के सदस्यों ने न्यायाधीश से मंदिर के विकास को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने सहयोग करने को लेकर आश्वासन भी दिया। मौके विजय बहादुर पांडेय ,आनंद पांडेय, संजय ओझा, प्रकाश पांडेय, मनोज तिवारी, अभिषेक ओझा,अरविंद चौबे,आशुतोष चतुवेर्दी, दयानंद उपाध्याय, धनंजय मिश्र, अवधेश चौबे, गणेश पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

एमपी हाई स्कूल के प्राचार्य को किया गया सम्मानित

बक्सर। शहर के चीनी मिल स्थित कार्यालय में वामन चेतना मंच के तत्वावधान में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी ने की। वहीं संचालन प्रमोद चौबे ने किया। इस दौरान एमपी हाई स्कूल के प्राचार्य विजय कुमार मिश्र कोई सम्मान किया गया। मंच के सदस्यों ने प्राचार्य को गुलदस्ता एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। विदित हो कि विगत पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राचार्य को बेहतर शिक्षक के रूप में राजकीय सम्मान पटना में दिया गया था। वक्ताओं ने कहा कि गुरु के बिना समाज का विकास संभव नहीं है। गुरु का दर्जा भगवान से भी बड़ा दिया गया है। गुरु समाज का मार्गदर्शन होता है। इसलिए उनका सम्मान जरूरी है। वहीं पर प्राचार्य ने मंच के विकास एवं विस्तार के लिए अपना विचार भी दिए। मौके पर डॉ. श्रीनिवास उपाध्याय, डॉ. अंजन पांडेय, प्रकाश पांडेय ,मनोज तिवारी, दयानंद उपाध्याय, रिंकू पांडेय ,आशुतोष चतुवेर्दी, अरविंद चौबे, सरोज तिवारी, अभिषेकओझा, अवधेश चौबे, धनंजय मिश्र, राकेश पांडेय, अखिलेश पांडेय, नागेश दत्त पांडेय, धर्मेंद्र तिवारी, प्रियव्रत पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

इंस्टा पर हिंदू देवी देवताओं की आपत्तिजनक वीडियो डालने वाला धनसोई का युवक गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

सोसल मीडिया इंस्टाग्राम पर हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो डालने वाले एक युवक को बक्सर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार रितेश कुमार धनसोई थाना क्षेत्र के परसिया गांव का रहने वाला है। बक्सर पुलिस ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों से अपील किया है कि किसी भी तरह का ऐसा फोटो या वीडियो को लोगों के धार्मिक या सांप्रदायिक भावना को आहत कर सकती है, उसे सोसल मीडिया प्लेटफार्म पर नहीं डाले।

मिली जानकारी के अनुसार उसने अपने इंस्टाग्राम एकाउंटर पर शनिवार की रात 9.30 बजे हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर डाला था। किसी ने बक्सर पुलिस के ट्वीटर हैंडल पर इसकी शिकायत दी। शिकायत मिलते ही एसपी शुभम आर्य ने तत्काल धनसोई थानाध्यक्ष को मामले की जांच करने की जिम्मेवारी दी।

युवक के मोबाईल में मिला उक्त वीडियो : एसपी के निर्देश पर धनसोई पुलिस ने उक्त युवक के घर छापेमारी कर उसे पकड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसके मोबाईल की जांच की। जांच में उसके मोबाईल में उक्त वीडियो मिल गया। वही, पुलिस की पूछताछ में युवक ने यह स्वीकार किया कि उसने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। जिसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत रूप से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

> “ पुलिस के ट्वीटर हैंडल पर इसकी जानकारी मिली कि एक युवक हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक वीडियो शेयर किया है, तत्काल धनसोई थानाध्यक्ष को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। धनसोई पुलिस ने उक्त युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। किसी के धार्मिक भावना को आहत करना गंभीर अपराध है।
>
> – शुभम आर्य,
> एसपी, बक्सर

सर्पदंश से किशोरी की मौत, मचा कोहराम

केटी न्यूज/केसठ

एक तरफ जहां पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस मना रहा है, वही दूसरी तरफ एक पिता अपनी बेटी को खोने का गम में व्याकुल है। केसठ गांव के बस स्टैंड डेरा पर शनिवार की रात एक बच्ची को विषैले सांप ने डस लिया, जिससे देर रात्रि उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार केसठ गांव निवासी अनोज कुमार की 7 वर्षीय पुत्री आंशिका कुमारी एक चौकी पर अपने भाई के साथ खाना खा रही थी तभी एक विषैला सर्प ने उसे डस लिया। हालांकि बच्ची के द्वारा परिजनों को बताया गया कि मुझे सर्प ने डस लिया है। फिर भी उसके परिजन झाड़ फूंक के चक्कर में रह गए तथा चिकित्सा के बजाय उसे झाड़-फूंक कराने वालों के पास लेकर चले गए। हालाकि, ये सब करने के बाद भी परिजनों के हाथ में निराशा ही मिली। जब परिजनों ने देखा की बच्ची की स्थिति नाजुक हो रही है तब वो प्रतापसागर अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक ने स्थिति को देखते हुए बक्सर भेज दिया। परिजनों ने भर्ती कराया तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना जैसे ही घरवालों को मिली तो कोहराम मच गया। मृतिका की मां रीना देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने नावानगर थाने को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया। मृतिका के पिता मजदूरी के काम करते है, वही माता गृहणी है। मृतिका कन्या प्राथमिक विद्यालय की वर्ग एक की छात्रा थी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने बताया कि बच्ची पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद में होनहार थी।

साउथ एशियन कॉम्बैट कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतने के बाद बक्सर पहुंची जिले की बेटी को किया सम्मानित

सरकार जिले के खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए व्यवस्था: डॉ. मनोज

♦ स्राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव की रहने वाली हैं पंचरत्न कुमारी

केटी न्यूज/बक्सर

साउथ एशिया कॉम्बेट कुश्ती चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली जिले के तियरा की बेटी पंचरत्न कुमारी रविवार को बक्सर पहुंची और उन्होंने अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं, जिले में पंचरत्न कुमारी के पहुंचने पर पूर्व जिला पार्षद एवं मजदूर यूनियन के नेता डॉ. मनोज कुमार यादव द्वारा शाल एवं पौधा देकर सम्मानित किया। पंचरत्न कुमारी राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव निवासी है। वह पटना यातायात पुलिस में पदस्थापित है।

इस दौरान डा. मनोज ने कहा कि जिले में प्रतिभा की कमी नहीं है। खेल को बढ़ावा देने के लिए बिहार की सरकार हो या देश की सरकार खिलाड़ियों को भरपूर मात्रा में सुविधा मुहैया नहीं कराई जाती है। जहां तक जिले की बात है यहां खिलाड़ियों को खेलने के लिए स्टेडियम व व्यायामशाला तक नहीं है। जिसके चलते गांव, कस्बा एवं पंचायत के बच्चे एवं बच्चियों आगे खेल में बढ़ नहीं पाती है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे बीच की रहने वाली गरीब मजदूर की बेटी ने अपने संघर्ष के बदलौत पंचरत्न कुमारी ने बक्सर जिला का नाम देश एवं दुनिया में रौशन किया। जिससे मेरा जिला और राज्य गौरवान्वित महसूस कर रहा है। पंचरत्न कुमारी से हमारे जिला के लड़के एवं लड़कियों को सीख लेने की आवश्यकता है। वही, उन्होंने कहा कि पंचरत्न की सफलता इस बात की प्रमाण है कि यदि जिले के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण व भरपूर संसाधन मिले तो कई युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा बिखेर सकते है। उन्होंने सरकार से जिले के युवाओं के लिए स्टेडियम बनवाने तथा खेल संसाधन मुहैया कराने की मांग की।

कुश्ती में जीता था गोल्ड मेडल : बता दें कि नेपाल के काठमांडू में आयोजित तीन दिवसीय साउथ एशियन कॉम्बैट कुश्ती चौंपियनशिप में पटना यातायात पुलिस की पंचरत्ना कुमारी ने 75 किलो वजन भार में स्वर्ण पदक जीता था। जिसमे कुल आठ देशों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में श्रीलंका, नेपाल एवं पाकिस्तान के पहलवानों को हराकर स्वर्ण पदक जीतकर अपने देश का नाम को आगे बढ़ाया था।

स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देने में पूर्व मुखिया लाल जी राम, पूर्व मुखिया जयराम राम, सुभाष राम, भरत पांडे, मंगल देव पासवान, हरिशंकर राम, नितेश उपाध्याय, रामाशीष कुशवाहा, विजय राम, कन्हैया मालाकार सियाराम यादव कैलाश राम, शिवशंकर राम, गोविंद खरवार, रामप्रवेश राजभर, कर्ण प्रसाद गुप्ता, रामेश्वर चौहान, रिजवान खान, पिंटू पहलवान, वीर बहादुर पहलवान व अन्य मौजूद रहे।

शहर में तेजी से बढ़े इलेक्ट्रिक वाहन, लेकिन संसाधन का अभाव

- तीन गुना बढ़ा वाहन की संख्या लेकिन पेट्रोल पंप की तरह नहीं है चार्जिंग की सुविधा
- इलेक्ट्रिक वाहन चालक को सफर में होती है परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

इलेक्ट्रिक वाहन की मांग हुई तेज

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से लोग अब तेजी से इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीद रहे हैं। यहां वर्ष 2017 से 31 दिसम्बर 2019 तक ऐसे वाहनों की संख्या लगभग 284 थी। वहीं, 2020 से फरवरी 2024 में ऐसे वाहनों की संख्या बढ़कर लगभग 4500 हो गए। वहीं, मार्च तक ई रिक्शा की संख्या लगभग 5000 से भी अधिक पहुंच गई है। अभी यहां इलेक्ट्रिक टू व्हीलर, श्री व्हीलर, फोर व्हीलर तक का ही परिचालन हो रहा है। लेकिन स्थित को देखकर बहुत जल्द ही डुमरांव एवं पटना-बक्सर एनएच 922 पर इलेक्ट्रिक बस भी दौड़ेगी।

वायुमंडल में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के साथ ही रनिंग कॉस्ट कम रहने के कारण इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। हर महीने सड़को पर सैकड़ो नई इलेक्ट्रिक वाहन दिखाई दे रही है। समय एवं मांग को देखते हुए डुमरांव एवं बक्सर मिलाकर 70 से 80 इलेक्ट्रिक वाहन के शो-रूम खुल चुका है। साथ ही सरकार लोगों को इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही है। इस पर 50 फीसदी रोड टैक्स माफ कर रही है।

इसका असर यह है कि पिछले ढाई साल में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या साढ़े तीन गुनी बढ़ गई है। लोग इलेक्ट्रिक वाहन जिस तेजी से खरीद रहे हैं, सरकार की ओर से इसकी चार्जिंग की व्यवस्था नहीं की जा रही है। चालकों को घर से ही गाड़ी को चार्ज कर निकलना पड़ रहा है। बीच में डिस्चार्ज होने पर टोचन करना पड़ रहा है। वर्तमान समय मे केवल डुमरांव अनुमंडल के इलाके में अगर इलेक्ट्रिक वाहन की बात किया जाए तो इसकी संख्या करीब 5000 से अधिक है।

पेट्रोल पंप की तरह नहीं है चार्जिंग स्टेशन : पेट्रोल युक्त वाहनों के लिए सभी मार्ग पर 2 किलोमीटर के अंतराल पर एक पेट्रोल पंप मौजूद है। जिस तरह से शहर में इलेक्ट्रिक वाहन की संख्या में वृद्धि हुआ है। उसप्रकार से इस वाहन के लिए सरकार एवं विभाग को राजमार्ग एवं स्टेट मार्ग के अंतर्गत इसके लिए चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था होनी चाहिए। ताकि इलेक्ट्रिक वाहन चालक को सफर में कोई अड़चन उत्पन्न न हो। आसानी से लोग अपनी मर्जी का सफर तय कर सके।

घर से बाहर चार्ज करते है लगता है 100 से 150 रुपया : नया भोजपुर से डुमरांव शहर तक इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा चलाने वाले अशोक यादव ने कहा दो ई-रिक्शा है। घर से बाहर प्राइवेट चार्जिंग स्टेशन पर वाहन को चार्ज करते है। 100 से 150 रुपया तक देना पड़ता है। मनोज कुमार एवं आतिश ने कहा कि समय से अगर ई रिक्शा चार्ज नहीं होने पर बीच में बंद होने का डर बना रहता है।

सरकार के निर्णय पर की जाएगी पहल

“ पेट्रोल पंप की तरह ही चार्जिंग स्टेशन खोलने का प्रावधान है। इस दिशा में जो सरकार का निर्णय होगा, उसका बेहतर पहल किया जाएगा।

– संजय कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, बक्सर।

एक नजर

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत किया पौधरोपण

केसठ। सरकार की निर्देश के आलोक में प्रखंड में विगत 17 सितंबर से ही स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम चल रहा है। जो दो अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। इसको लेकर रविवार को केसठ पंचायत सरकार भवन के परिसर समेत अन्य जगहों पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पंचायत के मुखिया अरविंद कुमार सिंह उर्फ गामा पहलवान ने किया।इस दौरान दर्जनों पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण को लेकर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण से ही पर्यावरण की सुरक्षा संभव है। उन्होंने आम लोगों से भी एक पौधा मां के नाम लगाने को लेकर अपील की। इस कार्यक्रम के तहत लोगों में सफाई एवं पौध रोपण करने को लेकर जागरूकता लाई जा रही।वहीं उन्होंने स्वच्छता के लिए कूड़ेदान का उपयोग करने को लेकर अपील की। मौके पर पंचायत समिति सदस्य भाई असलम, स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय प्रसाद समेत अन्य सफाई कर्मी मौजूद थे। इसी कड़ी में नेहरू युवा क्लब ने भी नया बाजार के मुख्य पथों का साफ सफाई किया जिसका नेतृत्व सोनू कुशवाहा ने किया। इस दौरान क्लब के द्वारा शपथ भी लिया गया।

खेलो इंडिया के तहत सब जूनियर व जूनियर बालिका खो-खो के स्टेट टीम का चयन ट्रायल हुआ आयोजित

बक्सर। पश्चिम बंगाल में आयोजित खेलो इंडिया ईस्ट जोन सब जूनियर और जूनियर बालिका खो-खो लीग 2024- 25 में भाग लेने के लिए स्टेट टीम का चयन किया जा रहो है। इसको लेकर रविवार को खो-खो स्टेटे ऑफे बिहार तथा बक्सर जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वाधान में बिहार स्टेट सब जूनियर एवं जूनियर बालिका खो-खो टीम का चयन ट्रायल महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित कियो गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बक्सर नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि नियमतुलो फरीदी, भारत विकास परिषद की अध्यक्षा वर्षा पांडेय, प्रोफेसर डॉ वीरेंद्र कुमार, खो-खो एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव नीरज कुमार पप्पू, वार्ड नं 13 की वार्ड पार्षद आशा तिवारी उपस्थिते रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद हिटलर सिंह, वार्ड पार्षद चंदन पाठक, वार्ड पार्षद संतोष कुमार, वार्ड पार्षद राजन ठाकुर, वार्ड पार्षद राजू ठाकुर, वार्ड पार्षद शाहबाज अख्तर मौजूदे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश सिंह ने किया। आए हुए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र से स्वागत खो-खो संघ के जिला सचिव डॉ अरविंद सिंह, उप सचिव जय तिवारी, उपाध्यक्ष हृदय नारायण सिंह, प्रभु नारायण सिंह के द्वारा कियो गया। कार्यक्रम के संचालन बक्सर खो-खो संघ उपसचिव पुनीत सिंह के द्वारा कियो गयो. उक्त अवसर पर खो-खो एसोसिएशन आफ बिहार के महासचिव नीरज पप्पू ने खेल की जानकारी सभी बच्चों को दी. साथ ही भविष्य में और भी बेहतर करने एवं उनको आगे बढ़ाने में हर संभव सहयोग करने की बाते कही। इस आयोजन में बिहार के पटना, बक्सर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, पश्चिम चंपारण, भागलपुर सहित पूरे प्रदेश के सैकड़ो खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं बेहतर खेल का प्रदर्शने कियो. इस चयन प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों का खो-खो स्किल रनिंग चेंजिंग सहित कई सारे टेक्निकल स्किल टेस्ट लौ गई। साथ ही बक्सर जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश कुमार सिंह के द्वारा बिहार मेंस खो-खो लीग सीजन 2 का आयोजन बक्सर जिला में आयोजित करने की घोषणा कौ गई. इसके साथ ही इसे सफल और ऐतिहासिक बनाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ने की बाते कही।

खबरें फटाफट

न्यायालय के बाहर से युवक की बाइक चोरी

डुमरांव। डुमरांव व्यवहार न्यायालय के समीप सड़क किनारे खड़ी एक बाइक पर उचक्कों ने हाथ साफ कर दिया। पीड़ित कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच गांव के रहने वाले ब्रजेश्वर दुबे ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया हैं। मामले में स्थानीय पुलिस ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर बाइक की खोजबीन में जुटी हैं।

डॉ. रत्नप्पा की मनायी जयंती

डुमरांव। बिहार कुम्हार प्रजापति समाज ने बैठक कर समाज की भलाई और राजनीतिक पकड़ के लिए एकजुटता पर बल दिया। इस मौके पर डॉ. रत्नप्पा कुम्भार प्रजापति के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके बाद प्रजापति समुदाय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्य मुद्दों में प्रजापति समुदायिक भवन सह छात्रावास के निर्माण, संगठन की सक्रियता, शिक्षा, आपसी प्रेम और सामूहिकता पर बल दिया गया। बिहार कुम्हार प्रजापति जिला समन्वय समिति के अध्यक्ष श्री अमरनाथ प्रजापति ने संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। डॉ. श्वेत प्रकाश ने शैक्षिक जागरूकता पर बल दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन बिहार राज्य कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति, पटना के उपाध्यक्ष अशोक कुमार प्रजापति ने किया।

शक्तिद्वार के पास स्थित जलापूर्ति केन्द्र की बोरिंग खराब

पांच दिनों से पानी की सप्लाई नहीं होने पर फूटा लोगों का गुस्सा

केटी न्यूज/डुमरांव

- लोगों ने दी चेतावनी, सोमवार तक यदि जलापूर्ति नहीं हुई शुरू तो अनशन पर बैठेंगे नप क्षेत्र के सभी मोहल्लेवासी

आक्रोशित लोगों ने जमकर किया हंगामा

बराबर होती है समस्या, नहीं निकला कोई स्थायी समाधान

शहर की पेयजल की समस्या काफी गंभीर हो गई है। शहर में तीन जलमीनार स्थापित किये गए है, लेकिन उनमें पानी का स्टोर नहीं होता और सीधे बोरिंग के माध्यम से शहर में पानी की सप्लाई की जाती है। लिहाजा शहर में लगे पब्लिक नलों से पानी नहीं गिरता। शहर के शक्तिद्वार पर जलापूर्ति केन्द्र स्थापित किया गया है। उससे नगर के आधा दर्जन मोहल्लों में पानी की सप्लाई होती है। पांच दिनों से इसके बोरिंग का मोटर खराब हो गया है, जिससे पानी की सप्लाई बंद हो गई है। सप्लाई बंद होने से लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। इसको लेकर मोहल्ले के लोगों ने जलापूर्ति केन्द्र पहुंच जमकर हंगामा किया। फिर इस हंगामें में शामिल वार्ड 26 के पार्षद प्रतिनिधि एकराम खां ने जेई शशिकांत से बात की। जेई ने उन्हें आश्वासन दिया की सोमवार को खराब मोटर बन जाएगा या बदल दिया जाएगा।

छह मोहल्लों के लोगों को हो रही परेशानी : जलापूर्ति का पाइप पांच दिनों से खराब है जिससे पानी की सप्लाई पूरी तरह से ठप है। सप्लाई ठप होने से शहर के छह मोहल्लों में इसका असर हुआ है। इन छह मोहल्ले के लोग पानी का बर्तन लेकर दरवाजे-दरवाजे का चक्कर काटने पर मजबूर हो गए हैं। वहां मोजूद मोहल्लेवासी मुखराम यादव, अमितज कुमार, राजेश कुमार, दीपक यादव, रंगलाल, ओमवीर सहित अन्य का कहना है कि इस बोरिंग से पूरा शक्तिद्वार मोहल्ला, जंगलबाजार रोड, चारमोटिया ईनार मोहल्ला, चौक रोड, लाला टोली रोड, सुमित्रा कॉलेज रोड सहित अन्य मोहल्लों में पानी की आपूर्ति होती है। इसका पानी स्वच्छ और मीठा होने के कारण अधिकांश गरीब से लेकर अमीर परिवार के सदस्य इसका सेवन करते हैं। पांच दिनों से बोरिंग खराब होने से पानी की सप्लाई बंद हो गई है। रविवार को मोहल्ले के लोग हलकान परेशान हो अपने बच्चों के साथ पानी का बर्तन लिये बोरिंग के पास पहुंच कर हंगामा करने लगे। हंगामे के दौरान बोरिंग में ताला लटका हुआ था।

हंगामा कर रहे लोगों ने कहा की इस काम को जिस दिन खराब हुआ, उसी दिन या उसके दूसरे दिन बन जाना चाहिए, लेकिन इसको देखने और सुनने वाला कौन है। सबसे अधिक परेशान घर की महिलाएं थी जो, पानी का बर्तन लेकर दूसरे के दरवाजे-दरवाजे घुमते हुए पानी देने का गुहार लगा रही हैं। मोहल्लेवासियों को कहना था कि सोमवार को बोरिंग नहीं चालू होता है तो हमलोग अनशन पर बैठ जाएंगे।

कृष्णाब्रह्म, डुमरांव व नया भोजपुर ओपी का एसपी ने किया दौरा

डुमरांव। बक्सर के नये एसपी शुभम आर्य रविवार को डुमरांव थाना के अलावे कृष्णाब्रह्म थाना व नया भोजपुर ओपी का निरीक्षण किए। इस दौरान उन्होंने लंबित कांडो के शीघ्र निष्पादन के अलावे शराब तस्करी पर लगाम लगाने, फरार अपराधियों व वारंटियों को गिरफ्तार करने, वाहन गश्त अभियान तेज करने तथा पब्लिक के साथ फ्रेंडली व्यवहार की नसीत दी। उनके साथ डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी मौजूद थे। इस दौरान एसपी ने थाने में तैनात पुलिस पदाधिकारियों व जवानों का औपचारिक परिचय लेने के साथ ही थाना व केस संबंधित कई अन्य जानकारियां भी ली। मिली जानकारी के अनुसार एसपी सबसे पहले दोपहर में कृष्णाब्रह्म थाना पहुंचे थे। इसके बाद वे नया भोजपुर ओपी तथा अंत में डुमरांव थाना पहुंचे। बता दें कि नये एसपी अभी एक सप्ताह पहले ही बक्सर में योगदान किए है। लेकिन, बक्सर में योगदान के साथ ही वे काफी तत्परता दिखा रहे है तथा बारी बारी से सभी थानों को घुम विधि व्यवस्था का जायजा ले रहे है। नये एसपी के इस तेवर तथा अचानक थाना में पहुंचने से पुलिसकर्मियों की मुश्किलें बढ़ी रही। हालांकि, इस दौरान एसपी ने किसी को फटकार नहीं लगाई। डीएसपी ने बताया कि वे क्षेत्र भ्रमण के तहत आए थे।

सैकड़ों लीटर अर्द्धनिर्मित शराब विनष्ट

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के विभिन्न थानों क्षेत्र में सैकड़ों लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को विनष्ट कर शराब बनाने के उपकरण को भी तोड़-फोड़कर नष्ट कर दिया गया। जबकि पांच लीटर देशी शराब के साथ एक महिला कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मुरार, कोरानसराय व नया भोजपुर ओपी पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में की गई है।

जानकारी के अनुसार मुरार पुलिस ने थाना क्षेत्र के चौगाई अनुसूचित जाति बस्ती में छापेमारी कर परती जमीन के नीचे दबा कर रखी गई 300 लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को जमीन पर गिरा विनष्ट किया, जबकि जितेन्द्र मुसहर के घर से पांच लीटर देशी शराब बरामद हुआ। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में उसकी पत्नी अगहनी देवी को गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी देते हुए मुरार थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय ने बताया कि महिला के अलावे अन्य चार तस्करों को शराब तस्करी के आरोप में चिन्हित किया गया है। उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। जबकि कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में स्थानीय अनुसूचित जाति बस्ती में छापेमारी कर 150 लीटर अर्द्ध निर्मित शराब को विनष्ट किया गया।

दशहरा के मेला में असामाजिक तत्वों पर डुमरांव की पुलिस की रहेगी कड़ी निगरानी

केटी न्यूज/डुमरांव

- नवरात्र शुरू होते ही चौक चौराहों पर तैनात रहेंगे महिला व पुरुष जवान

शारदीय नवरात्र की शुरूआत तीन अक्टूबर से होगी। डुमरांव के दशहरा मेला में शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन द्वारा चाक-चौबंद इंतजाम किये जायेंगे। मेला के दौरान असामाजिक तत्वों की निगरानी तीसरी आंख से की जायेगी। ऐसे लोगों से निपटने को लेकर अभी से ही पुलिस पदाधिकारियों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी हैं।

शहर सहित आसपास के इलाकों में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। इसके लिए पुलिस-प्रशासन ने अपनी योजना बनायी हैं। शारदीय नवरात्र में डुमरांव के सड़कों पर महिला व पुरुष बल के जवानों की चहलकदमी बढ़ेगी। हर पूजा-पंडालों के समीप पुलिस बल के जवान तैनात किए जायेंगे। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि विधि-व्यवस्था को लेकर किसी तरह का समझौता नही होगा। कानून व्यवस्था ना बिगड़े इसके लिए सभी दरोगा को सख्त हिदायत दी गयी है। सभी भीड़भाड़ वाले इलाके में पुलिस असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेगी। पुलिस उन जगहों को चिन्हित कर रही है, जहां दशहरा मेला के दौरान पूरी रात श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादातर होती है। ऐसी हालत में पुलिस सबकी सुरक्षा को लेकर मुस्तैदी से खड़ी रहेगी। उन्होंने बताया कि दशहरा पर कानून व्यवस्था की निगरानी को लेकर शहर में तीन वॉच टावर नप के सहयोग से बनाने की पहल की गयी है, जिस पर प्रशासनिक अधिकारी कैमरों की नजर से निगरानी रखेंगे। वॉच टावर राज अस्पताल मोड़, राजगढ़ चौक और स्टेट बैंक के समीप तैयार होंगे। इन टावरों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाये जायेंगे। जिसके तहत मनचलों को पकड़ने में सहूलियत मिलेगी।

जिउतिया व्रत में छठ की तरह ही किया जाता है नहाय-खाय और खरना

संतान की लंबी उम्र के लिए माताएं 25 को करेंगी जिउतिया व्रत

केटी न्यूज/डुमरांव

माताएं संतान की दीघार्यु व उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए जिउतिया व्रत करती हैं। इसे जिवित्पुत्रका या जिउतिया व्रत भी कहा जाता है। इस बार जिले में 25 सितंबर को जिउतिया व्रत मनाया जाएगा।

आचार्य पंडित आदित्य तिवारी ने बताया कि यह व्रत अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। 25 सितंबर को व्रत करना बहुत ही शुभ रहेगा। इस व्रत में भगवान जीमूतवाहन की पूजा की जाती है। इस दिन माताएं निर्जला व्रत रहती हैं। अगले दिन व्रत का पारण करती हैं। इस साल व्रत का पारण 26 सितंबर की सुबह सूर्योदय के बाद होगा। जिउतिया व्रत में छठ की तरह ही नहाय-खाय और खरना किया जाता है। तीसरे दिन इस व्रत का पारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिउतिया व्रत के दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त उठकर स्नान-ध्यान करती हैं। व्रत के दिन सूर्योदय से पहले फल, मिठाई, चाय, पानी आदि का सेवन किया जा सकता है। इसके बाद अगले दिन सूर्योदय तक निर्जला व्रत किया जाता है। इसके बाद अगले दिन सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। इस दौरान चावल, मरुवा की रोटी, और नोनी का साग खाने का प्रचलन है।

आचार्य ने बताया कि जिउतिया व्रत पर भगवान जीमूतवाहन की पूजा का विधान है, जो असल में एक गंधर्व राजकुमार थे। एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा जीमूतवाहन ने अपने साहस और सूझबूझ से एक मां के बेटे को जीवनदान दिलाया था। तब से उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाने लगा और माताएं अपनी संतान की रक्षा के लिए जीवित पुत्रिका नामक व्रत रखने लगीं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने का है प्रयास : डीपीसी

केटी न्यूज/सीवान

♦ महाराजगंज प्रखंड स्थित बंगरा एचडब्ल्यूसी को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए किया गया चयनित

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के मानकों के अनुरूप कार्यान्वयन, मूल्यांकन करने और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए गुणवत्ता उपकरणों के उपयोग करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शामिल किया गया है। क्योंकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया जाता है। ताकि वहां उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराया जा सके। सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि उक्त मानक के तहत, स्वास्थ्य सेवाओं के सभी पहलुओं जैसे- चिकित्सा, नर्सिंग, प्रशासन, और रोगी देखभाल की गुणवत्ता को मानक के अनुरूप तैयार किया जाता है। ताकि स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले सभी मरीजों को उच्च गुणवत्ता के साथ उचित सलाह और उसका सही उपचार मिल सकें। इसके अलावा यह मानक स्वास्थ्य कर्मियों की शिक्षा और प्रशिक्षण के स्तर को भी सुधारने में काफी मददगार साबित होता हैं, जिससे उनकी दक्षता बढ़ती है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि मरीजों और स्वास्थ्य संस्थानों के बीच विश्वास का निर्माण करता है। जब मरीजों को यह विश्वास हो जाता है कि वह उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं, तो उनकी संतोषजनकता बढ़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर किया गया स्थापित किया गया है।

एनक्वास के लिए किया गया है चयनित: सिन्हा

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिपिन बिहारी सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्वास) भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के लिए विकसित किया गया हैं। क्योंकि यह मानक सुनिश्चित करता हैं कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी, सुरक्षित और रोगियों की आवश्यकताओं के अनुरूप है कि नही। जिसको लेकर जिला स्तर पर राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्वास) प्रमाणीकरण के लिए चयनित किया गया है। जिसकी तैयारी जिला और स्थानीय स्तर पर शुरू कर दी गई है। ताकि बेहतर तरीके से स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रक्रिया और परिणाम की गुणवत्ता को सुधारा जा सकें। स्वास्थ्य केंद्रों की साफ- सफाई, उपकरणों की स्थिति और मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जांच और मरीजों की देखभाल, इलाज के तरीके और रोगियों की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के साथ ही मानक संचालन प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल के अनुपालन कराने का हर संभव प्रयास किया जाता है। इसके अलावा सरकार या स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता अभियान चला कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाता हैं।

एक नजर

विसुनगंज थाना में कराया गया गुंडा परेड

जहानाबाद। मखदुमपुर ब्लॉक के विसुनगंज थाना परिसर में थाना अध्यक्ष फूलचंद कुमार यादव की अध्यक्षता में गुंडा परेड़ का आयोजन किया गया। मौके पर 23 लोग उपस्थित हुए उपस्थित लोगों को थाना अध्यक्ष ने कडे शब्दों में बताया के आप लोग समाज के मुख्य धारा में जुड़कर अपने बच्चों को शिक्षित करें और पूर्व की सारी गतिविधियों से त्याग कर समाज को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें। साथ ही उन्होंने मौजूद लोगों को कहा कि आगामी दुर्गा पूजा एवं छठ पूजा में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। और आगे से अपराधिक गतिविधियों से अपने आप को अलग रखना है। उन्होंने कहा कि यदि आप लोग समाज के मुख्य धारा में जुड़ने में पुलिस को सहयोग नहीं करेंगे तो पुलिस शक्ति से पेश आएगी। मौके पर जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष फूलचंद कुमार यादव ने कहा की आगामी दुर्गा पूजा एवं छठ पूजा को लेकर थाना क्षेत्र के वैसे लोगों को बुलाया गया था जिनका थाना में गुंडा रजिस्टर में नाम अंकित है। सभी लोगों को बुलाकर समाज के मुख्य धारा में जुड़कर सामाजिक कार्यों में योगदान देने एवं बच्चों को शिक्षित करने एवं इज्जत से कामकाज कर परिवार चलाने की बात कही गई है। साथी उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधिक गतिविधियों में सम्मिलित व्यक्तियों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

चोरी की बाइक के साथ दो युवक गिरफ्तार

छपरा। जनता बाजार थाना अंतर्गत मोड़ पर लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को गस्ती टीम को देखकर बाइक सवार दो युवक अचानक बाइक घुमा कर भागने लगे।गस्ती टीम ने तुरंत पीछा कर युवको की तलाशी लेनी शुरू की तो युवको के पास कोई आपत्तिजनक समान बरामद नही हुआ। पुलिस ने बाइक के कागजात मांगे। वह लोग कोई जवाब नहीं दें पाये। छानबीन में जानकारी मिली कि यह चोरी की बाइक है। जो सिवान से चोरी किया गया था। तथा इसे बेचने की फिराक में थे। गिरफ्तार युवक जनता बाजार निवासी उपेन्द्र कुमार तथा भगवानपुर हाट निवासी रविशंकर कुमार है । जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण

छपरा। गड़खा विधानसभा अंतर्गत सदर प्रखंड में रविवार को चिरांद पंचायत एवं मौजमपुर गांव ,रावल टोला, समेत दर्जनों गांवों में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह जेडीयु प्रदेश उपाध्यक्ष मुनेश्वर चौधरी ने जनता दल यूनाइटेड के टीम के साथ सदर प्रखंड के विभिन्न बाढ़ ग्रसित क्षेत्रो का सघन दौरा किया।विदित हो कि गड़खा विधानसभा के दर्जनों गाँव के बाढ़ की चपेट में आने से यहां के स्थानीय लोग इस बाढ़ की विभीषिका झेल रहे है और कल से पानी की कमी होने पर राहत का भी सांस ले रहे हैं। हालांकि बाढ़ आने के बाद आसपास के गाँवों में ब्लीचिंग पाउडर की छिड़काव की समस्या से स्थानीय ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री को अवगत करवाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि आपदा की घड़ी में सभी के साथ हूं मुझे चुनाव नहीं लड़ना हैं बस आपलोगों की हाल चाल जानने एवं आपलोगों से मिलने के लिए आया हूं। दर्जनों गांवों की विभिन्न समस्याओं को बारीकी से सुनकर पूर्व मंत्री ने राहत सामग्री का वितरण किया। इस राहत सामग्री को पाकर बाढ़ पीड़ितों की चेहरे खिल उठे। उक्त मौके पर अवधेश राजभर प्रदेश सचिव जेडीयु बिहार, एवं सदर प्रखण्ड अध्यक्ष सत्य नारायण सिंह, सोनू दागी, नागमणी, हरेश राय बीडीसी,मोहन पासवान,सत्यनारायण सिंह, पांडेय जी,जयविजय कौशल्या देवी,पूजा देवी सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

आरा में बाढ़ के पानी में डूबने से छात्र की मौत

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव में रविवार की शाम बाढ़ के पानी में डूबने से मवेशी चराने जा रहे छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत छात्र बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव घाट वार्ड नंबर 7 निवासी मिथिलेश सिंह का 14 वर्षीय पुत्र कृष कुमार है एवं वह सातवीं कक्षा का छात्र था। इधर मृत छात्र के चचेरे भाई आदित्य राज ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ जाने के कारण हमारे गांव सहित बड़हरा सभी क्षेत्र में बाढ़ का पानी फैला हुआ है। रविवार की शाम वह मवेशी के लिए चारा लाने पान बाढ़ के पानी में प्रवेश कर बाजार जा रहा था। उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। उसके बाद वहां मौजूद लड़कों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर फॉरेन परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय लोगों के काफी मशक्कत करने के बाद उसके शव को पानी से बाहर निकल गया। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत छात्र अपने दो भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां सोनी देवी व दो बहन सलोनी, शालिनी एवं एक भाई आरुष है। घटना के मृत छात्र के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत छात्र की मां सोनी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खबरें फटाफट

दशहरा को लेकर थाने में हुई बैठक

दावथ। दशहरा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। मालूम हो कि दुर्गा पूजा से संबंधित विभिन्न पूजा पंडालों को लेकर चल रहे विवाद एवं इस पूजा में पंडाल से संबंधित तथा इसमें प्रयुक्त संसाधनों के ऊपर विचार विमर्श किया गया तो पूजा से संबंधित कई तरह के निर्देश भी लोगों को दिया गया। वही एक अन्य मामले में दावथ प्रखंड मुख्यालय के बाजार स्थित दुर्गा पूजा मंडप को बनाने को लेकर असमंजस की स्थिति भी दूर की गई जहां सड़क किनारे पूजा पंडाल बनाने से संबंधित रुकावटें अब दूर हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क किनारे की भूमि जो कि सरकार के अधीन है ,इस पर किसी व्यक्तिगत लोगों के द्वारा न तो दावा किया जा सकता है और न ही उसे अतिक्रमण करने का अधिकार है। इस संबंध में अंचल अधिकारी दावथ सौरभ कुमार के हवाले से बतलाया गया कि अनाधिकृत जमीन पर किसी व्यक्ति के द्वारा एकाधिकार की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी तरह के कोई व्यवधान खड़ा करने की भी अनुमति लोगों को नहीं है।

केंद्र सरकार ने तीन करोड़ आवास विहिनों को लाभ देने की घोषणा की थी, लाभुक इंतजार में

भूमि सर्वे के नाम पर गरीबों को जमीन से बेदखल करने की है साजिश : दीपांकर

♦ बिहार में बगैर पूर्व तैयारी के भूमि सर्वे का काम शुरू कर दिया गया
♦ सरकार गरीबों को जमीन देने के बजाए उनके आशियाना उजाड़ रही है

केटी न्यूज/जहानाबाद

भाकपा माले महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा केंद्र की मोदी सरकार ने कहा था 2022 तक देश के 3 करोड लोगों को हम पक्का मकान दे देंगे जो आवास विहिन परिवार बचे हुए हैं परंतु अभी तक यह योजना बंद है बिहार सरकार ने बिहार में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कराकर कहा बिहार में 94 लाख परिवार यानी 35 प्रतिशत आबादी जिसकी वार्षिक आय 72 हजार से कम है उन्हें रोजगार हेतु दो लाख रुपये देंगे। इसमें भी उनके स्वरोजगार गाय भैंस मुर्गी बकरी भेड़ पालन को हटा दिया है पूरे बिहार में 1 वर्ष में मात्र चालीस हजार लोगों को ही राशि मिला है इस गति से 200 वर्ष लग जाएंगे कॉ दीपांकर ने कहा केंद्र सरकार की घोषणा की तरह ही जुमला साबित होगा। बिहार में प्रत्येक आवास विहिन परिवार को पांच डिसमिल पक्का मकान देने की घोषणा की थी जमीन देना तो दूर गरीबों को जो जिस जमीन पर बसे हुए हैं उजाड़ो अभियान चलाए जा रहे हैं यही हाल शहर में बसे हुए अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति है व अन्य आवास विहिन परिवार का है ।उन्होंने कहा हमारी पार्टी उक्त मांगों को केंद्र कर प्रखंड व जिला मुख्यालय में प्रदर्शन कर रहे हैं जहानाबाद जिला में प्रखंड व जिला मुख्यालय में 24 सितंबर को प्रदर्शन है बिहार में बगैर पूर्व तैयारी के भूमि सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है पूर्व तैयारी से मेरा तात्पर्य यह है कि जो गरीब जिस जमीन पर बसे हुए हैं उसका पर्चा दे बिहार में यह भूमि सर्वे अभियान नहीं यह गरीब उजड़ों अभियान चल रहा गरीब के घरों पर बुलडोजर चलाये जा रहा है गरीब व किसान पूरी तरह तबाह है किसानों को अंदर जमीन को लेकर असुरक्षा का माहौल है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने की साजिश

सर्वे देश में जमीन कॉरपोरेट को सुपूर्द करने का है वफ बोर्ड के जमीन को छिन लेने का है इसका भी हर्ष असम के उसे एनआरसी (नागरिकता संशोधन बिल) की तरह ही होगा। भाजपा का प्रचार एक देश चुनाव असल में यह 1956 में जो गोलवलकर ने कहा थे देश में संघीय ढांचा की कोई जरूरत नहीं है एक देश एक निशान एक प्रधान एक चुनाव हो भाजपा आरएसएस देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने की साजिश चला रहा है देश की जनता के अंदर गुमराह उन्माद का माहौल संकीर्ण राजनीतिक माहौल पैदा करना चाहता है कॉ दीपांकर ने कहा एक देश एक चुनाव की बात करता है। वही यह भी बात बोलता है अगर अविश्वास प्रस्ताव में सरकार गिर जाती है और 2 वर्ष के अवधि बच जाता है तो मात्र 2 वर्ष के लिए होगा अभी ही कश्मीर में चुनाव हो रहा है हरियाणा महाराष्ट्र झारखंड में चुनाव होने वाला है।

महिलाएं बिहार में पूरी तरह से असुरक्षित

महिलाएं पूरी तौर पर बिहार में असुरक्षित हैं चाहे आशा मध्यान भोजन बनाने वाली रसोईया जीविका जो भी हो सरकारे न्याय के साथ विकास के वादे के साथ वोट मांगा था परंतु न न्याय मिला न विकास अकेले पटना जिला में कुछ महीने में के अंदर 40 लोगों की जाने या असहज उत्पीड़न को झेला है अरवल में सुनील चंद्रवंशी की हत्या महिलाओं बच्चियों का यौन उत्पीड़न व हत्या का मामला है नवादा में भूमि सर्वे की आड़ में 80 घरों को आग के हवाले करने का मामला हो या गया जिले मे मुसहर के हाथ काटने या हत्या का सवाल है विकास को आपने बनते व गिरते फूल को देखा है एक तरफ सुनील चंद्रवंशी की हत्या और दूसरी तरफ पटना में विजय सिन्हा गिरिराज सिंह मंगल पांडे द्वारा चंद्रवंशी ललकार रैली की घोषणा यह तो चंद्रवंशी समाज के साथ मजाक नहीं तो और क्या है पहले नीतीश सरकार न्याय एवं विकास से पीछे हटा है सुनील चंद्रवंशी की हत्यारे को गिरफ्तार कर सजा दें।

मिथिला स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में दो सौ छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

♦ मिथिला पेंटिंग के नाम से भी भारत की एक विशिष्ट पहचान बन रही है
♦ विश्व के कई कलाकार इसे देखने और सीखने के लिए भारत आ रहे है

केटी न्यूज/ बिक्रमगंज

लीगल लिटरेसी क्लब द्वारा शहर के आनंद नगर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में मिथिला आर्ट स्पॉट पेंटिंग का आयोजन किया गया । जिसमें विद्यालय के करीब 200 छात्र- छात्राओं ने भाग लिया । विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य मिथिलेश कुमार, लीगल लिटरेसी क्लब विद्यालय के प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिंह, शिक्षक धर्मराज सिंह , जितेंद्र कुशवाहा, रंजन कुमार, शशि रंजन, विनोद सिंह, सुनील दुबे, कृष्ण चंद्र सिंह और मोहन शर्मा ने इस कार्यक्रम को चित्रकला के माध्यम से मूर्त रूप दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गान से शुरू हुआ। इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव कुमार, प्रखंड शिक्षा अधिकारी सुधीर कांत शर्मा, लोक अदालत प्रभारी देवेंद्र कुमार , अधिवक्ता श्याम सुंदर मिश्रा, राजू रंजन सिंह व चित्रकार कौशलेश पांडेय ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ऑन द स्पॉट कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने मिथिला पेंटिंग को बड़े मनोभाव से कागज पर उकेरा । कागज पर लगाए गए उनके द्वारा चटकदार रंग और साथ में बारीक नक्काशीदार रेखाओं की सबने भूरी-भूरी प्रशंसा की । नन्हे कलाकारों द्वारा बनाई कुछ कलाकृतियां ने तो बेहद सम्मोहित किया । मुख्य अतिथि दंडाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया । अपने संबोधन भाषण में उन्होंने कहा कि मिथिला पेंटिंग आज विश्व में अपनी पहचान बन चुकी है । विश्व के कई कलाकार इसे देखने और सीखने के लिए भारत आते हैं । यह लोक कला हमारे भारत की एक पहचान है । कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पूछे गए कई सवालों के उत्तर भी उन्होंने दिए और सफलता का मूल मंत्र बताया।वही प्रखंड शिक्षा अधिकारी सुधीरकांत शर्मा ने कहा कि हमारी मिथिला कला विश्व में पताका फहरा रही है । मिथिला पेंटिंग के नाम से भी भारत की एक विशिष्ट पहचान बन रही है । आज बड़े-बड़े शहरों की दीवारों पर मिथिला पेंटिंग देखने को मिल जाया करती है। जिस पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

प्रशासनिक सक्रियता के कारण आत्मदाह का मामला टला

जहानाबाद। परसबिगहा थाना क्षेत्र के कसवां पंचायत अंतर्गत रामसे बीघा गांव में रविवार को प्रशासनिक सक्रियता से आत्मदाह करने का मामला टल गया। मालूम हो कि लोकायुक्त ने रामसे बीघा गांव में अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था बावजूद अंचल अधिकारी रतनी फरीदपुर द्वारा उक्त जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया जिसके कारण रामसे बीघा गांव निवासी अजय कुमार ने रामसे बीघा देवी स्थान चौराहा पर आत्मदाह करने की सूचना मुख्य सचिव बिहार सरकार, डीएम, एसपी, जहानाबाद सहित कई पदाधिकारीयों को पत्र देकर सूचित किया गया था। जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि गांव के 41 डिसमिल आम गैरमजरुआ जमीन है जिस पर गांव के ही मनोज कुमार एवं रामकुमार ने जबरन कब्जा कर रखा है। लेकिन लोकायुक्त बिहार सरकार के अतिक्रमण हटाने के आदेश के बावजूद सीओ ने उक्त जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया। दो साल पूर्व अतिक्रमण हटाने की खानापूर्ति की गई थी अतिक्रमण कारियों ने रास्ता और नाली को भी अवरुद्ध कर दिया है।

इलाज कराने जा रही महिला को ट्रक ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

♦ चांदी थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव के समीप की सुबह घटी घटना
♦ आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क किया जाम

केटी न्यूज/आरा

सकड्डी-नासरीगंज मुख मार्ग पर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव के समीप रविवार की सुबह अनियंत्रित बालू लदे टेलर ने बाइक सवार महिला समेत दो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा युवक मामूली रूप से जख्मी हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक का औरंगाबाद जिला के मदनपुर थाना क्षेत्र के महुआवा गांव निवासी संतोष चौधरी की 31 वर्षीया पत्नी माधुरी देवी है।

उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उक्त चालक को दबोच लिया। इसके अलावा आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क के बीचों-बीच रख मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप रहा। सूचना पाकर चांदी थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर के जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शोक को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वही पुलिस ने उक्त चालक को गिरफ्तार कर टेलर को भी जब्त कर लिया है। इधर मृतक के देवर रामपाल कुमार राज ने बताया कि वह रविवार की सुबह संदेश थाना क्षेत्र के रेपूरा गांव अपने रिश्तेदार के घर आई थी। वहां से वह अपने बहनोई के साथ बाइक पर पीछे बैठकर पटना जिला के बिहटा स्थित निजी अस्पताल में इलाज कराने जा रही थी। उसी दौरान लोदीपुर गांव के समीप पीछे से आ रही अनियंत्रित बालू लदे टेलर ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे माधुरी देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उनका बहनोई मामूली रूप से जख्मी हो गया। मृतका को एक पुत्र अनीश एवं के पुत्री राधा है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है।

सोनपुर मंडल के यात्रियों में डिजिटल भुगतान प्रणाली की जबरदस्त लोकप्रियता

10 दिनों में 21 हजार 270 यात्रियों ने यूपीआई से कटाया टिकट

केटी न्यूज/नयागांव

सोनपुर मंडल के क्षेत्र में यात्रियों के बीच डिजिटल भुगतान प्रणाली तेजी से लोकप्रिय हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 10 दिनों के भीतर 21,270 यात्रियों ने यूपीआई के माध्यम से टिकट खरीदे हैं, जो डिजिटल भुगतान प्रणाली के बढ़ते रुझान का प्रमाण है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और इसे अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से सोनपुर मंडल ने एक अनूठी पहल की है। यदि यात्री टिकट काउंटर पर क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान करते हैं, तो उन्हें बरौनी या सोनपुर मंडल के कोच रेस्टोरेंट्स में मिलने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों पर 5 प्रतिशत की फ्लैट छूट का लाभ मिलेगा। यह सुविधा यात्रियों को डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित करने के लिए दी गई है। आने वाले दिनों में मंडल स्तर पर ऐसी और भी सुविधाएं देने की योजना बनाई जा रही है। सोनपुर मंडल के यात्रियों के लिए यूटीएस मोबाइल एप, एटीवीएम, क्यूआर कोड, पीओएस और यूपीआई जैसी डिजिटल भुगतान सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध हैं। 1 से 10 सितंबर के बीच 21,270 यात्रियों ने केवल यूपीआई का उपयोग कर टिकट लिया, जिससे डिजिटल भुगतान की

लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

40 प्रतिशत यात्री कर रहे है डिजिटल से भुगतान: फिलहाल, मंडल में 40 प्रतिशत यात्री डिजिटल माध्यम से भुगतान कर रहे हैं, और मंडल इसे और बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में, मंडल सोशल मीडिया, नुक्कड़ नाटकों और मेगा टिकट चेकिंग अभियानों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक करता रहा है। इसके अलावा, सोनपुर मंडल के सभी स्टेशनों पर डायनामिक क्यूआर कोड डिवाइस लगाने का काम चल रहा है।

68 स्टेशनों पर लगा 256 डिवाइस: अब तक 68 स्टेशनों पर 256 डिवाइस लगाए जा चुके हैं। बरौनी जंक्शन का एक ताजा उदाहरण इस डिजिटल बदलाव का परिचायक है। नितेश जायसवाल नामक एक यात्री 500 रुपये का नोट लेकर बरौनी से बेगूसराय का जनरल टिकट लेना चाहते थे, लेकिन छुट्टे की कमी के कारण उन्हें इंतजार करना पड़ा। इस दौरान बुकिंग क्लर्क ने उन्हें क्यूआर कोड स्कैन कर यूपीआई से भुगतान करने का सुझाव दिया और कोच रेस्टोरेंट में 5 प्रतिशत छूट के बारे में भी जानकारी दी। इसके बाद नितेश ने अपने दोस्तों के साथ कोच रेस्टोरेंट में छूट का लाभ उठाया।सोनपुर मंडल यात्रियों से अपील करता है कि टिकट काउंटर पर डिजिटल भुगतान का उपयोग करें और देश को डिजिटल और कैशलेस बनाने में अपना योगदान दें।

कार्यकताओं की ताकत पर ही मजबूत है राजद का संगठन : प्रो. सुबोध मेहता

केटी न्यूज/जहानाबाद

बूथ जीतो-चुनाव जीतो कार्यक्रम के तहत रविवार को राष्ट्रीय जनता दल ने इरकी स्थित होटर शिवम राज दरबार में बैठक का आयोजन किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी प्रो. सुबोध कुमार मेहता शामिल हुए। उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राजद का संगठन कार्यकर्ता की ताकत पर हीं मजबूत है, क्योंकि कार्यकर्ता हीं पार्टी की रीढ़ होते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी प्रखंड अध्यक्षों से सभी बूथ पर कमिटी बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान प्रारंभ हो गया है। लक्ष्य के अनुसार सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्यता दिलाएं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर बूथ कमिटि को मजबूत करें ताकि हमारे नेता तेजस्वी यादव के हाथों को मजबूत किया जा सकें। सदस्यता अभियान प्रारंभ हो चुका है, कार्यकर्ता घर-घर जाकर गरीब-गुरबों, दलित-महादिलत, अल्प संख्यक एवं अतिपिछड़ा समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पार्टी का सदस्यता दिलाएं।

गाजीपुर में पुस्तक चर्चा, वरिष्ठ साहित्यकार सम्मान, विचार गोष्ठी आयोजित

केटी न्यूज/गाजीपुर

- डॉ कमलेश राय की पुस्तक 'हर समय में हँसे धरती' की समीक्षा पर चर्चा
- विचार गोष्ठी: हिन्दी की राजभाषा के रूप में चुनौतियां

द प्रेसिडियम स्कूल के तत्त्वावधान में नगर के वरिष्ठ और नवोदित रचनाकार अपनी तीसरी मासिक संगोष्ठी के लिए आमघाट स्थित सभागार में मिले। इस संगोष्ठी में चार सत्र थे, पुस्तक चर्चा, वरिष्ठ साहित्यकार सम्मान, विचार गोष्ठी और काव्य गोष्ठी। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मान्धाता राय ने प्रसिद्ध भोजपुरी गीतकार डॉ. कमलेश राय की पुस्तक ह्यहर समय में हँसे धरतीह्न की समीक्षा करते हुए इसे विसंगतियों के दौर में मानवीय मूल्यों को बचाने की कवायद बताया।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निरंजन यादव ने इस पुस्तक को आगामी भोजपुरी कविताओं के मूल्यांकन के लिए मानक निर्धारित करने वाली कृति बताया। समालोचक साहित्यकार आचार्य शिखा तिवारी ने इस पुस्तक के व्यंग्यात्मक, नारीवादी और सामाजिक सरोकारों को रेखांकित करते हुए इसे गीतकार की ही भांति सकारात्मक बताया। गीतकार डॉ. कमलेश राय ने रचना प्रक्रिया पर बात करते हुए कहा कि मेरी कोई रचना प्रक्रिया नहीं है, जब किसी विषय को लेकर मैं व्यग्र हो जाता हूँ तो रचना स्वतः निकल पड़ती है।

द्वितीय सत्र में सेवानिवृत्ति के बाद भी लगातार साहित्य सृजन कर रहे वरिष्ठ साहित्यकारों को रचनाकार संघ द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें 24 गंभीर पुस्तकों के सम्पादक लेखक डॉ. मान्धाता राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र एकांकी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. गजाधर शर्मा गगेश, छांदस चेतना के कवि डॉ. कामेश्वर द्विवेदी और अंतर्राष्ट्रीय भोजपुरी गीतकार डॉ. कमलेश राय को अंगवस्त्रम और पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। संयोजिका पूजा राय ने कहा कि पुस्तकें ही सही मायने में स्मृति चिह्न हैं, क्योंकि इनके शब्द ही स्मृतियों में बने रहते हैं। सम्मानित करने वालों में नगर के गणमान्य नागरिक और समाजसेवी अमरनाथ तिवारी अमर, शिक्षिका शिप्रा श्रीवास्तव, अध्यापक सीताराम राय और आचार्य अजय राय जी थे।

तृतीय सत्र में ह्यहिन्दी की राजभाषा के रूप में चुनौतियां विषय पर विचार रखते हुए सेवानिवृत्त बैंकर और प्रखर वक्ता डॉ. महेश चन्द्र लाल ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती हम सभी नागरिक स्वयं हैं, क्योंकि हम में से ही लोग प्रशासन, राजनीति, विद्यालय इत्यादि में जाकर हिन्दी की उपेक्षा करते हैं। अंग्रेजी पढ़ी जानी चाहिए, लेकिन यदि अंग्रेजी को दिया जाने वाला सम्मान कुछ दक्षिण भारतीय भाषाओं को मिला रहता तो दक्षिण भारतीय भी हिन्दी भाषा का सम्मान करते। इस विषय पर अंतिम वक्तव्य देते हुए वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रवक्ता डॉ अम्बिका प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि संविधान सभा में भी हिन्दी को लेकर काफी लंबी बहस के बाद इसे राजभाषा के रूप में अपनाया गया और आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

एक नजर

सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम देवा में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया

गाजीपुर। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत रविवार को भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में किसान आंदोलन के जनक स्वामी सहजानंद सरस्वती के जन्म-भूमि ग्राम देवा के प्राथमिक विद्यालय में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहां उपस्थित खरपतवारों को झाड़ू और फावड़े के सहारे से साफ किया गया। इस मौके पर उपस्थित लोगों से आग्रह करते हुए मंडल अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि गंदगी अनेक बीमारियों की जननी है गंदगी के कारण तरह-तरह की बीमारियां होती हैं। जिससे मानव जीवन जीना दुश्वार हो जाता है। साथ ही अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आप सदा अपने अगल-बगल की साफ-सफाई रखें। ताकि अपने जीवन में साफ-सफाई से अनेक बीमारियों से बचा जा सके। पूर्व जिला मंत्री राजेश सोनकर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से देश की बागडोर संभाले हैं, तब से स्वच्छता के प्रति विशेष सतर्क है। जिला उपाध्यक्ष सरोज मिश्रा ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना होगा तभी हम सभी अपना खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में राजेश सोनकर, सरवन सिंह, सरोज मिश्रा, ग्राम प्रधान दीपक चौरसिया, अमित वर्मा, गुलाब कुशवाहा, चन्दन राजभर, सरवन सिंह, लहजु कुशवाहा, हरकेश राजभर, चंद्रजीत राम, प्रशांत राजभर, रामानंद जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

बलिया में बच्ची से दुष्कर्म, दो हिरासत में

बलिया। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में शनिवार की रात करीब सात वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर मय पुलिस टीम के साथ जिला महिला अस्पताल पहुँचे और पीड़िता व परिजनों से पूछताछ किया तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं पीड़िता के बयान व परिजनों के तहरीर के आधार पर दो बाल अपचारी जिनकी आयु सात व आठ वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस बाबत पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि शनिवार की रात कोतवाली अंतर्गत करीब सात वर्षीय नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म करने की सूचना मिली। मेरे व पुलिस टीम द्वारा जिला महिला अस्पताल पहुँच पीड़िता व उसके परिजन तथा डॉक्टर से पूछताछ की गई और घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। डॉक्टर ने बताया कि बालिका स्वस्थ है और अच्छे उपचार के लिए वाराणसी भेजा गया है। पीड़िता के परिजनों द्वारा तहरीर प्राप्त हो गई है जिसमें दो बाल अपचारियों को नामजद किया गया है। जिन्हें चिन्हित कर पूछताछ की जा रही है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। दोनों आरोपियों की उम्र सात व आठ साल है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के चंद्रशेखर नगर में रविवार की दोपहर करीब 2:00 बजे एक युवक ने किराए के मकान में फांसी का फंदा लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दे कि फेफना थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड गांव निवासी अभिनव कुमार 22 वर्ष पुत्र अनिल कुमार राम शहर कोतवाली क्षेत्र के चंद्रशेखर नगर में करकट के किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहता था। जहां उसने कतिपय कारणों से फांसी लगाकर अपनी जान दे दिया। बताया जा रहा है कि मृतक अभिनव कुमार किसी मुस्लिम लड़की से प्रेम विवाह किया था। जिसे लेकर कभी दिल्ली तो कभी अन्य जगह रहता था। कुछ सालों से चंद्रशेखर नगर में किराए के मकान पर रहता था। मृतक का एक पुत्र है। मृतक के सामने कुछ आर्थिक संकट भी बताया जा रहा है। जिससे उसने इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया। सबसे बड़ी समस्या मृतक के प्रेमिका व उसके पुत्र के सामने भरण पोषण को लेकर आ रही है।

नारी शक्ति के तहत महिलाओं व छात्राओं को दी गई कानून की जानकारी

गाजीपुर। जनपद में नारी शक्ति अभियान के तहत किशोरी, युवती तथा महिलाओं को कानून की जानकारी देने, खुद को सुरक्षित रखने तथा जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर सेल एवं महिला पुलिस ने लोगों को जागरूक करने का कार्य आरंभ कर दिया है। रविवार को जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में जागरूकता के तहत घर-घर महिलाओं व छात्राओं से संपर्क कर उन्हें कानून की जानकारी दी गई। बताते चलेंगे जनपद में मिशन शक्ति अभियान के तहत समस्त थानों द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए बाजार व सार्वजनिक स्थानों,धार्मिक स्थलों व ग्रामीण कस्बा क्षेत्रों में जाकर छात्राओं/ महिलाओं व बालिकाओं को कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प लाइन नंबरों व साइबर क्राइम के बारे में जागरूक कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों (112, 1090, 181, 108, 1076, 1098, 1930) तथा 01.07.2024 से लागू तीनों कानूनों की जानकारी देकर जागरुक किया गया। जनपद में स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग सेंटरों के आस-पास मिल रही छेड़खानी की शिकायत को लेकर पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसके मद्देनजर पुलिस कप्तान ने पूरे जनपद में सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि सभी स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग सेंटर के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों पर भी पैनी नजर रखें।

खबरें फटाफट

ट्रेन के आगे कूदकर अज्ञात व्यक्ति ने की आत्महत्या

गाजीपुर। भुड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत चांद के पार गांव के कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक पर बीती रात मऊ से वाराणसी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस के सामने कुदकर एक व्यक्ति ने जान दे दी। सूचना मिलते ही समाजसेवी अशोक यादव समर्थकों संग पहुंचे। उन्होंने तत्काल भुड़कुड़ा कोतवाली पुलिस को सूचना दी। कोतवाल तारावती ने घटना स्थल पर पहुंचकर क्षत- विक्षित शव को मोर्चरी भेजा। कोतवाल तारावती ने कहा की अभी व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

11वीं की छात्रा को मारपीट कर नहर में धकेल देने का मामला निकला फर्जी

बलिया। 12 सितंबर को थाना पकड़ी पर 11वीं छात्रा को मारपीट कर नहर में धकेल देने के मामले में छात्रा के पिता के तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया था। जिसमें बलिया पुलिस द्वारा घटना के सफल अनावरण के लिए एसपी द्वारा आरोपी पर 25000 रुपया इनाम व स्केच भी जारी किया गया था और क्षेत्राधिकारी सिकन्दरपुर के नेतृत्व में तीन टीमें गठित की गयी थी तथा थाना पकड़ी सहित सर्विलांस टीम, स्वाट टीम, सोशल मीडिया सेल टीम को लगाया गया था। जिसमें साक्ष्य संकलन में यह तथ्य प्रकाश में आया कि 11वीं की छात्रा (पीड़िता) के साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। पीड़िता व उसके परिजनों द्वारा स्वयं इस बात को स्वीकार किया गया है। पीड़िता द्वारा स्वयं अपने नीजी कारणों से उक्त को घटना की मनगढ़ंत कहानी बनायी गयी थी, पीड़िता के शरीर पर आयी चोटें भी पीड़िता द्वारा स्वयं ही कारित की गयी थी। पीड़िता का न्यायालय के समक्ष बयान अंकित कराया जा चुका है। इसका खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने घटना का सफल अनावरण करने पुलिस टीम को 25000 रुपया के पुरस्कार देने की घोषणा की। कहाकि अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों में की जा रही जाति की पैरवी से व्यवसाइयों में रोष

दिनदहाड़े लूटकांड से सर्राफा व्यवसाइयों में आक्रोश, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

केटी न्यूज/मऊ

दिनदहाड़े भरे बाजार लूटकांड एक तरफ जहां कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। वहीं व्यापारियों में ऐसी घटनाए भय का माहौल व्याप्त करती हैं। उपरोक्त बातें नगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित सराफा सेवा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनीष सर्राफ ने कहा। रविवार को नगर के भीटी व सहादतपुरा मोहल्ले में आयोजित सराफा सेवा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए मनीष सर्राफ ने कहाकि अप्रिय घटनाएं कभी भी व किसी के साथ हो सकती हैं। लेकिन इन घटनाओं के बाद अपराधियों का पुलिस की पकड़ में ना आना आमजन में भय व्याप्त कर देती हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन द्वारा तत्काल घटना में शामिल सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी आवश्यक है। इस घटना के लगभग 15 दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक फरार अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने से व्यापारियों में भाई एवं आक्रोश व्याप्त हो गया है। समिति के नगर महामंत्री कर्ण शांडिल्य नगर अध्यक्ष कन्हैया लाल वर्मा ने एक स्वर मे इस घटना की घोर निन्दा करते हुए कहाकि ऐसी घटनाओं पर लगाम लगना चाहिए। लोगों द्वारा कहा गया कि इस तरह के अपराधियो के इनकाउंटर होने के बाद जो तथाकथित राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने मे लगे हैं। यह अपराध करने वाले अपराधियों के मनोबल को बढ़ा रहा है। गौरतलब हो कि इस घटना में शामिल कुछ अपराधियों के एनकाउंटर के बाद कुछ राजनीतिक दल अपराधियों की खुले मंच से पैरवी करते नजर आ रहे हैं। जिससे अपराधियों का मनोबल ऊंचा बढ़ता जा रहा है। व्यवसाईयों ने मांग किया कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती इसलिए किसी भी जाति व पार्टी का समर्थक अपराधी हो उस पर पुलिस प्रशासन निष्पक्ष भाव से कड़ी कार्रवाई करें। जिससे शासन प्रशासन के प्रति व्यवसाईयों में विश्वास बना रहे। सराफा व्यवसाई इस प्रकार विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के बयानबाजी की घोर निन्दा करते है। इसके साथ ही राज्य सरकार के कठोर कार्यवाही से संतुष्ट होते हुए शेष अपराधियो की धरपकड़ के लिए कार्यवाही तेज करने का अनुरोध करते है। निखिल वर्मा ने सभी व्यवसाइयों से एकजुट होकर रहने व अपने दुकान की सभी सुरक्षा के इंतजाम दुरूस्त रखने की सलाह देते हुए विभिन्न उपाय सुझाए है। सभी व्यापारियों ने योगीराज पर विश्वास जताया है लेकिन ऐसी भयंकर घटनाए अन्दर तक झकझोर देती है। व्यवसाइयो ने राजनैतिक दलों को चेतावनी दी है जो जाति की राजनीति कर अपराधियो का संरक्षण कर रही हैं, उन्हे इसका खामियाजा भोगना पड़ेगा। इस बैठक में मनोज वर्मा, संजय सर्राफ, दिनेश वर्मा, अरूण कुमार वर्मा, संजय वर्मा, योगेश वर्मा, कृष्ण प्रताप वर्मा, गौरव वर्मा, प्रमोद वर्मा, नीरज वर्मा, केशरी नन्द वर्मा, संतोष वर्मा, दीपांशु वर्मा, हरिओम वर्मा, विनोद वर्मा, अजय वर्मा, विष्णु वर्मा, पिंटू वर्मा, अनोखे लाल गुप्ता जी सहित बड़ी संख्या में सराफा व्यवसाई व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाले दो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/बलिया

- संविदा पर नौकरी देने के नाम पर लिया लाखों रुपया, दिया था फर्जी नियुक्ति पत्र

खेजुरी पुलिस ने रविवार को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर संबंधीत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम व पता संजीव कुमार उर्फ मुन्ना कन्नौजिया व अनिल कन्नौजिया पुत्रगण स्व रामवृक्ष कन्नौजिया निवासी बालूपुर थाना खेजुरी जनपद बलिया बताया। जबकि वांछित अभियुक्त चन्दन कन्नौजिया पुत्र अनिल कन्नौजिया निवासी बालूपुर थाना खेजुरी जनपद बलिया के विरूद्ध 82 सीआरपीसी की कार्रवाई की जा चुकी है। अभियुक्त चंदन की तलाश जारी है।

स्वच्छता ही सेवा महाअभियान के तहत वार्ड 44 में चला स्वच्छता अभियान

- स्वच्छ वातावरण में बढ़ता है आकर्षण व नाना प्रकार की बीमारियों के पनपने का अवसर भी नहीं मिलता : मंत्री एके शर्मा

केटी नयूज/मऊ

शासन की मंशा के अनुरूप 17 सितम्बर से आगामी 2 अक्टूबर तक नगर पालिका परिषद मऊ द्वारा नगर क्षेत्र में 'स्वच्छता ही सेवा' महा अभियान के तहत सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई अभियान के इस क्रम में आज मऊ नगर के वार्ड नं0 44 स्थित मिजार्हादीपुरा में भव्य सफाई अभियान चलाया गया। इस सफाई अभियान का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप्र सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नुक्कड़ सभा के माध्यम से किया। सभा के समापन पर उन्होंने 'स्वछत्ता शपथ' दिलाई। इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के साथ लोगों को सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु सम्बोधित भी किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में मंत्री जी द्वारा दिलाई गयी स्वच्छता शपथ में कहा गया कि महात्मा गाँधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी शामिल थी। अब हमारा कर्तव्य है कि गन्दगी के प्रति सजग रहते हुये भारत को स्वच्छ एवं विकसित बनायें। इसके उपरान्त नगर एवं विकास मंत्री ए0के0 शर्मा, पालिकाध्यक्ष अरशद जमाल, सभासदगण, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार, राजस्व निरीक्षक-अमृता राय, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक-सत्य प्रकाश, डीपीएम (स्वच्छ भारत मिशन)-मनीष कुमार सिंह, निर्माण लिपिक धर्मेन्द्र कुमार व पालिका के अधिकारी, सफाई नायक, सफाई मित्र के इलावा नगरवासियों ने इस कार्यक्रम में भाग लेते हुये ह्यस्वच्छता शपथह्न ली तथा प्रतीकात्मक तौर पर झाड़ू लगाते हुये मिर्जहादीपुरा चौक की सफाई की। सफाई महा अभियान के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथ उ0प्र0 के काबीना मंत्री ए0के0 शर्मा ने अपने सम्बोधन में स्वछत्ता के संदर्भ में कई पहलुओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि सफाई के अनेक फायदे हैं। स्वच्छता बरतने से वातावरण में भी आकर्षण बढ़ता है तथा सफाई करने से नाना प्रकार की बीमारियों को पनपने का अवसर ही नहीं मिल पाता।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

24 को गंगा बहु उद्देशीय सभागार में होगा दीक्षांत समारोह

केटी न्यूज/बलिया

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के छठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन, 24 सितंबर को गंगा बहु उद्देशीय सभागार में होना है। इस समारोह की अध्यक्षता आनंदीबेन पटेल कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश करेंगी। कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म श्री डॉ. राम चेत चौधरी, कृषि वैज्ञानिक होंगे। डॉ. चौधरी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक हैं जिन्होंने धान की 100 से भी ज्यादा किस्में ईजाद की हैं, जो भारत के अतिरिक्त इंडोनेशिया, विएतनाम जैसे देशों की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं।

डॉ. चौधरी गोविंद वल्लभ पंत कृषि विवि, पंतनगर तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि, समस्तीपुर में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर कार्य कर चुके हैं। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री योगेन्द्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री एवं श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भी पधारेंगी। इस समारोह में स्नातक के 19448, स्नातकोत्तर के 3894 कुल 23342 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें छात्रों की संख्या 9452 और छात्राओं की संख्या 13890 है। इस अवसर पर विवि द्वारा पहली बार 2 विद्यार्थियों को पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की जायेगी। इस अवसर पर अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 42 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। सभी विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने

वाली 1 विद्यार्थी आयुषी कुमारी सिंह, एम. एससी. जन्तु विज्ञान को चांसलर मेडल प्रदान किया जायेगा। स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों में 34 छात्राएँ तथा 8 छात्र हैं।

इस अवसर पर कुलाधिपति विवि के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण भी करेंगी।

दीक्षांत समारोह के अंतर्गत कुलाधिपति द्वारा प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को किट भी वितरित किया जायेगा। दीक्षांत समारोह के पूर्व विवि द्वारा गोद लिए गाँवों के विद्यालयों में और आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं थीं, जिनके विजेता विद्यार्थियों को इस अवसर पर कुलाधिपति द्वारा सम्मानित भी किया जायेगा।

दीक्षांत के पूर्व विवि परिसर में सप्ताहपर्यंत दीक्षोत्सव मनाया गया, जिसके अंतर्गत रंगोली, पारंपरिक परिधान, लोकनृत्य, चित्रकला/ पेंटिंग, स्थानीय व्यंजन आदि प्रतियोगितायें कराईं गयीं। इनके अतिरिक्त विभिन्न विभागों द्वारा विशेष व्याख्यान भी आयोजित किये जा रहे हैं। 23 सितंबर को इन प्रतियोगिताओं का समापन होगा। इसी दिन दीक्षांत मंडप का भूमिपूजन होने के साथ दीक्षांत समारोह का रिहर्सल भी किया जायेगा। जिला प्रशासन के साथ मिलकर राज्यपाल के आगमन की सभी व्यवस्थाएँ पूरी की जा रही हैं। सुरक्षा कारणों से जिन्हें निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है, उन्हें ही कार्ड के साथ सभागार में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएंगी ' इस अवसर पर कुलसचिव श्री एस. एल पाल एवं वित्त अधिकारी श्री आनंद दूबे उपस्थित रहे।

बाढ़ के बाद संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए मदद संस्थान लगाएगा स्वास्थ्य शिविर

केटी न्यूज/बलिया

जनपद में आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मदद संस्थान की आपात बैठक रविवार को मीडिया सेंटर अखार पर अध्यक्ष अखिलानंद तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने बारी -बारी से अपने विचार व्यक्त किए। अंत में सभी के विचार सुनने के बाद संस्थान के अध्यक्ष अखिलानंद तिवारी ने कहा कि बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है। जिला प्रशासन अपने स्तर से बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण कर रहा है। ऐसी स्थिति में बाढ़ जाने के बाद फैलने वाली संक्रामक बीमारियों के रोकथाम व बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए जनपद का स्वास्थ्य विभाग तो अलर्ट है ही मदद संस्थान भी अपने स्तर से बाढ़ पीड़ितों के बीच स्वास्थ शिविर का आयोजन कर उनमें दवा एवं अन्य सामग्री का वितरण करेगा। अध्यक्ष के इस निर्णय का सभी सदस्यों ने स्वागत किया।

बैठक में मुख्य रूप से विवेक सिंह, संत पवनजी महाराज, डॉ. हरेराम, शशिकांत सिंह, गणेशजी सिंह, डॉ हरेंद्रनाथ यादव, वीरेंद्र सिंह, बब्बन विद्यार्थी, शंकर प्रसाद चौरसिया, नितेश पाठक, नरेंद्र सिंह, सुनील सिंह, अजीत सिंह, पवन गुप्ता, बच्चन प्रसाद, उग्रसेन सिंह, श्रीभगवान चौधरी, गंगासागर प्रसाद, अवनीश सिंह, संजय जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

चित्रकूट मंडल के आध्यात्मिक व पर्यटक स्थलों के विकास पर योगी सरकार का जोर

- चित्रकूट मंडल के जिलों में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को गति दिए जाने की रूपरेखा तैयार
- चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट के सौंदर्यीकरण, विकास व चौड़ीकरण की प्रक्रिया को 18.30 करोड़ की लागत से किया जाएगा पूरा

केटी न्यूज/लखनऊ/चित्रकुट

उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार का प्रदेश में पर्यटन विकास पर सर्वाधिक जोर है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश तेजी से एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे में, पर्यटन के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित हो रहा है। प्रदेश देश तथा विदेश के सैलानियों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और इस प्रक्रिया में और बढ़ोत्तरी हो इसलिए योगी सरकार द्वारा विभिन्न मंडलों में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में, चित्रकूट मंडल के जिलों में भी पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख विकास व निर्माण कार्यों को गति देने की रूपरेखा तय कर ली गई है।

परियोजना के अंतर्गत चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट के सौंदर्यीकरण, विकास व चौड़ीकरण की प्रक्रिया को 18.30 करोड़ की लागत से पूरा किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं, चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, महोबा में सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटीज को बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, चित्रकूट के चर स्थित सोमनाथ मंदिर व हमीरपुर के पातालेश्वर मंदिर में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने तथा चित्रकूट में वाल्मीकि आश्रम के समीप म्यूजियम के निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा किए जाने पर फोकस किया जा रहा है। इन सभी निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है।

टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर समेत विभिन्न परियोजनाओं पर होगा कामः परियोजना के अंतर्गत चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर तथा महोबा में सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटीज को बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। लालापुर में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर संबंधी कार्यों को 7.01 करोड़ की लागत से जबकि व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप 3.83 करोड़ रुपए की लागत से कार्यों को पूरा किया जाएगा। इन दोनों कार्यों को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 12 व 9 महीनों की समयावधि में पूरा किया जाएगा। वहीं, महोबा के सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटीज के विकास को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 9 महीने में 3.81 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। चर में सोमनाथ महादेव मंदिर में वर्षा अवधि के अतिरिक्त 9 महीनों की समयावधि में टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर व विकास कार्यों को 1.48 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। वहीं, हमीरपुर के पातालेश्वर महादेव मंदिर में पर्यटन विकास प्रक्रिया को 6 महीने के अंदर 68.86 लाख रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। इसी प्रकार, चित्रकूट में वाल्मीकि आश्रम के समीप म्यूजिमय के निर्माण कार्यों को भी जल्द पूरा किए जाने पर फोकस किया जा रहा है।

शहरी कायाकल्प की मिसाल बनेगा रामघाट का सौंदर्यीकरण

सीएम योगी के विजन अनुसार, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित रामघाट पर बड़े स्तर पर सौंदर्यीकरण प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। यह कार्य इस प्रकार होगा कि यह सांस्कृतिक व शहरी कायाकल्प की मिसाल पेश करेगा। मान्यता है कि यह वही स्थल है जहां गोस्वामी तुलसीदास जी को प्रभु श्रीराम के दर्शन हुए थे। ऐसे में, इस स्थल की आध्यात्मिक व ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करते हुए उसे मॉडर्न सिविक एमेनिटीज से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत रामघाट पर 18.30 करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण, चौड़ीकरण संपर्क मार्ग के सुधार व विस्तारीकरण व पर्यटक सुविधाओं के निर्माण व विकास प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस कार्य को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 2 वर्षों की समयावधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

खबरें फटाफट

लखनऊ में बढ़ने लगा डेंगू का प्रकोप

लखनऊ। लखनऊ में डेंगू का प्रकोप बढ़ने लगा है। रविवार को 21 नए मामले सामने आए। 24 घंटे में पाए गए मरीजों की जनवरी से लेकर अब तक की यह सबसे ज्यादा संख्या है। जनवरी से अगस्त तक 103 मामले ही डेंगू के पाए गए थे। सितंबर के 22 दिनों में ही 181 मरीज पाए जा चुके हैं। वहीं, 50 से अधिक मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक, जनवरी से सितंबर तक जिले में डेंगू के कुल 284 मामले रिपोर्ट हुए। वहीं बीते 24 घंटे में 21 नए मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा इस साल का सबसे अधिक रहा है। इससे विभाग में खलबली मची है। इसमें सभी मामले शहरी क्षेत्र के हैं। बारिश बाद से डेंगू केस बढ़ना शुरू हुए है। अफसरों का कहना है एक हफ्ते पहले तक कम मामले सामने आ रहे थे मगर अब मरीजों की तादाद बढ़ी है। अधिकांश नए मामले आलमबाग, इंदिरानगर, गोमतीनगर एक्सटेंशन, गोसाईगंज क्षेत्रों के हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पॉजिटिव आए चार मरीजों की प्लेटलेट कम होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि अन्य मरीज घर पर हैं। जुलाई माह में डेंगू के 16 मरीज थे। जबकि अगस्त माह 46 व सितंबर माह में सबसे अधिक 181 मरीज मिले हैं। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने कहा डेंगू को लेकर अस्पताल हाई अलर्ट पर हैं।

दीवार गिरने से कई मजदूर घायल

वाराणसी। वाराणसी जिले में शिवाला स्थित चेत सिंह किला के समीप निमार्णाधीन मकान के पास दीवार गिर गई। हादसे में काम कर रहे कई मजदूर घायल हुए। घटना के बाद घायलों को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। चेत सिंह किला के ठीक पीछे हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने निर्माण काम बंद करा दिया है। घायल मजदूरों के बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है। जिनके घर की दीवार गिरी है, उनका कहना है कि बगल का पेड़ दीवार पर गिरा, जिससे दीवार ढह गई।

हरियाणा के चुनावी रण में कांग्रेस-बसपा, इनेलो व आप पर खूब बरसे यूपी के सीएम

कांग्रेस का ढांचा वैसे ही जर्जर हो चुका है, जैसे अयोध्या में बाबरी ढांचा: योगी

- हिंदुओं को चेताया, बोले- बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे
- बोले- कांग्रेस का हाथ, बिगाड़ेगा हालात, इसे ऑक्सीजन न दो
- आरोप: ऋषियों- महापुरुषों नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के नाम पर एयरपोर्ट-स्टेडियम बनाती थी कांग्रेस

केटी न्यूज/जींद/सोनीपत/करनाल

सीएम योगी ने लगाया आरोप- सत्ता के समय मंदिरों से भी पैसे लेते थे कांग्रेस व इनेलो वाले

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को हरियाणा के चुनावी दौरे पर पहुंचे। उन्होंने नरवाना, राई और असंध विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा की। योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों के बलबूते हरियाणा में तीसरी बार कमल खिलाने का आह्वान किया। कांग्रेस-इनेलो, बसपा व आम आदमी पार्टी उनके निशाने पर रही। कांग्रेस पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने असंध में कहा कि कांग्रेस का ढांचा वैसे ही जर्जर हो चुका है, जैसे अयोध्या में बाबरी ढांचा। इसे ऑक्सीजन दोगे तो यह सुरक्षा में सेंध लगाएगी। सीएम कांग्रेस, इनेलो, आप और बसपा पर हमलावर रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा नरवाना से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार कृष्ण कुमार बेदी के पक्ष में हुई। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में पांच सौ वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और रामलला विराजमान हो चुके हैं। 1947 में आजादी के बाद पं. जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री बने थे। वे भी राम मंदिर बना सकते थे। उस समय विवाद भी इतना नहीं था। आजादी के तत्काल बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं हो पाया तो इसके जिम्मेदार सेक्युलरिज्म का लबादा जोड़ने वाले दल हैं। प्रभु राम के नाम से कांग्रेस व इनेलो को परेशानी होती थी। इनका प्रयास भारत की आस्था व महापुरुष का अपमान करना था। भाजपा ने विवाद समाप्त कराए और राम मंदिर का निर्माण कराया।

परिवारवाद में मस्त है कांग्रेस व इनेलोः सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया। कांग्रेस व इनेलो परिवारवाद में मस्त हैं। यह कभी प्रभु श्रीराम-श्रीकृष्ण तो कभी आंबेडकर का अपमान करते हैं। सत्ता मिलने पर अनुसूचित जाति के लोगों पर अत्याचार, सुरक्षा में सेंध व दंगा कराते हैं। यही कारण है कि सबसे लंबे समय तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के नाम पर नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के नाम पर विकास योजनाओं का नामकरण करती थी। बच्चा पैदा बाद में होता था, पहले उनके नाम पर एयरपोर्ट व स्टेडियम का नाम रख दिया जाता था। इनेलो का हरियाणा के बाहर कोई अस्तित्व नहीं है। इन्हें वोट देना बेकार है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का ढांचा वैसे ही जर्जर हो चुका है, जैसे अयोध्या में बाबरी ढांचा। रामभक्त कहते थे कि एक धक्का और दो, बाबरी ढांचा तोड़ दो। इस नारे के साथ गुलामी का ढांचा भी ध्वस्त हुआ। बाबरी ढांचा ध्वस्त हुआ तो अयोध्या में राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। सीएम ने कहा कि कांग्रेस व इनेलो को सत्ता मिली थी तो लूट घड़ल्ले से होती थी। यह लोग हिंदू मंदिरों से पैसा ले लेते थे। कोरोना में कांग्रेस व इनेलो के नेता गायब थे, लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के नारे संग सरकार के साथ मिलकर जनता की सेवा के लिए तत्पर था। सीएम योगी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना, मां शबरी के नाम पर रसोई घर बने तो बाबा साहेब आंबेडकर के पंच तीर्थों का निर्माण किया गया।

कांग्रेस-इनेलो को वोट बैंक की चिंता, हिंदुओं की नहीं: योगी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू मंदिर तोड़े जा रहे हैं। हिंदू मारे-काटे जा रहे हैं। हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। इनके मुख से एक भी शब्द नहीं निकल रहा है। बांग्लादेश में जिन हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है, उनमें 90 फीसदी से अधिक दलित हैं। कांग्रेस को वोट बैंक की चिंता है, हिंदुओं की नहीं। चुनाव में कांग्रेस, इनेलो व निर्दलीय जाति के नाम पर आएंगे, लेकिन यह बिना पेंदी के लोटे हैं। इनका अपना कोई अस्तित्व-वजूद व विकास की विजन नहीं है। इनकी नीयत और राष्ट्र के प्रति नीति भी अच्छी नहीं है। भाजपा ने जो कहा, वह करके दिखाया।

योगी की अपील-विकास की बहार हो, नायब सिंह सैनी की सरकार हो: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गहलावत के समर्थन में जनआशीर्वाद रैली की। सीएम ने रैली से पहले राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की अश्वारोही प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। बोले कि महाराणा प्रताप ने सबसे बड़ी विदेशी हुकुमतों को चुनौती दी थी। उनकी लड़ाई सत्ता की नहीं, बल्कि स्वाभिमान, स्वदेश व स्वधर्म की थी। सीएम ने महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व की चर्चा की। बोले कि मेवाड़ व चित्तौड़गढ़ के स्वाभिमान की रक्षा करते हुए उन्होंने स्वधर्म के लिए कार्य किया था। उन्होंने समाज को जोड़ा था। जहां भामाशाह-महाराणा प्रताप जैसे महावीर होंगे, उस देश का कोई बालबांका नहीं कर सकता है। यह चुनाव भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने की लड़ाई है। आपने डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में बदले हरियाणा की तस्वीर को देखा होगा।

कांग्रेस ने नक्सलवाद-उग्रवाद को पनपाया, भाजपा इसका सफाया कर रही: सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस-इनेलो, आम आदमी पार्टी के एजेंडे में देश, आम नागरिक, गांव, नौजवान-किसान, महिलाएं नहीं हैं। इनका एजेंडा बांटो और राज करो का संकीर्ण एजेंडा है। कांग्रेस ने कश्मीर में धारा-370 लगाई थी। जनसंघ ने सबसे पहले इसके खिलाफ आवाज उठाई थी। पीएम मोदी ने धारा-370 हटाकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया। कांग्रेस का डीएनए है, जो आतंकवाद व नक्सलवाद को पनपाया है, लेकिन भाजपा उसका सफाया कर रही है। कांग्रेस को मुस्लिम वोट चाहिए, इसलिए धारा-370 नहीं हटाई। कांग्रेस क्षेत्र व भाषा के आधार पर देश का बांटने वाली पार्टी है।

इनेलो परिवारवाद और 'आप' जेल-बेल के चक्कर में पड़ी है: सीएम योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के खिलाफ शत्रुता रखने वाली है, इनेलो परिवारवाद से जुड़ी है। आम आदमी पार्टी जेल और बेल के चक्कर में पड़ी है। वादाखिलाफी इनकी पहचान बन चुकी है तो दूसरी तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सुरक्षा व समृद्धि का बेहतर कार्य करके दिखाया। कांग्रेस व इनेलो का भाई-भतीजावाद, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार, वसूली किसी से छिपी नहीं है, लेकिन हरियाणा मनोहर लाल खट्टर व नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकास का केंद्र बिंदु बनकर उभरा है।

सीएम ने चेताया कि यह लोग जाति की राजनीति करके विभाजन करना चाहते हैं। बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे। कोई माई का लाल बाल बांका नहीं कर पाएगा। योगी ने कहा कि आबादी का सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले हर तीसरे दिन दंगे होते थे, लेकिन पीएम मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त करा दिया। दंगा करने वाले जानते हैं कि सात पुश्तों की कमाई जब्त होकर गरीबों में वितरित हो जाएगी। यूपी की तरह ही हरियाणा में भी सबके साथ, सबके विकास के अनुरूप कार्य हो रहा है। कांग्रेस का हाथ हालात को और बिगाड़ेगा। 1984 में सिखों की हत्या के लिए कटघरे में खड़ी कांग्रेस को स्वीकार न करें। कांग्रेस अंतिम सांस गिन रही है। ऑक्सीजन दोगे तो बिसबेल फैलकर सुरक्षा में सेंध लगाएगी। कांग्रेस, बसपा, इनेलो एक ही थैले के चट्टे-बट्टे हैं। यह आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं। इनका एक ही एजेंडा है बांटो और राज करो। हमें बंटना नहीं, एकजुट होकर विकसित भारत के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में नायब सिंह सैनी सरकार को लाना है।

एक नजर

चंदौली जिले में लगातार हो रही हत्या की घटना के खिलाफ भाकपा माले का धरना जारी

चंदौली। जिले में लगातार हो रही है हत्याओं के खिलाफ व जिले की तहसीलों से जुड़े तमाम 24 सूत्री मांगों को लेकर भाकपा(माले) का अनिश्चितकालीन धरना रविवार 13वें दिन भी जारी रहा।कहा जिला प्रशासन पूरी तरह से संवेदनहीन हो चुका है।साथ ही निर्णय लिया गया कि जिला प्रशासन के संवेदनहीनता के खिलाफ 23 सितंबर को मुख्यालय पर मार्च का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला सचिव कामरेड अनिल पासवान ने कहा कि जिले में लगातार हो रही हत्याओं के खिलाफ तथा बैराठ फॉर्म की जमीन पर चल रहे। जिले की तमाम तहसीलों से जुड़े हुए जन सवालों से संबंधित 24 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है,लेकिन इसका कोई जवाब आंदोलनकारियों को नहीं दिया गया।कहा कि अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा,भाकपा(माले) के इस अनिश्चितकालीन धरने के समर्थन में,जिला प्रशासन की संवेदनहीनता के खिलाफ जिला मुख्यालय की सड़कों पर 23 सितंबर को मार्च करेंगा।इस दौरान अखिल भारतीय किसान महासभा जिला सचिव सचिव किस्मत यादव, रामदुलार बिंद, देवराज साहनी,नारायण बिंद,रामकिशन राम, सुनैना कुमारी,शबनम,तारा देवी,मंशा देवी,रीना देवी,तूफानी गोंड,राम अवतार,श्रीराम, हरिचरन शर्मा उपस्थित रहे।

ठगी के शिकार परिवार ने धरना देकर पत्रक सौंपा

चंदौली। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार संगठन ने रविवार को जिलाध्यक्ष बिनोद कुमार चौहान के नेतृत्व में बिछिया धरनास्थल पर देश में ठगी किए गए। कंपनियों व सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जुलूस निकाल कर जेल भरो आंदोलन किया। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम तीन सूत्री मांग से भरा पत्रक प्रशासनिक अधिकारी की सौंपा इस दौरान जिलाध्यक्ष बिनोद कुमार ने बताया कहा कि देश में विभिन्न कंपनियों द्वारा ठगी का शिकार हुए लोगों के भुगतान की गारंटी अधिकार कानून अधिनियम जमा योजना पाबंदी 2019 अधिनियम के तहत प्रत्येक पीड़ित को निवेशक की जमाराशि का दो से तीन गुना सरकार भुगतान कराए। साथ ही निर्दोष एजेंटों की सुरक्षा सम्मान रोजगार और पुनर्वास का सरकार अधिकार दे भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 111 के तहत प्रत्येक ठग व बेईमान को कड़ी से कड़ी सजा मिले जिससे देश ठगमुक्त हो सके। इस दौरान रमेश कुमार चौहान, जय प्रकाश गुप्ता,राम सागर,रमा शंकर, राम दयाल मौर्य, विजयमल, पारसनाथ, रामबिलास, रामआसरे सिंह, सुधीर सिंह,राजकुमार पटेल,महेश चंद्र उपस्थित रहें।

बाढ़ से प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया दवा वितरण

चंदौली। जनपद में बाढ़ से प्रभावित हुए इलाकों में लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जिला प्रशासन पूरी तरह से गंभीर है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कर्मनाशा नदी के किनारे बसे सोनकर बस्ती में निः शुक्ल कैम्प लगातार लोगों की दवा वितरण किया।और उनकी बीमारियों से बचने के लिए उचित सलाह दी गई। दरसअल विगत दिनों पूर्व जनपद में आए बाढ़ के कारण कर्मनाशा नदी पूरी तरीके से उफान पर हो गई थी। इसको लेकर आस पास के क्षेत्रों में पूरी तरह से बाढ़ के चपेट में आ गए थे। जिससे ग्रामीणों को संक्रमण बीमारियों का खतरा सता रहा था। जिसको देखते हुए डीएम निखिल टी.फुंडे के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग टीम ने कर्मनाशा नदी के किनारे बसे सोनकर बस्ती में कैंप लगाकर बाढ़ से प्रभावित घरों में महिलाओ व बच्चो को दवा आदि किट का वितरण किया गया। इस दौरान सीएचओ श्रुति दीक्षित, श्यामलाल, रघु, बबलू, आदि मौजूद रहे।

डीडीयू मंडल में चल रहे राजभाषा सप्ताह का समापन, बोले मंडल रेल प्रबंधक

हिंदी के प्रसार में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका

केटी न्यूज/चंदौली

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू मंडल) में चल रहे राजभाषा सप्ताह - 2024 का समारोहपूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर यूरोपीयन कॉलोनी स्थित अधिकारी क्लब में देर शाम को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी सह अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार द्वारा मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक को पौधा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी से अपने कार्य में दायित्व एवं कर्तव्यपूर्वक राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया गया। उन्होंने कहा देश को चारों दिशाओं से जोड़ने वाली रेलवे यात्रा में अलग-अलग भाषा क्षेत्र के लोगों को आपसी संवाद का अवसर देती है। इस प्रकार रेलवे की भी हिंदी के प्रचार -प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका है। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मंडल राजाभाषा विभाग की पत्रिका 'रेल मुक्ता' के अद्यतन अंक का भी विमोचन किया गया।

समापन कार्यक्रम में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु तथा राजभाषा सप्ताह के दौरान मंडल में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा कुल 51 रेलकर्मियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें आमंत्रित कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मंडल के कलाकारों द्वारा गणेश वंदना व नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजभाषा हिंदी के संक्षिप्त इतिहास एवं उसकी प्रगति संबंधी कार्यों के साथ धरोहर के तौर पर उसके महत्व एवं उपयोगिता को दर्शाती वीडियो क्लिप का भी प्रदर्शन किया गया। राजभाषा सप्ताह-2024 के समापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रेल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक के निधन पर जताया शोक

चंदौली। विकास खंड सदर के ग्राम फत्तेह-परतापपुर निवासी एडवोकेट सूबेदार फिरोज खां (सेवानिवृत्त) गत दिनों निधन हो गया। इसकी जानकारी होने पर जिला पूर्व सैनिक कल्याण परिषद व वेटरेन एसोसिएशन पूर्व सैनिक संगठन के प्रतिनिधि मंडल सहित अन्य पूर्व सैनिकों ने उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। वहीं असामयिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से गतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं मृतक के परिजनों को इस दुःख की घड़ी को सहने के लिए सांत्वना एवं ढाढ़स बंधाया। इस दौरान अशोक सिंह, एनके सिंह, एसएन गुप्ता, एनके पाल, अशफाक अहमद, राजेंद्र सिंह, गामा खेर, नसीम अहमद, राजेश्वर सिंह यादव, वीरेन्द्र प्रताप यादव, मुनेश्वर मौर्या, प्रदीप चौहान, मनीदेव चतुर्वेदी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक्सपर्ट्स का दावा... गाय के मूत्र से ठीक हो सकता है स्टेज-4 का कैंसर

केटी न्यूज/वाराणसी

बीएचयू के कृषि शताब्दी सभागार में भारतीय गाय, जैविक कृषि एवं पंचगव्य चिकित्सा की थीम पर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। पहले दिन इसमें 10 से ज्यादा राज्यों के 500 से ज्यादा गौसेवक, वैज्ञानिक और किसान शामिल हुए। इसमें आए एक्सपर्ट्स ने गाय के मूत्र से स्टेज-4 कैंसर की बीमारी ठीक होने का भी दावा किया है। इसके अलावा, पैरालिसिस, किडनी स्टोन और डायलिसिस रुकने की समस्या में भी कारगर बताया गया। वहीं, ये भी बताया गया कि देसी गाय के दूध में स्वर्ण और चांदी भस्म हैं। इनकी वजह से दूध की मलाई हल्की पीली होती है। महाराष्ट्र से आए गौसेवक सुनील मानसिंहका ने गोमूत्र और पंचगव्य की बनी एक दवा भी दिखाई।

कहा कि इस औषधि के 5 से ज्यादा पेटेंट हैं। 2018 में संसद में भी बांटा गया था। इसका इस्तेमाल स्टेज 4 के कैंसर रोगियों में भी हो रहा है। इस पर केरल के डॉक्टर वरमुडी काम कर रहे हैं। किसी की डायलिसिस बंद हो रही तो किसी को किडनी में स्टोन, पैरालिसिस और ऑटो इम्यून रोग हो रहे हैं। इस गोमूत्र और पंचगव्य की दवा में इसका समाधान है।

गाय के दूध में स्वर्ण और चांदी भस्मः कार्यक्रम के चेयरमैन और आयुर्वेद संकाय के प्रो. ओपी सिंह ने कहा कि भारत में देसी गाय की 48 नस्लें हैं। देसी गाय के दूध की मलाई में पीलापन होता है। वैज्ञानिकों ने रिसर्च करके बताया कि इसमें स्वर्ण भस्म और चांदी भस्म आयनिक फॉर्म में पाया जाता है। इसलिए इसको रसायन कहा गया है। इससे किसी तरह की बीमारी नहीं होगी।

बुजुर्ग रोज खाए 10-20 ग्राम बिलौना घीः बुजुर्गों को देसी गाय के बिलौना घी का इस्तेमाल करना चाहिए। उसकी मलाई में दही मिलाकर उसको फरमेंट करके जो बनाते हैं, वही घी है। हर किसी को स्वस्थ रहने के लिए 10 से 20 ग्राम देसी घी का इस्तेमाल करना चाहिए। ए-1 और ए-2 मिल्क शरीर में सूजन और बीमारियां बढ़ा रहा है। पश्चिमी देश इसका खूब प्रचार प्रसार कर रहे हैं। हमें इन दूध से बचना चाहिए।

सुभाषितम्

पत्र लिखना भी एक कला है।

- महात्मा गांधी

खाता ना बही- सरकार जो कहे सो सही

सात साल में 07 राज्यों की सरकारों द्वारा 1935 आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करते हुए उन्हें सजा दे दी गई। यह सजा सरकार ने आरोप के आधार पर तुरंत दान महा कल्याण की तर्ज पर दी है। तुरंत न्याय करके सरकार ने अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। सरकार के इस न्याय से अपराधियों में खौफ है। यह कहा जा रहा है। इस खौफ के बाद भी अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते क्यों जा रहे हैं, यह चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों में खौफ पैदा करने और तुरंत सजा देने के लिए अघोषित और असंवैधानिक बुलडोजर कानून लागू किया था। आरोप के आधार पर बुलडोजर चला कर अपराधी के घर, मकान और संपत्ति को नष्ट करने का सिलसिला उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। सरकार ने बुलडोजर से आरोपी और उसके परिवार की संपत्ति नष्ट कर दी। उस संपत्ति को अवैध निर्माण या सरकारी जमीन पर कब्जा बताकर आनन-फानन में बुलडोजर और पुलिस बल की सहायता से तोड़ दिया गया। उत्तर प्रदेश में पिछले 7 सालों में 1535 अवैध निमार्णों को बुलडोजर से तोड़ा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 259 निर्माण तोड़े गए हैं। तीसरे नंबर पर हरियाणा है, यहां पर 64 निर्माण बुलडोजर से तोडे गये। गुजरात में 55, राजस्थान में 10, दिल्ली में 10 और झारखंड में 2 इस प्रकार लगभग 1935 संपत्तियों को आरोप के आधार पर बुलडोजर से नष्ट किया गया है। इसमें सबसे बड़ी खास बात यह है की एक धर्म विशेष के लोगों की लगभग 90 फीसदी संपत्तियों को आरोप के आधार पर तोड़ा गया। मध्य प्रदेश में 1 अपराधी की ऐसी संपत्ति को तोड़ा गया जिसे बनने में 7 साल लगे, करोड़ों रुपए से उसका निर्माण हुआ, जमीन का स्वामित्व भी था और नक्शा भी पास था। उसके बाद बुलडोजर कानून को लेकर न्यायालय की नींद खुली। अब इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक बुलडोजर से इस तरह का न्याय रोक दिया है। अपराध किसी एक व्यक्ति ने किया, उसके ऊपर आरोप लगा। आरोप की सत्यता जांचे बिना आरोपी के परिवार की पूरी संपत्ति को तोड़ कर सारे परिवार को बेदखल करने का यह बुलडोजर कानून भारत में पिछले 7 साल से चल रहा था। इस कानून के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को देश भर में एक नई पहचान मिली। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इस न्याय को होते हुए देख रही थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। जो भारतीय संवैधानिक न्यायपालिका की संवेदनशीलता और निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। सरकारों ने असंवैधानिक और गैर कानूनी तरीके से जिस तरह से बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों की संपत्तियों को नेस्त-नाबूत किया है, वह भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूलभूत अधिकारों का स्पष्ट रूप से सरकार द्वारा हनन किया गया है। न्याय प्रक्रिया का पालन किए बिना सरकार के अधिकारियों ने न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग, प्रशासकीय अधिकारियों ने अवैधानिक तरीके से किया है। किसी भी मामले में न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एक व्यक्ति के किए हुए अपराध की सजा उसके पूरे परिवार को दे दी गई। मीडिया में उसका प्रचार-प्रसार किया गया। ताकि अपराधी और अपराधों को लेकर लोगों में भय का वातावरण बने। सारी न्यायिक प्रक्रिया को धता बता दिया गया। जिसकी संपत्ति को बुलडोजर से तोड़ा गया। उसको इतना समय भी नहीं दिया गया, कि वह अपना पक्ष सरकार और न्यायपालिका के पास रख सके। सरकार और उसके अधिकारियों ने अपनी सारी ताकत आरोपी की संपत्ति को ध्वस्त करने में लगा दी। परिवार और समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बना दिया। उत्तर प्रदेश से बुलडोजर कानून शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह अन्य भाजपा शासित राज्यों में तेजी के साथ फैला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के रूप में देश में बन गई। बुलडोजर की ख्याति विदेशों तक पहुंच गई। बुलडोजर की कार्रवाई एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ किए जाने के आरोप लगे। प्रशासकीय अधिकारी धर्म विशेष के आरोपियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करने लगे।

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

ललित गर्ग

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते? यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निमार्ताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुमार्ना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

हम किसी के खिलाफ नहीं ,सब हमारे खिलाफ

राकेश अचल

अमेरिका ने भारत के सुरक्षा सलाहकार को समन देकर बुलाया है और प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक अतिथि के रूप में। वे अमेरिका में हो रहे क्वाड सम्मेलन में शामिल हुए हैं। अमेरिका के बराबर व्यवहार की अनदेखी कर मोदी जी ने दरियादिली दिखते हुए कहा है कि क्वाड शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी हुई है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन-कौन है ? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा हमारे खिलाफ है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलावेयर में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड देशों को एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अभी ये पता नहीं चला कि मोदी जी अपने पुराने मित्र डोनाल्ड ट्रम्प से मिले या नही। उन्होंने बराक ओबामा से भेंट कि या नहीं। ओबामा से मोदी जी के तो-तड़ाक वाले रिश्ते हैं।

अमेरिका से खबरें आ रहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर पहुंचे। क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्ते खोजे ।वेदन और मोदी जी कि मुलाकात में डोभाल को समन और व्हाइट हॉउस में पृथकतावादी आंदोलन के समर्थकों से मुलाकात का मुद्दा उठा या नहीं ,इसकी जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

क्वाड सम्मेलन के लिए जिसने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी का भाषण लिखा ,बढ़िया लिखा । मोदी जीने कहा कि -हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है ।उन्होंने कहा, क्वाड देशों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक और समावेशी पहल की हैं। कहा, हमारा स्पष्ट संदेश है- क्वाड यहां रहने, सहायता करने, साझेदारी करने और पूरक बनने के लिए है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन और अपने सभी सहयोगियों को इस सम्मेलन के लिए बधाई दी। साथ ही 2025 में भारत में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे एक संदेश भारत के विपक्षी दलों को भी मिला कि मोदी जी न तो अभी देश में मध्यावधि चुनाव करने वाले हैं और न 75 के होने पर राजनीति से सन्यास लेने वाले हैं। वे जो बाइडन को शाद अपना आदर्श मान बैठे हैं और कम से कम जो बाइडन की उम्र तक तो सत्ता छोड़ने वाले नहीं हैं। आपको पता ही होगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन साहब इस समय कुल 82 साल के हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद सदस्य देशों के नेता कैंसर मूनशॉट इवेंट में शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कैंसर की रोकथाम के लिए 7.5 मिलियन डॉलर के पैकेज और 4 करोड़ वैक्सीन डोज की घोषणा की. उन्होंने कहा कि भारत का विजन है- वन अर्थ, वन हेल्थ। निश्चित ही भारत कि ये पहल भारत के सनातन सूत्र वसुधैव कुटुंबम की अवधारणा के अनुरूप है। मोदी कि अमेरिका यात्रा के क्या निहितार्थ निकले जायेंगे ,ये बताना अभी जरूरी नहीं है लेकिन उनकी इस यात्रा का डंका भारत में हो रहे अनेक विधानसभाओं के चुनावों में अवश्य सुनाई देगी, क्योंकि देश में मोदी जी समस्याओं से घिरे हैं, उनकी उपलब्धियों का झुनझुना बजने से पहले ही कोलाहल में डूब जाता है ,किन्तु मोदी जी हार मैंने वालों में से नहीं है। भले ही देश के लोग वन नेशन- वन इलेक्शन के उनके ख्वाब कि अनदेखी करें किन्तु वे दुनिया को तो वन अर्थ -वन वैल्थ का मन्त्र देकर ही माने ।

हम उम्मीद करते हैं कि मोदी जी कि अमेरिका यात्रा कामयाब हो ताकि हमारे सुरक्षा सलाहकार डोभाल साहब की रक्षा हो सके। हमारे देश के खिलाफ अमेरिका में काम कर रहे समूहों को वहां कि सरकार का समर्थन मिलना बंद हो सके। हम मोदी जी कि कामयाबी चाहते है। वे देश में कामयाब नहीं हो पा रहे तो कम से कम विदेश में तो कामयाब हो जाएँ ,अन्यथा उनके शांतिदूत बनने के सपने का क्या होगा ? वे अभी तक रूस और यूक्रेन का युद्ध तो रुकवाने में कामयाब हो नहीं पाए। बहरहाल मोदी जी ही हैं जो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के दौरान भाजपा को अकेला छोड़कर अमेरिका चले गए ,कोई दूसरा होता तो शायद बीमारी का बहाना बना लेता ।मोदी जी के सम्बोधन का चीन और पाकिस्तान ही नहीं बल्कि रूस और बाकी की दुनिया पर क्या असर पडेगा ,देखना जरूरी है। जय हो मोदी जी की।

भारत की अखंडता पर सवाल करना निरर्थक

संजय गोस्वामी

जगत में उतना झगड़ा झंझट तलवार का नहीं है, जितना जीभ के वार का है। संसारी हो या साधक, इधर किसी की जीभ जरा हिली, उधर मन पर घाव पड़ा। कि हाय! हाय! मेरा अपमान हो गया। यहाँ थप्पड़ मारकर प्रेम के वचन बोलने वाला प्रिय है, गोद में बैठा कर गाली देने वाला शत्रु। एक संत ही है, जो लाख गाली खाकर भी मुस्कुराता ही है। कारण यह है कि - मान और अपमान नाम की जगत में कोई वस्तु, हाथ में रखे फल जैसी, आँख की पकड़ में नहीं आती। ताली और गाली में त और ग का ही अंतर है। मन ही खिलता या मुरझाता है, असल में बढ़ता या घटता कुछ नहीं। अपमान दूसरा नहीं करता, कर सकता ही नहीं। अपना ही अतीत का कर्म, प्रारब्ध बनकर अपमान कराता है। प्रारब्ध का फल तो कुछ भी होना संभव है। शारीरिक चोट, मार पिटाई, धन सम्पत्ति की हानि, स्वजन वियोग, अपंग हो जाना, जेल हो जाना आदि आदि। यदि अपमान में ही मामला सुलट गया, तो यह हम पर कितनी कृपा हुई कि अपमान मात्र से काम चल गया। कुछ घिसा भी नहीं और प्रारब्ध भी कट गया। फिर आमतौर पर अपमान करने वाला भी कोई अपना जानकारी में ही होता है। यह भी कृपा ही है कि अपने ने अपमान किया, दूसरा करता तो कत्ल नहीं हो जाते? और भी यदि दूसरा हमसे घृणा करे, तो हमें तो लाभ ही है। आखिर मोह ही तो दुख और बंधन का एकमात्र कारण है। कितनी अच्छी बात है कि मोह का धागा हमें नहीं तोड़ना पड़ रहा है, दूसरा स्वयं ही तोड़े दे रहा है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात। प्रह्लाद, ध्रुव, अर्जुन, मीरा, तुलसी, कबीर, नरसी, एकनाथ, रामकृष्ण, यहाँ तक की स्वयं भगवान तक को कितना अपमान नहीं सहन करना पड़ा,तब बिना किसी ज्ञात अपराध के, अपमान हो जाना तो भक्ति मार्ग में सफलता की सूचना है।राहुल गाँधी भारत के सिखों कि बड़ी चिंता है तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सिखों की दुर्दशा के बारे में क्यों नहीं बोलते है भारत में सिख समुदाय में जब कोई विवाद ही नहीं तब ऐसी बयानबाजी करना विदेशों में उचित नहीं है यदि कोई समस्या होती तो गुरद्वारा प्रबंधन कमिटी उसपर अपना बयान देती सिखों में सबसे ज्यादा मनाने वाले गुरू गोविन्द सिंह जी है जो सत्य के लिए मानवता की रक्षा हेतु सर्वस्व बलिदान कर दिया और भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में मानवता और भाईचारा का संदेश दिया तभी गुरूद्वारे में इतनी प्रकाश रहता है कि भजन सुनते ही सब कुछ भूल कर गुरू के चरणों में अपना माथा टेकते हैं और सब दुःख दुर हो जाता है वे अंतिम गुरू थे जिन्होंने गुरुग्रन्थ साहिब को ही अगला गुरू माना और और आज भी लोग उसे अपना गुरु गुरुवाणी के रूप में मानते है क्या कहीं भारत में उसे लेकर कोई गुरुवाणी पर माइक बन्द किया है अगर सच में गुरूद्वारे से इतना लगाव है तो जाकर देखना चाहिए और लंगर खाना चाहिए वहाँ ना तो कोई छोटा है ना कोई बड़ा सभी गुरू के सामने उनके त्याग व बलिदान पर नतमस्तक होते है ।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक फ्रायड का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य मौन करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, ह्रदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

आज का राशिफल

मेष दिन लाभ से भरा होगा और आपको हर कार्य में सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न होगा।

तुला आज आर्थिक लाभ होगा और कारोबार में धन की आवक होने से आपका मन खुश होगा।

वृषभ आज लाभ होगा और कारोबार में सफलता मिलने से मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक करियर में दिन तनाव से भरा होगा। संतान को शारीरिक कष्ट होने से आप परेशान रहेंगे।

मिथुन शुभ समाचार मिलेगा और आपका मन प्रसन्न होगा। आपको धन के मामले में लाभ होगा।

धनु आपके धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

कर्क आज लाभ होगा और आपके लिए लाभ का दिन है और आपकी मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर व्यापार के सहयोगियों से आपका मनमुटाव हो सकता है। कोई भी काम संभलकर करें।

सिंह आज दिन लाभ से भरा होगा और शुभ व्यय व कीर्ति में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

कुंभ व्यवसाय में लाभ होने की संभावना रहेगी। भागीदारों से परेशानी या फिर विवाद होने की आशंका है।

कन्या आज लाभ होगा और धन में वृद्धि होगी। किसी मामले में मानसिक तनाव अधिक रहेगा।

मीन आर्थिक लाभ होने की संभावना रहेगी। मानसिक तनाव से बचने धैर्य एवं नम्रता से काम करें।

राजकाज

आतिशी, केजरीवाल को धोखा नहीं देंगी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देकर आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया है। जिस तरह से हेमंत सोरेन को चंपई सोरेन के ऊपर विश्वास था। जेल जाने से पहले उन्होंने चंपई सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री बनवा दिया था। इसी तरह का विश्वास अरविंद केजरीवाल ने आतिशी के ऊपर किया है। जेल से वापस आने के बाद जब हेमंत सोरेन ने जब अपनी कुर्सी वापस ली। उसके बाद चंपई सोरेन कहां है, यह सभी को ज्ञात हो गया है। आगे क्या होगा, इसकी अभी से चर्चा होने लगी है। लालू यादव जब जेल जा रहे थे। तो उन्होंने अपनी पत्नी रावड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया था। अरविंद केजरीवाल भी अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना सकते थे। उन्होंने झारखंड वाली गलती की है। ऐसा लोग कह रहे हैं। चंपई सोरेन और आतिशी में बहुत फर्क है। केजरीवाल को विश्वास है, आतिशी कभी धोखा नहीं देंगी। वहीं भाजपा को अपने ऊपर भरोसा है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले वह आम आदमी पार्टी को तोड़ने में सफल होगी। जहां विश्वास होता है, वहीं पर विश्वासघात होता है। कलयुग में सब कुछ संभव है।

बांसुरी स्वराज बनेगी दिल्ली की मुख्यमंत्री

आम आदमी पार्टी ने आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया है। उसके बाद से ही पूर्व मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज अपने आप को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त मानने लगी हैं। बांसुरी स्वराज के चेहरे को देखकर दिल्ली के मतदाताओं को उनकी मां सुषमा स्वराज की याद आने लगी है। भारतीय जनता पार्टी बांसुरी को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनकर पेश करने पर विचार कर रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1862 प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता श्रीनिवास शास्त्री का जन्म. 1863 क्रांतिकारी राव तुलाराम का निधन. 1932 सऊदी अरब का गठन हुआ. 1939 आस्ट्रियाई मनोवैज्ञानिक सिगमंड का निधन. 1956 ब्रिटेन और फ्रांस ने स्वेज नहर का मामला सुरक्षा परिषद में उठाया. 1965 भारत पाक युद्ध में युद्ध विराम हुआ. 1972 फिलीपींस में मार्शल लॉ लागू किया गया. 1973 जुआन पेरो और इसाबेल पेरो अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुने गए. 1976 दक्षिण अफ्रीका ने श्वेतों और अश्वेतों की टीम अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में भेजने का फैसला किया. 1990 स्विस नागरिकों ने देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने के विरोध में मत दिया. 1994 आर्मेनिया ने सोवियत संघ से स्वतंत्र होने की चोषणा की. 1992 भारत द्वारा पायलट रहित विमान का तीसरा सफल प्रक्षेपण हुआ. 1998 इसरो ने रूस से पहला क्रायोजोनिक इंजन प्राप्त किया.

दैनिक पंचांग

23 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.36 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	09.51 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	12.07 बजे से
बुध	सिंह में	मकर	14.12 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.58 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.31 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	19.02 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.42 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.40 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.53 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	03.10 बजे से
बजे तक		कन्या	05.22 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 267 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 13.51 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 22.08 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 03.10 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.51 बजे तदनन्तर विष्टि 01.10 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 11' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872111 **जूलियन दिन** 2460576.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 19 **विशेष** रोहिणी व्रत, सप्तमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सोयाबीन फसल के महत्वपूर्ण कीट एवं उनका प्रबंधन

सोयाबीन तना मक्खी

पहचान चिन्ह

- वयस्क मक्खी छोटे आकार 2 मि.मी. की चमकदार काले रंग की होती है जून से अप्रैल माह में सक्रिय रहती है।
- इसके पैर श्रृंगिकायें तथा पंखों की शिरायें हल्के भूरे रंग की होती है।
- ग्रसित तनों को चीरने पर तना खोखला

दिखाई देता है मध्य भाग गहरा लाल या भूरे रंग का हो जाता है।

- इसकी इल्ली जिसे मेगट कहते हैं हल्के सफेद रंग की बेलनाकार होती है जिसकी लंबाई 2 मी.मी.होती है।
- मेगट का आकार अग्र भाग जिसमें मुखांग होते हैं नुकीला तथा पश्चात भाग गोल तथ चपटा होता है
- शंखी तने के अंदर ही बनती है जिसका रंग भूरा तथा लंबाई 2-3 मी.मी. होती है।

क्षति लक्षण

- इस कीट की इल्ली अवस्था ही हानिकारक होती है।
- नव विकसित मेगट पत्तियों के डठंलों से तने के अंदर घुसती है और टेढी, मेढ़ी बनाती है।
- ग्रसित पौधों में प्रारंभ में पत्तियों की ऊपरी सतह भाग सूख जाता है।
- इसकी शंखी भी तने के अंदर ही बनती है अत: छिद्र का उपयोग मक्खी पौधे के बाहर निकलने में करती है।
- यह कीट सोयाबीन की संपूर्ण अवधि तक सक्रिय रहता है।

नियंत्रण

- एक ही खेत में लगातार सोयाबीन की फसल ले। फसल चक्र अपनाने से इस कीट की संख्या में प्रभावी रूप से कमी देखी जा सकती है
- बुवाई के समय फोरेट 10 प्रतिशत दानेदार दवा या कार्बोफ्यूरॉन 3 प्रतिशत दानेदार दवा 1.5 कि.ग्रा.सक्रिय तत्व एक हेक्टयर की दर से कुंडो में डालें या बोने के 20-25 दिनों बाद उपरोक्त कीटनाशक कतारों के किनारों पर डालकर हल चला दे।
- रासायनिक नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस 25 ई.सी.800मि.ली.पानी में घोलकर प्रति हे. छिड़काव करें।
- कटाई के पश्चात फसल के शेष डठंलों को जलाकर नष्ट किया जा सकें।
- जैविक नियंत्रण के लिय प्रेयिंग मेंटिड क्रायसोपर्ला कॉक्सीनेलीड बीटल को फसल में छोड़ देना चाहिये।
- बेलीलस थुरेन्जेनासिस, बेसिलस बेसियाना 1किलो या 1 ली. 1हे. 30-40 या 50-55 दिन बुवाई के बाद छिड़काव करना चाहिये।
- लाईट ट्रेप का उपयोग करना चाहिये।
- जेएस 93.05, जेएस.71.05 जैसी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।

गर्डल बीटल

पहचान चिन्ह

- वयस्क भृंग 7 से 10 मि.मी.लंबा तथा मटमैले भूरे रंग का होता है।
- इसके अग्र पंखों का आधा भाग गहरे हरे रंग का नर में तथा एक तिहाई भाग मादा में होता है।
- मादा वयस्क द्वारा अण्ड निक्षेपण हेतु मुख्य तने पर सामांतर चक्र या गर्डल बनाये जाते है उस स्थान पर ऊपर का भाग सूखकर मुरझा जाता है इससे इस कीट की पहचान खेत में की जा सकती है।
- इल्ली या ग्रब पीले रंग की 19-20 मि.मी.लंबी होती है ग्रब का शरीर उभरा हुआ होता है।

क्षति लक्षण

- जून-जुलाई में सक्रिय अक्रमण करते हैं।
- अण्डे पीले रंग के होते है जो दाने के आकार के होते है। अण्डे 3-4दिन मे फूटते हैं।
- जीवन चक्र 17-42 दिन का होता है।
- शरीर उभरा हुआ होता है।

नियंत्रण

- ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें जिसमें भूमि में सुषुप्तावस्था में पड़ी इल्लियां भूमि की सतह पर आ जाये ओर धूप के कारण नष्ट हो जाये।
- फसल के शेष अवशेष को जलाकर नष्ट करें ताकि पड़ी उसमें शंखीयों को नष्ट किया जा सके।
- सहिष्णु किस्मे जैसे जेएस 93.05, जेएस 71.05 जैसी किस्मो का उपयोग करना चाहिये।
- 70-100कि.ग्रा.बीज पर रखना चाहिए।
- खेत के चारों और ढेंचा नामक हरी फसल को लगाये जो गर्डल बीटल को अपनी ओर आकर्षित कर सोयाबीन फसलों में होने वाली हानि को कम करने में उपयोगी हो।
- लाईट ट्रेप का उपयोग करे।
- नीम का घोल उपयोग में ले सकते हैं।
- रासायनिक नियंत्रण हेतु ट्राइजोफॉस 800 मि. ली. 1 हे. या इथोफेनप्राक्स 1ली. 1 हे.से छिड़काव करें।

सेमी लूपर

पहचान चिन्ह

- हरे सेमीलूपर सोयाबीन की फसल में अगस्त से सितम्बर के माह में आक्रमण करते है।
- वयस्क हरे रंग के होते हैं जिस पर कोणीय बंध होते है अग्रपंख में ।
- नवीन विकसित लार्वा हल्के हरे रंग के होते है। जिस पर कोमल उतक शिराओं पर उपस्थित होते हैं।
- पंख विन्यास 30 मि.मी. होता है।
- शरीर का आकार ''8'' की आकृति का होता है।
- तीन जोड़ी उदर अग्रपाद होते है।
- समीलूपर की पूर्ण अवस्था लगभग 35 मि.मी. लंबी तथा 44 मि.मी. चौड़ी होती है।

नियंत्रण

- जैविक नियंत्रण में इल्लियों की शुरूआती अवस्था में बैसिलस थुरिजिंएसिस ब्लूबेरिया बेसियाना 1ली.या 1कि.प्रति हे.के हिसाब से छिड़काव करें।
- यह संभव न होने पर काईटिन इनहिबिटर जैसे डायफ्लूबेन्जूरान 25 डब्ल्यू.पी. 300 से 400 ग्रा.1हे. या ल्यूफेनरान 5ई.सी.400 - 600 मि.ली.1हे. का छिड़काव करें।
- क्लोरोपायरीफॉस 20ई.सी.का 1.5ली. 1हे. का प्रयोग करें।
- छिड़काव करते समय उपर्युक्त रसायन के साथ प्रति हे. क्षेत्र में कम से कम 750 ली. पानी का उपयोग करे।
- लाईट ट्रेप आदि का उपयोग करें।

क्षति लक्षण

- इस कीट की इल्लियां पौधों की पत्तियों का खाकर नुकसान पहुँचाती है।
- अधिक प्रकोप होने पर यह कोमल प्ररोहों कलियों एवं पत्तियों की नसों को छोड़कर शेष सभी हरे भागो को खाकर नष्ट कर देती है।

तम्बाकू इल्ली

- यह एक बहुभक्षी कीट है इस कीट की पतंगों का पंख का विस्तार 40 मी.मी.तथा लंबाई 22 मी.मी.होती है।
- इसके अगले पंख सुनहरे एवं धूसर भूरा रंग लिए होते है तथा पिछला पंख सफेद होते है।
- इस खेत की कीट की सूण्डी 3.5 से 4 से.मी.लंबी हरे भूरे कलर की होती है।
- शरीर पर भूरे रंग के धब्बे तथा आड़ी तिरछी व लंबी पट्टियां होती है।
- इल्ली की पीठ पर दोनो ओर एक एक तथा निचले भाग में दोनों ओर पीली धारियां होती है।

क्षति लक्षण

- कीट की सूण्डी फसल का नुकसान पहुंचाती है।
- प्रारंभ में झुण्ड में सूण्डियों एक साथ पत्तियों को काटने व चबाने के मुखांगों से काटकर क्षति पहुंचाती है।
- कभी ये कलियों फूलों तथा फसलों का भी नुकसान पहुंचाती है।

नियंत्रण

- फसल कटने के बाद गहरी जुताई करें।
- अण्डों के गुच्छों को पत्तियों के सहित तोड़कर नष्ट कर देना चाहिये।
- प्रकाश पॉश एंव फेरोमान पॉश का प्रयोग करना चाहिए। ताकि वयस्क कीटो को नष्ट किया जा सके।
- एन.पी.वी. न्यूक्लियर पोलीहैडोसिस वायरस 250 एल.ई.250 सूंडी के बराबर के घोल को प्रति हे.छिड़काव करे। द्य ट्रायजोफॉस, क्लोरोपायरीफॉस 25 ई.सी. का प्रयोग करना चाहिए।

सफेद मक्खी

पहचान चिन्ह

- वयस्क सफेद मक्खी लगभग 1.5 मि.मी.लंबाई युक्त होती है।
- जिसके पंख सफेद एंव शरीर पीला जिस पर सफेद मोमीया पाउडर की सतह होती है।
- पौधों की पत्तियों पर नीचे की सतह पर पाये जाते हैं। थोड़ी सी आहट पाकर उड़ने लगते है।
- इसके मुखांग रस चूसने वाले होते हैं।

क्षति लक्षण

- इस कीट के शिषु तथा वयस्क दोनों ही हानिकारक होते हैं।
- यह कीट मधुरस भी उत्सर्जित करता है जिस पर काली फफूंद विकसित हो जाती है।
- ग्रसित पौधों की पत्तियां कमजोर व पीली पड़ जाती है।
- 10-12 पीढ़ी होती है प्रतिवर्ष

नियंत्रण

- फसल चक्र अपनाये।
- जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- मिथाईल डेमेटान 25 ई.सी.का छिड़काव करें।
- खाद व उर्वरक का संतुलन बनाये रखे।

रेड हेरी केटरपिलर कामलिया कीट

पहचान चिन्ह

- वयस्क षलभ मध्यम आकार का मजबूत शरीर वाला होता है।
- इसके अग्र पंख सफेद रंग के होते है जिनकी किनारों पर लाल धारी होती है।
- पश्च पंख भी सफेद रंग के होते है जिनके पर काले रंग के चार धब्बे होते है।
- वयस्क का उदर लाल रंग का होता है जिस पर काली बिन्दियां पायी जाती है।
- इल्लियां अपनी पूर्ण विकसित अवस्था में गहरे भूरे रंग की होती है इनका पूरा शरीर बालों से ढंका होता है उदर के प्रथम खण्ड पर पुष्ट की सतह पर दो काले धब्बे होते है।

क्षति लक्षण

- इस कीट की रूयेदार सुंडी हानिकारक होती है जो अपने काटने चबाने वाले मुखांग से पत्तियों और पौधों के कोमल भागों को खाती है।
- वयस्क मादा पत्तियों के निचले सतह तक अंडे देती है अंडे खसखस के दानों के समान हल्के पीले रंग के होते है जो कि पकने पर काले रंग के हो जाते हैं।
- यह साधारणत: तीन चार दिन में फूटते हैं।
- जून मानसून से प्यूपा सक्रिय होता है उसमें वयस्क पंखी बाहर आती है।
- एक वर्ष मे एक पीढी होती है इसमे पूर्ण रूपांतरण पाया जाता है।

नियंत्रण

- अंड समूहो को और सुंडीयों को हाथ से एकत्रित कर केरोसिन मिश्रित पानी में डालकर नष्ट करना चाहिये।
- एक खेत व दूसरे खेत के बीच नाली बनाकर केरोसीन तेल डालकर नियंत्रित कर सकते है।
- ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करे।
- ट्राईजोफॉस 40 ई.सी 800 मि.ली./हेक्टेयर का छिड़काव करें।
- नीम के तेल का उपयोग कर इल्लियों को नष्ट करे।
- फसल चक्रण अपनाये।
- बेसिलस थुरेंजिंएसिस या ब्लूबेरिबेसियाना 1ली.या 1किलो ग्राम प्रति हे.के हिसाब से छिड़काव करे।
- एन.पी.वी. 250 एलई को प्रति हे.से छिड़काव करे।

ब्लू बीटल

पहचान चिन्ह

- इस कीट का वयस्क चमकदार हरे तथा भूरे तांबिया रंग के पंख होते है।
- जिसकी लंबाई 3 से 8 इंच की होती है।
- पांच छोटे छोटे सफेद रंग के कवर उदर की आखिरी भाग पर होती है।
- बीटल की चार अवस्था होती है पूर्ण रूपांतरण पाया जाता है।
- अंडे छोटे सफेद रंग के तथा आकार के होते है।
- लार्वा वी आकार का होती है जो कि उदर पर दिखाई देती है।
- मई जून में आक्रमण करती है।
- नर छोटा होता है मादा की अपेक्षा अंड निरोपण मृदा में होता है मादा एक वर्ष में 600 अंडे देती है।
- ग्रब सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाता है।

नियंत्रण द्य खेत में बेसिलस पोपीली का छिड़काव फसल की दूधिया अवस्था में करना चाहिए।

- नेमेटोड हेटेरोराबिडिटिस बेक्टीरियोफॉरा को प्रयोग कर जैविक नियंत्रण करना चाहिए।
- फसल चक्रण अपनाना चाहिए। द्य ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करके कीटो का नियंत्रण कर सकते है।

ग्रासहॉपर

पहचान चिन्ह

- प्रौढ़ टिड्डा हरे पीले रंग का 35 से 50 मि.मी.का लंबा होता है।
- इसके अग्र वक्ष के पार्श्व में तीन लंबवत् काली रेखाएं होती है
- इनके मुखांग काटने चबाने वाले तथा श्रृंगिकायें शुण्डीकार होती है।
- इनकी पिछले टांग उछलने के लिए लंबी होती है टीबीयां नीले रंग की होती है

क्षति लक्षण

- इस कीट के शिषु एंव वयस्क दोनों ही हानिकारक होती है। विशेषत: शिषु अधिक हानि करते हैं।
- इनका आक्रमण अगस्त से सितम्बर में अधिक होता है।
- इसके आक्रमण 20 से 30 प्रतिशत तक पौधे की क्षति होती है।
- इसमें अपूर्ण रूपांतरण पाया जाता है।
- वयस्क का जीवनकाल 21 से 31 दिन का होता है।

नियंत्रण

- गहरी जुताई करें।
- मानसून के शुरू होते ही प्रकाश प्रपंच लगाने से इनकी संख्या कम हो जाती है।
- निम्फको जलाकर नष्ट कर देना चाहिये।
- ट्राईजोफॉस 40 ई.सी.800 मि.ली.तथा क्लोरोपायरिफॉस 25 ई.सी.का प्रयोग करना चाहिए।

हैलीकोवरपा आर्मीजेरा

पहचान चिन्ह

- नव विकसित इल्ली हरे रंग की होती है पूर्ण विकसित इल्ली 35 मि.मी.लंबी हरे रंग की होती है।
- इसका पंख विस्तार 30-40 मि.मी.होता है अग्रपंख पीली भुरे रंग के तथा इनके किनारे काले होते है
- इसमें अग्रपाद पाये जाते है।

क्षति लक्षण

- यह कीट सुंडी हानिकारक होती है जो फसल पर जून से जुलाई तक सक्रिय रहती है।
- इल्ली प्रारंभ में कोमल टहनियों को खाती है। तथा फ्ली अवस्था में फलियों को खाती है।
- इसके वयस्क कीट मानसून शुरू होने पर अंडे का निरोपण करते है।

नियंत्रण

- फसल की बुवाई समय पर करना चाहिये।
- ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करनी चाहिए।
- 50 परभक्षी पक्षियों का फ्ली अवस्था में फसल में छोड़ देना चाहिए।

- प्रोफेनोफॉस 50ई.सी./ 1500 मि.ली. प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करना चाहिए।

शिवराज सिंह चौहान का बड़ा ऐलान- केंद्रीय कैबिनेट में झारखंड से एक कुर्मी नेता को मिलेगी जगह

रांची, एजेंसी। भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल का जब भी विस्तार होगा, इसमें झारखंड को और प्रतिनिधित्व मिलेगा. कुर्मी समाज के एक नेता को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी. श्री चौहान शनिवार को रांची में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता परिवर्तन चाहती है. इसके संकेत भाजपा की परिवर्तन यात्रा में देखने को मिल रहे हैं. लोगों की भीड़ बता रही है कि जनता ने परिवर्तन का मूड बना लिया है. भाजपा समाज के हर वर्ग की पार्टी है. हमारा सर्वव्यापी व सर्व स्पर्शी दृष्टिकोण रहता है. उन्होंने कहा कि अक्तूबर के पहले सप्ताह में चुनाव समिति की अगली बैठक होगी. हमारा प्रयास है कि तब प्रत्याशियों की पहली सूची जारी हो जाये.

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड में होने विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इस प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होगी. कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता दी जायेगी. पार्टी ने पहले ही हर विधानसभा में कार्यकर्ताओं की राय ले ली है. हर विधानसभा में पार्टी के 250-300

कार्यकर्ताओं ने अपनी पसंद के तीन-तीन प्रत्याशियों के नाम दिये हैं. इसकी स्क्रूटनी का काम चल रहा है. उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चयन में कार्यकर्ताओं की राय के साथ सामाजिक समीकरण, हर वर्ग का प्रतिनिधित्व और सर्वे रिपोर्ट को ध्यान रखा जायेगा.

शिवराज चौहान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी घोषणा पत्र की तैयारी में जुटी हुई है. भाजपा के घोषणा पत्र का वैज्ञानिक आधार होगा. इसमें हर वर्ग के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए ठोस योजना होगी. वित्तीय स्थिति को ध्यान में रख कर घोषणा पत्र तैयार किया जा रहा है. हम लगातार विश्लेषण कर रहे हैं कि कितना धन होगा. बजट में इसका कितना कैपिटल एक्सपेंडिचर होगा. तथ्यों पर आधारित घोषणा पत्र का बकायदा कैलेंडर होगा. किस महीने में कौन सी योजना लागू होगी, उसका पूरा ब्योरा रहेगा. घोषणा पत्र में महिलाओं व युवाओं के सशक्तीकरण पर जोर रहेगा.शिवराज चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में हमने लाडली बहन योजना चलायी. आज भाजपा शासित राज्यों में अलग-अलग नाम से इस प्रकार की योजना चल रही है. छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र में यह योजना शुरू की गयी है. झारखंड में हेमंत सरकार ने आखिरी साल के आखिरी महीने में नकल कर योजना शुरू की है, ताकि ज्यादा राशि नहीं देनी पड़े.

झारखंड में जल्द लगेगी आचार संहिता, चुनाव आयोग की टीम आज आयेगी रांची

रांची, एजेंसी। झारखंड में जल्द ही आगामी विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होने के साथ-साथ आचार संहिता लागू होने वाला है. इसको लेकर तैयारी शुरू हो गयी है. विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने 23 सितंबर को दो दिनों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की टीम रांची आयेगी. दो दिनों तक चलने वाले इस दौरे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत तीनों चुनाव आयुक्त शामिल होंगे. गौरतलब है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड और आईजी अभियान ने संयुक्त रूप से जिले के एसपी और डीसी के साथ निर्वाचन आयोग के आने से संबंधित तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समीक्षा बैठक की थी. इस दौरान आयोग की समीक्षा के लिए पीटी की तैयारी, सुरक्षा बलों के रहने व मूलभूत सुविधा की तैयारी और लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान दायर वादों की स्थिति की समीक्षा की गयी थी. झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ही जिले में तीन साल से पदस्थापित पुलिस कर्मियों का तबादला किया जा चुका है. राज्य पुलिस स्थापना परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय के बाद बीते 18 अगस्त को एक ही जिले की इकाई में तीन वर्ष या उसके अधिक समय अवधि तक पदस्थापित पुलिस निरीक्षक और परिचारी प्रभारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई थी. इसके अलावा एक ही जिले में तीन साल अधिक समय से पदस्थापित एसपी का भी तबादला किया जा चुका है. अब संभावना जताई जा रही है कि आईपीएस और आईएएस रैंक के अफसरों का तबादला अब सरकार की ओर से नहीं किया जायेगा.

संक्षिप्त समाचार

रीमिक्स जलप्रपात में डूबने से किशोर की मौत

रांची, एजेंसी। खूंटी के मारंगहादा थानांतर्गत रीमिक्स जल प्रपात में गुरुवार को एक किशोर के डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान हेहल रांची निवासी सुरेश कच्छप के 17 वर्षीय पुत्र लकी मनी कच्छप के रूप में हुई है. लकीमनी कच्छप गुरुवार को अपने चार अन्य दोस्तों के साथ रीमिक्स फॉल घूमने आया था. रीमिक्स फॉल में सभी दोस्त नहाने लगे. इसी दौरान लकी का पैर फिसल गया और वह फॉल के गहरे पानी में जाकर डूब गया. सूचना मिलने पर मारंगहादा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से देर शाम उसके शव को फॉल के गहरे पानी से ढूंढ कर बाहर निकाला गया. शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल खूंटी में कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया गया.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक व्यक्ति का मौत

गिरिडीह, एजेंसी। बेंगाबाद चतरो मुख्य मार्ग हरिला मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयीय जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम तिनघरवा निवासी लोकनाथ महतो (55) छोटकी खरगडीहा बाजार से अपने घर जा रहे थे. इसी बीच हरिला मोड़ पर ट्रैक्टर की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर में गिट्टी लदी हुई थी. मोड़ सुनसान रहने के कारण ट्रैक्टर चालक धक्का मारकर भाग गया. इस घटना के बाद आसपास को लोग जुटे और हो हल्ला किया और रोड जाम कर दिया गया. इसकी सूचना मिलने पर बेंगाबाद पुलिस वहां पहुंची. पुलिस रोड जाम को को खाली करवाने की कवायद में जुट गयी. खबर लिखे जाने तक जाम नहीं हटा था. बेंगाबाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

देवघर से बोकारो भेजा 7.22 लाख का चावल ट्रक समेत गायब

बोकारो, एजेंसी। देवघर से बोकारो भेजा गया 26 टन 50 किलो चावल (खुदी) ट्रक समेत गायब हो गया। जिसका मूल्य सात लाख 22 हजार 887 रुपया है। देवघर स्थित मंडल इंटरप्राइजेज नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक मनोहर कुमार मंडल ने इस संबंध में शुक्रवार को बालीडीह थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। मामले में ट्रक संख्या जेएच15एम7483 के चालक सह मालिक जमुई गिद्धौर निवासी गुड्डू यादव को आरोपी बनाया गया है। सूचक का कहना है कि उन्होंने 8 सितंबर को उक्त ट्रक को देवघर से बोकारो के ईएसपीएल के लिए लोड दिया था परंतु उक्त कंपनी के पास चावल का खुदी नहीं पहुंचा जब आरोपी से संपर्क किया गया, तो उसने कहा कि कंपनी ने चावल का खुदी रिजेक्ट कर दिया। वह वापस देवघर आ रहा है। परंतु देवघर वापस आने के बजाय वह फरार हो गया और मोबाइल फोन बंद कर दिया। बालीडीह पुलिस मामले के तहकीकात में जुट गई है।

इलाज के अभाव में अस्पताल से वापस घर लौटी छात्रा

दुमका, एजेंसी। गोपीकांदर थाना क्षेत्र के जारोपानी गांव की आदिम जनजाति छात्रा शिवानी कुमारी को इलाज के अभाव में फोलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल से वापस घर ले आई है। बीते दो तीन दिन पहले ही तबियत खराब होने से शिवानी कुमारी को इलाज हेतु दुमका ले जाया गया था। लेकिन पैसा के अभाव में छात्रा को वापस घर ले आया है। अभी बच्ची का तबियत में सुधार नहीं हुआ है। बीते अगले सप्ताह पहले ही गोपीकांदर थाना क्षेत्र के कुंडापहाड़ी गांव की महिला की प्रसव के दौरान दुमका में मृत्यु हुई थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग में कई खामिया है।

मसलिया में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

दुमका, एजेंसी। मसलिया प्रखंड के राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर कठलिया में शनिवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयुष डाक्टर शिवनाथ कुमार की अगुवाई में आयुष ग्राम अंतर्गत लखनपुर पोचापानी व कठलिया में लोगों के स्वास्थ्य जांच करते हुए नि :शुल्क दवाइयां व परामर्श दिया गया। शिविर में पहुंचे लोगों का स्वास्थ्य जांच करते हुए बीपी शुगर लेवल की जांच करते हुए होम्योपैथिक दवाई बांटी गई। डॉ. शिवनाथ ने कहा कि महीने में तीन कैंप का आयोजन आयुष ग्राम कठलिया में किया जाता है। जिसका उद्देश्य गांव के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। शिविर में दर्जनों मरीजों ने स्वास्थ्य जांच की।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का झारखंड पर पड़ेगा असर, आज से 25 सितंबर तक बारिश की संभावना

रांची, एजेंसी। पिछले चार दिनों से झारखंड तेज गर्मी की मार झेल रहा है। अधिकांश जिलों का तापमान 32 डिग्री या इससे अधिक पार कर चुका है। बीते 24 घंटे में राज्य में मौसम काफी शुष्क रहा। जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य का सबसे गर्म जिला देवघर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं सबसे कम तापमान रांची जिले का रहा। यहां का तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मानसून की गतिविधियां कमजोर रही।

इसी बीच मौसम को लेकर एक खबर यह है कि इस तेज गर्मी से अगले एक से दो दिनों में राहत मिल सकती है। बंगाल की खाड़ी में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन नजर आ रहे हैं। इनमें से एक के लो प्रेशर एरिया में बदल जाने की संभावना है। इसका असर झारखंड के मौसम पर भी देखने को मिल सकता है।

23 से 25 तक बारिश की संभावना : मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि बंगाल की खाड़ी में आ रहे बदलाव से 23 से 25 सितंबर तक बारिश की संभावना है। हालांकि इस दौरान हल्के से मध्यम दर्जे की ही बारिश हो सकती है। इससे थोड़ी राहत मिल सकती है। राज्य में अगले 5 दिनों तक उच्चतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं देखने को मिलेगा।

आंकड़े के मुताबिक जमशेदपुर, रांची, डालटेनगंज, बोकारो-थर्मल, चाईबासा का अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक हो गया है। प्रदेश में अब तक सामान्य 3 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

पूरे मानसून सीजन में राज्य में बारिश के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में गतिविधियां बेहतर रही हैं। सामान्य बारिश से महज तीन फीसदी ही कम बारिश राज्य में हुई है। राज्य के तीन ऐसे जिले हैं जहां सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। गढ़वा में अभी तक 1083.5 मिमी वर्षा हुई है जो सामान्य से 26 फीसदी अधिक है। लातेहार में 1175 मिमी वर्षा अभी तक हो चुकी है जो सामान्य से 22 फीसदी अधिक है। इसी तरह धनबाद में 01 जून से 21 सितंबर तक 1318 मिमी वर्षा हुई है जो सामान्य से 34 फीसदी अधिक है।

पांच जिले से ऐसे, जहां कम हुई बारिश : राज्य के जिन 05 जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है, उसमें सबसे खराब स्थिति पाकुड़ जिले की है। यहां अभी तक महज 538.1 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। इसी तरह देवघर में अभी तक 656.5 मिमी वर्षा हुई है जो सामान्य से 27 फीसदी कम है।

जेल में बंद आलमगीर करेंगे विधानसभा चुनाव प्रचार, विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बनाई तीन कमेटी

रांची, एजेंसी। झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस ने तीन कमेटियों का गठन किया है। इसमें प्रदेश चुनाव समिति, प्रचार समिति और घोषणा पत्र समिति शामिल है। इसमें चौंकानेवाली बात यह है कि जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को प्रचार समिति का सदस्य बनाया गया है। सुबोधकांत सहाय को प्रदेश प्रचार समिति, बंधु तिर्की को घोषणा पत्र समिति और केशव महतो कमलेश को प्रदेश चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

छह नेता तीनों कमेटियों में किए गए शामिल

तीनों समितियों में राज्य के कई कांग्रेस नेताओं को जगह नहीं मिल पाई है, जबकि बंधु तिर्की, बन्ना गुप्ता, प्रदीप यादव, शाहनवाज अनवर, जलेश्वर महतो और अशोक चौधरी को तीनों कमेटियों में जगह दी गई है। इसके अलावा 22 नेता ऐसे हैं, जिन्हें अभियान समिति और प्रदेश चुनाव समिति में जगह मिली है।

सुबोधकांत संभालेंगे प्रचार समिति की जिम्मेदारी

सुबोधकांत सहाय को प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके अलावा रामेश्वर उरांव, डॉ. अजय कुमार,

आलमगीर आलम, राजेश ठाकुर, डॉ. प्रदीप बलमुचू, कालीचरण मुंडा, प्रदीप यादव, बत्रा गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, प्रणव झा, अंबा प्रसाद, बंधु तिर्की व अन्य को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा सभी विधायक और झारखंड पीसीसी के सभी प्रकोष्ठ के प्रमुख को चुनाव समिति का पदेन सदस्य बनाया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष के जिम्मे चुनाव समिति

प्रदेश चुनाव समिति केशव महतो कमलेश (अध्यक्ष), डॉ. अजय कुमार, डॉ. रामेश्वर उरांव, सुबोधकांत सहाय, राजेश ठाकुर, डॉ. प्रदीप बलमुचू, सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, प्रदीप यादव, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, प्रणव झा, अंबा प्रसाद, बंधु तिर्की व अन्य को सदस्य बनाया गया है।

बंधु तिर्की घोषणापत्र बनाने की उठाएंगे दायित्व

घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष बंधु तिर्की को बनाया गया है। बन्ना गुप्ता, प्रदीप यादव, जय प्रकाश गुप्ता, अनादि ब्रह्म, जलेश्वर महतो, शाहनवाज अनवर, केएन त्रिपाठी, देवेन्द्र चंपिया, अशोक चौधरी, डॉ. एम तौसीफ, डॉ. सुशील मरांडी, बद्रीराम, सतीश पॉल मुंजानी व अन्य को समिति का सदस्य बनाया गया है।

प्रेमी ने शादी से इनकार किया, तो गोविंदपुर की पार्वती ने कर ली आत्महत्या

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना अंतर्गत बरियो आदिवासी टोला की पार्वती मुर्मू ने अपने प्रेमी बानेश्वर मरांडी उर्फ सगेन द्वारा शादी से इनकार करने पर दुपट्टा के सहारे घर की छत की लकड़ी से झूल कर आत्महत्या कर ली थी. उक्त बातें शनिवार को गोविंदपुर थाना में सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी मुख्यालय वन शंकर कामती व थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मृत्यु का कारण हैंगिंग और दम घुटना बताया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पार्वती के हाथ में नस काटने के 13 पुराने निशान थे. इसके पूर्व भी वह प्रेमी से झगड़ कर कई बार नस काट चुकी थी और आत्महत्या का भी प्रयास किया था. उसने प्रेमी को चेतावनी दी थी कि शादी नहीं करने पर मर जायेगी.

सिटी एसपी ने बताया कि पार्वती ने मात्र 13 मिनट तक अपने प्रेमी को फोन नहीं किया. इन्हीं 13 मिनट में मुकेश किस्कू, अजय मुर्मू व प्रकाश मुर्मू उसके घर आये थे, चले गये थे. पार्वती के आत्महत्या मामले को पहले परिजनों ने दबाने की कोशिश की. सूचना पर डीएसपी पहुंचे और गोविंदपुर थाना की पूरी टीम मामले की छानबीन में जुट गयी थी. पुलिस ने बानेश्वर मरांडी उर्फ सगेन मरांडी, उम्र 23 वर्ष, पिता स्वर्गीय शिवलाल मरांडी, साकिम बागदुडीह, थाना गोविंदपुर, जिला धनबाद को गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस ने घटनास्थल पार्वती के घर से फांसी लगाने में उपयोग किया गया मृतका का दुपट्टा और दो एंड्रॉयड फोन जब्त किया है. छापेमारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक शैलेंद्र कुमार, अमृता खलको, जे अंसारी, मनीता कुमारी, संजय सिंह, प्रमोद मिंज व नंदलाल शाह शामिल थे. इस संबंध में गोविंदपुर थाना कांड संख्या 243/ 2024, दिनांक 19 सितंबर 2024, धारा 103(1)/ 3(5) बीएनएस तथा परिवर्तित धारा 108, 69 के तहत कांड अंकित किया गया है. नामजद अभियुक्त बनाये गये तीनों आरोपियों व एक अन्य को पुलिस ने पूछताछ के बाद बांड भरवाकर छोड़ दिया गया.

झारखंड विधानसभा चुनाव : बीजेपी में टिकट के लिए मारामारी किसी ने सौंपा रिज्यूम तो कोई बांटा देवघर का पेड़ा

देवघर, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के लिए भाजपा की झारखंड में रायशुमारी के बाद टिकट के दावेदारों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है. हर विधानसभा क्षेत्र से आधे दर्जन से अधिक नेता टिकट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं. रायशुमारी के दौरान कार्यकर्ताओं से संभावित उम्मीदवारों के नाम लेकर उन्हें बंद डिब्बों में डालकर भाजपा की टीम तो आगे बढ़ गयी, लेकिन टिकट के दावेदार अब भी पार्टी के बड़े नेताओं के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और शक्ति प्रदर्शन करने में जुटे हैं.

झारखंड विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही संताल परगना में भाजपा के शीर्ष नेताओं की गतिविधियां बढ़ गयी है. गृह मंत्री अमित शाह की परिवर्तन यात्रा के दौरान भी भाजपा के कई बड़े नेताओं का दौरा देवघर एयरपोर्ट से लेकर साहिबगंज और गिरिडीह के जमुआ तक हुआ. असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन जैसे दिग्गज नेताओं के स्वागत और विदाई के अवसर पर कई दावेदारों ने अपने समर्थकों से नारेबाजी करायी.

मौके का फायदा उठाकर कुछ दावेदारों ने अपना रिज्यूम भी बड़े नेताओं को सौंपा. यहां तक कि कुछ दावेदारों ने अपनी गाड़ियों की डिक्की में आठ से 10 सेट रिज्यूम और बायोडाटा की

फोटोकॉपी रखी हुई है. जैसे ही उनके क्षेत्र में कोई बड़ा नेता दौरा करता है, वे उनसे मिलते ही सबसे पहले अपने दस्तावेज सौंप देते हैं. इसके अलावा, कई दावेदारों ने क्षेत्रीय दौरे शुरू कर दिये हैं और सोशल मीडिया पर अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय हो गये हैं.

रांची में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भी दावेदारों का जमावड़ा लगा हुआ है. जो नेता पहले ही अपना रिज्यूम सौंप चुके हैं, वे भी जिले में नेताओं के दौरे पर पुनः रिज्यूम और बायोडाटा देने में जुटे हैं. कई बार तो बड़े नेताओं को यह कहना पड़ रहा है कि बार-बार रिज्यूम देने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि प्रत्याशी का चयन केंद्रीय नेतृत्व द्वारा किया जाएगा. इसके बावजूद दावेदारों के बीच होड़ मची हुई है.हाल ही में देवघर आए केंद्रीय चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा विधायक दल के नेता अमर बाउरी को भी कई दावेदारों ने कुर्ता-पायजामा पहनकर अपना रिज्यूम सौंपा. देवघर, जरमुंडी, मधुपुर और सारठ के दावेदार तो प्रदेश पदाधिकारियों के आवास पर सुबह-सुबह देवघर का प्रसिद्ध पेड़ा लेकर पहुंच रहे हैं, ताकि किसी भी तरह से अपनी दावेदारी को मजबूत कर सकें. रांची से लेकर दिल्ली तक दावेदार अपने जातिगत समीकरणों और लॉबिंग के जरिये टिकट पाने की कोशिशों में लगे हुए हैं.देवघर विधानसभा = नारायण दास, विनिता पासवान, केके दास, सुलोचना देवी, बबलू पासवान, संतोष पासवान, अमर पासवान, तूफान महथा, गेंदालाल दास, साहिल कुमार, सावित्री देवी, दशरथ दास व अनिता दास.

चलती बाइक पर युवक को कुत्ते ने काटा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में कुत्तों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. आये दिन लोग डॉग बाइट के शिकार हो रहे हैं. शनिवार को भी कुत्ते के नोंचने से टुंडी के ओझाडीह कटनिया के निवासी अजीत मंडल (34) गंभीर रूप से जख्मी हो गये. वह बलियापुर रोड स्थित मंझालाडीह में ठेका मजदूरी करते हैं. बताया शनिवार को अपनी बाइक से मंझलाडीह जा रहे थे. इसी दौरान बलियापुर रोड स्थित मंझलाडीह से पहले कुत्ते ने चलती बाइक पर हमला कर उन्हें कई जगह नोंच लिया. घटना के बाद लोगों की जुटी भीड़ ने कुत्ते को भगाया. बाद में अजीत मंडल एसएनएमएमसीएच पहुंचे और इलाज कराया.

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शनिवार को 980 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया. वहीं शिविरों में 6,731 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें फोकस स्कीम के 4289 आवेदनों में 170 तथा बेनेफिशियरी ओरिएंटेड स्कीम के 1333 में 114 आवेदन निष्पादित किये गये. वहीं 595 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. शिविरों में विभिन्न प्रकार की 101 शिकायतों का निवारण ऑन द स्पॉट किया गया. जबकि शनिवार को प्राप्त आवेदनों में 265 आवेदन निष्पादन की प्रक्रिया में है. राज्य सरकार की फोकस स्कीम में अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के 256, अबुआ आवास के 3467, सर्वजन पेंशन 274, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना 166, जाति प्रमाण पत्र के 51, आवासीय 46 व आय प्रमाण पत्र के 29 आवेदन प्राप्त हुए.

झारखंड में जड़ी-बूटी से बनाई टीबी की दवा खाई, वैद्य समेत दो लोगों की मौत

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला के चैनपुर थाना क्षेत्र के मड़ईकोना गांव में जड़ी-बूटी से टीबी की दवा बनाकर खाने से वैद्य समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं टीबी मरीज समेत तीन की हालत गंभीर है। पीड़ितों में एक महिला भी शामिल हैं। घटना शुक्रवार की है। मृतकों में 42 वर्षीय वैद्य सुधीर तिर्की और 45 वर्षीय बंसत तिर्की हैं। गंभीर लोगों में मृतक बसंत की पत्नी सुषमा तिर्की, बादल टोप्पो और 22 वर्षीय मरीज सुजीत तिर्की शामिल हैं। तीनों को पालकोट रोड स्थित साहू नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। दवा खाने वाले बसंत के बेटे शशि की हालत खतरे से बाहर है।

इधर, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बसंत के घर से बरामद दवा समेत अन्य चीजों को फॉरेंसिक जांच के लिए रांची भेजा जाएगा। तीन डॉक्टरों की मेडिकल टीम ने

शनिवार को वैद्य सुधीर और बंसत के शव का पोस्टमार्टम किया।

मृतक बसंत के बेटे शशि ने बताया कि वैद्य सुधीर जड़ी-बूटी से दवा तैयार कर इलाज करता था। शुक्रवार की शाम टीबी मरीज सुजीत तिर्की वैद्य के घर पहुंचा। वैद्य ने हाथ टूटे होने से दवा बनाने में असमर्थता जताई। इसके बाद बसंत के घर पर दवा बनाई गई, जिसे मरीज, वैद्य समेत छह लोगों ने सेवन किया। कुछ देर बाद सबकी हालत बिगड़ने लगी। गुमला जिले के चैनपुर प्रखंड के मडईकोना गांव में हुई घटना भी अज्ञानता और अशिक्षा का परिणाम बताया जा रहा है। सुजीत तिर्की जिला यक्ष्मा कार्यालय द्वारा चिन्हित टीबी मरीज है। उसे सरकार से हो रहे निशुल्क इलाज पर भरोसा नहीं था। फलस्वरूप वह शुक्रवार को अपने परिवार वालों के साथ वैद्य सुधीर तिर्की से टीबी का जड़ी-बूटी वाला दवा लेने पहुंच गया।

जड़ी-बूटी के चक्कर में नहीं फंसें लोग: सीएस

सिविल सर्जन डॉ.नवल कुमार ने बताया कि जिले टीबी के मरीजों का इलाज निशुल्क किया जाता है। टीबी मरीज सुजीत तिर्की का भी इलाज चैनपुर स्वास्थय केन्द्र से चला जा रहा था। इसके बावजूद वह दवा नहीं खाता था। सीएस ने जिले के टीबी मरीजों से अपील करते हुए कहा कि जड़ी बूटी के चक्कर में नहीं फंसे।

विधायक भूषण ने भी वैद्य से ली थी दवा: फरदीना

दिवंगत वैद्य सुधीर तिर्की की पत्नी फरदीना तिर्की ने बताया कि वे केवल पति-पत्नी घर में रहते थे। उनका कोई संतान नहीं है। शुक्रवार को वह घर में नहीं थी, घास लाने खेत की ओर गयी थी। फरदीना ने स्वीकारा की उसके पति जड़ी-बुटी की दवा बनाकर लोगों को देते थे। गुमला विधायक को भी सुधीर ने दवा दिया है।

एनपीएस वात्सल्यः रिटायरमेंट पर आपका बच्चा होगा 10 करोड़ का मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने नाबालिग बच्चों के लिए एक नई पेंशन योजना शुरू की है। इसका नाम एनपीएस वात्सल्य है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई 2024 के केंद्रीय बजट में इसका ऐलान किया था। यह योजना देशभर में 75 जगहों पर शुरू की गई है। अब तक 250 से ज्यादा पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) बच्चों को आवंटित किए जा चुके हैं। एनपीएस वात्सल्य योजना माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत करने का सुनहरा मौका देती है। इस योजना के तहत माता-पिता अपने बच्चों के नाम पर पेंशन खाता खुलवा सकते हैं। यह उन्हें लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ उठाने का अवसर देती है। एनपीएस वात्सल्य योजना में कॉन्ट्रिब्यूशन और निवेश के फ्लेक्सिबल विकल्प उपलब्ध हैं। इसमें माता-पिता सालाना न्यूनतम 1,000 रुपये जमा कर सकते हैं। यह हर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के लिए सुविधाजनक है। बीते दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस योजना को शुरू करते हुए कहा कि एनपीएस वात्सल्य सभी नागरिकों के लिए दीर्घकालिक वित्तीय योजना है। यह सुरक्षा को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण कदम है। योजना न केवल ग्राहकों के भविष्य को सुरक्षित करेगी, बल्कि यह इक्विटी के सिद्धांत पर भी आधारित है। इससे परिवार के बुजुर्गों और युवा दोनों पीढ़ियों के लिए सुरक्षा कवच मिलता है। सीतारमण के मुताबिक, एनपीएस वात्सल्य युवाओं को बचत की आदत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। चक्रवृद्धि ब्याज के चलते वे बड़ी पूंजी जुटा पाएंगे। यह योजना व्यक्तियों को उनके बुढ़ापे में एक सम्मानजनक जीवन प्रदान करेगी।

राकेश झुनझुनवाला के रहे हैं राइट हैंड, अब 123 करोड़ रुपये का अपार्टमेंट खरीदकर चौंकाया!

नई दिल्ली, एजेंसी। राकेश झुनझुनवाला के सहयोगी रहे उत्पल शेठ ने मुंबई में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने यह अपार्टमेंट वर्ली के ओबेरॉय थ्री सिक्सटी वेस्ट नाम की बिल्डिंग में लिया है। इस अपार्टमेंट की कीमत 123 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है।रेयर एंटरप्राइजेज के सीईओ उत्पल शेठ दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के साथ काम कर चुके हैं। जब राकेश झुनवाला जीवित थे तब उत्पल सेठ को उनका राइड हैंड कहा जाता था। उत्पल सेठ ने हाल ही में मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है। इकनॉमिक टाइम्स (ईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, ओबेरॉय थ्री सिक्सटी वेस्ट नाम की जिस बिल्डिंग में यह अपार्टमेंट खरीदा गया है, वह डॉ एनी बेसेंट रोड पर स्थित है। इस अपार्टमेंट की कीमत 123 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह अपार्टमेंट ओबेरॉय थ्री सिक्सटी वेस्ट के एक टॉवर की 54वीं मंजिल पर है। इस अपार्टमेंट का कुल क्षेत्रफल 15,795 वर्ग फीट है। इसमें 884 वर्ग फीट की एक बड़ी बालकनी भी शामिल है। शेठ ने अपने परिवार के दो अन्य सदस्यों के साथ मिलकर यह अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने ट्रस्ट ग्रुप नाम के एक मल्टी-एसेट फाइनेंशियल सर्विसेज प्लेटफॉर्म की सह-स्थापना की है। दस्तावेजों के अनुसार, यह सौदा 15 सितंबर को हुआ था। इस सौदे में 7.40 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह अपार्टमेंट सहाना ग्रुप के स्काईलार्क बिल्डकॉन और मून रेज रियल्टी से खरीदा गया है। ये दोनों कंपनियां ओएसिस रियल्टी के साथ मिलकर काम करती हैं।

आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी दुनिया का सबसे अमीर मंदिर

● इसके पास 11,329 किलो सोना और 18,817 करोड़ रुपये कैश है ● ट्रस्ट ने 2024-25 के लिए 5,141.74 करोड़ का बजट मंजूर किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर इन दिनों अपने लड्डू प्रसाद को लेकर चर्चा में है। राज्य की चंद्र बाबू नायडू सरकार ने जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली पिछली सरकार के दौरान मंदिर के प्रसाद में मिलावट का आरोप लगाया है। तिरुपति बालाजी मंदिर को दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। सोने की कीमत में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद भक्तों ने पिछले साल इस मंदिर को जमकर दान दिया। साल 2023 में इस मंदिर को 1,031 किलो सोने का चढ़ावा मिला जिसकी कीमत करीब 773 करोड़ रुपये है। तिरुपति ट्रस्ट के पास कुल 11,329 किलो सोना है जिसकी कीमत करीब 8,496 करोड़ रुपये है। आइए जानते हैं कि इस मंदिर से सरकार को क्या फायदा होता है।

तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम के तहत विभिन्न बैंकों में गोल्ड जमा कर रखा है। तिरुपति के भक्त चढ़ावे के रूप में कैश और गोल्ड देना पसंद करते हैं। मंदिर से जुड़े विभिन्न ट्रस्टों ने बैंकों में 13,287 करोड़ रुपये एफडी के रूप में जमा किए हैं जिस पर

सालाना 1,600 करोड़ रुपये का ब्याज मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल, 2024 तक तिरुपति ट्रस्ट के पास रेकॉर्ड 18,817 करोड़ रुपये का कैश बैलेंस है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल 1,161 करोड़ रुपये की एफडी कराई है जो पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा है।

5,000 करोड़ से अधिक का बजट

आंकड़ों के मुताबिक पिछले 12 साल में केवल तीन बार ही ट्रस्ट के द्वारा कराई गई एफडी की रकम 500 करोड़ रुपये से कम रही। साल 2021 और 2022 में कोरोना महामारी के कारण मंदिर की कमाई प्रभावित हुई थी। ट्रस्ट ने 2024-25 के लिए 5,141.74 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। यह पहला मौका है जब ट्रस्ट का बजट 5,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। ट्रस्ट को प्रसादम की बिक्री से 600 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। इसी तरह दर्शन टिकट से 338 करोड़ रुपये, कर्मचारियों को दिए गए लोन और एडवांसेज से 246.39 करोड़ रुपये की उम्मीद है। ट्रस्ट को 129 करोड़ रुपये अन्य पूंजी प्राप्तियों से, 150 करोड़ रुपये अर्जित सेवा टिकट से, 151.5 करोड़ रुपये कल्याणकत्ता रिसीट से और 147 करोड़ रुपये कल्याण मंडपम रिसीट से मिलने का अनुमान है। साथ ही ट्रस्ट रिसीट से 85 करोड़ रुपये, रेंट, इलेक्ट्रिक और अन्य रिसीट के रूप में 60 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसी तरह टोल फी कलेक्शन के रूप में 74.5 करोड़ रुपये और 35.25 करोड़ रुपये पब्लिकेशन रिसीट के रूप में मिलने का अनुमान है। इसी तरह चढ़ावे के रूप में 1,611 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है।

सरकार को कितना फायदा

बजट के मुताबिक ट्रस्ट 1,733 करोड़ रुपये एचआर पेमेंट्स के रूप में खर्च करेगा जो पूरे साल के हुंडी कलेक्शन से 122 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसी तरह ट्रस्ट 751 करोड़ रुपये मटीरियल्स की खरीद पर और 750 करोड़ रुपये कॉर्पस और दूसरे इन्वेस्टमेंट पर खर्च करेगा। 350 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग वर्क्स और 53 करोड़ रुपये श्रीनिवास सेतु के काम के लिए रखे गए हैं। 60 करोड़ रुपये एसवीआईएमएस हॉस्पिटल में इंजीनियरिंग के काम पर खर्च होंगे जबकि अस्पताल को 80 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। 190 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग मेंटनेंस के काम पर खर्च होंगे और 80 करोड़ रुपये फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में यूज होंगे। बजट के अनुसार टीटीडी 113.5 करोड़ रुपये विभिन्न संस्थानों को अनुदान के रूप में देगा। 108.5 करोड़ रुपये हिंदू धर्म प्रचार परिषद को मिलेंगे। लोन और एंडवास पर 166.63 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। 100 करोड़ रुपये पेंशन और ईएचएस फंड कंट्रीब्यूशन के लिए दिए जाएंगे जबकि 62 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिकल चार्जेज के लिए होंगे। पब्लिकेशंस और एडवरटाइजमेंट में 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। टीटीडी 50 करोड़ रुपये राज्य सरकार को कंट्रीब्यूशन के रूप में देगा। यह ट्रस्ट के कुल बजट का करीब एक फीसदी है।

2032 तक 10 लाख करोड़ डॉलर होगी देश की जीडीपी, आईआईपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान छूटेंगे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था 2032 तक बढ़कर 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगले छह वर्षों तक हर 18वें महीने में इसमें एक लाख करोड़ डॉलर की बढ़त होगी। आईडीबीआई कैपिटल ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2030 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा। रिपोर्ट के अनुसार, देश की तेज वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के दम पर होगी। यह क्षेत्र सकल मूल्यवर्धित (जीवीए) में 32 फीसदी का योगदान कर सकता है। मेक इन इंडिया जैसी प्रमुख पहलों से देश की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था को बढ़ने में थोड़ी देरी हुई। इससे 2024 के अंत तक चार लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की समयसीमा बढ़ गई, लेकिन अब आने वाले वर्षों में तेजी से विकास के लिए देश तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में अमेरिका, चीन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया व जापान जैसे देशों को पछाड़कर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाएगा।

1 करोड़ वेतन के बावजूद एक दिन में ही छोड़ी ईवाई की नौकरी, अशनीर के वीडियो पर हर्ष गोयनका बोले

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्न्स्ट एंड यंग की कर्मचारी अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की कथित तौर पर अधिक काम के कारण हुई मौत के कुछ दिनों बाद, भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से सामने आया है, जिसमें वे विषाक्त कार्य संस्कृतियों के बारे में बात कर रहे हैं। वीडियो में, शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज ने एक करोड़ रुपये पैकेज मिलने के बावजूद एक दिन के भीतर श्रद्धा छोड़ने के अपने फैसले के बारे में बताया था।

क्लिप में अशनीर ग्रोवर यह बताते दिखते हैं कि कैसे उन्होंने एक दिन में ही ईवाई की नौकरी छोड़ दी। ग्रोवर ने कहा, मैं कार्यालय में गया, चारों ओर देखा और बाहर निकलने के लिए सीने में दर्द होने का नाटक किया। उन्होंने कार्यालय के माहौल को बेजान बताते हुए अपने फैसले को उचित ठहराया। उन्होंने वहां के कर्मचारियों के मृत और लाश जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हालांकि, उन्होंने एक विवादास्पद विचार भी सामने रखा कि सबसे अच्छे दफ्तर वे होते हैं जिन्हें विषाक्त माना जाता है क्योंकि उनके अनुसार, यहीं पर काम होता है। अशनीर ग्रोवर ने कहा, अगर कोई कह रहा है कि किसी दफ्तर में

विषाक्त संस्कृति है, तो वह सबसे अच्छा है। वीडियो को अरबपति उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर करते हुए अशनीर ग्रोवर की आलोचना की थी और कहा था कि वह विषाक्त कार्य वातावरण को बढ़ावा दे रहे हैं। गोयनका ने एक्स पर लिखा, किसी को भी विषाक्त वातावरण की वकालत करते देखना हैरान करने वाला है।

26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अन्ना सेबेस्टियन, जो चार महीने पहले श्रद्धा के पुणे कार्यालय से जुड़ी थीं की जुलाई में मृत्यु हो गई। कथित तौर पर उनकी मौत अत्यधिक काम के दबाव को झेलने कारण हुई। अन्ना की मां ने एक पत्र में दावा किया कि उनकी बेटी की मृत्यु अधिक काम के कारण हुई और कंपनी पर कर्मचारियों की भलाई की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। शोकाकुल मां ने यह भी कहा कि श्रद्धा से कोई भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ और उन्होंने कंपनी से भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए अपनी कार्य संस्कृति का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद है कि मेरा पत्र वास्तविक बदलाव लाएगा ताकि किसी अन्य परिवार को वह दुख न सहना पड़े जो हमें सहना पड़ा।

एक बयान में, श्रद्धा इंडिया के चेयरमैन राजीव मेमानी ने 26 वर्षीय अन्ना की मौत पर बात की और वादा किया कि जब तक कंपनी एक सही मायने में सामंजस्यपूर्ण कार्यस्थल नहीं बना लेती, तब तक वे आराम नहीं करेंगे। उन्होंने लिंकडइन पर लिखा, मैं एक सामंजस्यपूर्ण कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं, और जब तक यह उद्देश्य पूरा नहीं हो जाता, मैं आराम नहीं करूंगा। उन्होंने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि श्रद्धा से कोई भी अन्ना के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ, उन्होंने इसे कंपनी की संस्कृति के पूरी तरह से खिलाफ बताया।

वेस्ट रिसाइकलिंग स्टार्टअप्स को फाइनेंशियल सपोर्ट देगी केंद्र सरकार

● स्टार्टअप्स को फाइनेंशियल सपोर्ट देगी केंद्र सरकार

● देश में रोजाना निकलता है 42 मिलियन टन कूड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने कचरे की रिसाइकलिंग के लिए बड़ी पहल की है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार वेस्ट रिसाइकलिंग स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ ऊर्जा एवं पानी की बचत पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। मंत्री ने यह बात अंतरराष्ट्रीय तट सफाई दिवस के हिस्से के रूप में मुंबई के जुहू समुद्र तट पर सफाई अभियान में भाग लेने के बाद कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वेस्ट रिसाइकलिंग के लिए स्टार्ट-अप कंपनियों को सपोर्ट करेगी। मंत्रालय ने ऐसे स्टार्ट-अप को एकमुश्त वित्तीय सहायता के लिए दिशानिर्देश दिए हैं।

यादव ने कहा कि हम प्रकृति के उत्पादों का उपयोग करना जानते हैं लेकिन उन्हें रिसाइकल करना भूल जाते हैं। समुद्र तटों और सड़कों पर कूड़ा फेंकते हैं। हम ऊर्जा और पानी की बचत करने, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने, भोजन की बर्बादी को रोकने, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और ई-कचरा निपटान पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप की तुलना में भारत में रोजाना एक तिहाई वेस्ट निकलता है लेकिन इसे ठिकाने लगाना एक बड़ी समस्या है। भारत के शहरों में रोजाना 42 मिलियन टन कूड़ा निकलता है। केंद्र सरकार का अनुमान है कि देश में कचरे से 5 गीगावॉट बिजली बनाई जा सकती है जो मौजूदा स्थापित क्षमता से 30 गुना है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती वेस्ट सेग्रिगेशन की है।

सरकार की स्कीम

यादव ने कहा कि सरकार तटीय इलाकों में छोड़े गए मछली पकड़ने वाले गियर और प्लास्टिक कचरे की रिसाइकलिंग के लिए प्लांट स्थापित करने के वास्ते एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए एक नोट के अनुसार देश के 12 'ब्लू फ्लैग-प्रमाणित' समुद्र तटों पर मछली पकड़ने के गियर/जाल और समुद्री प्लास्टिक अपशिष्ट की रिसाइकलिंग सुविधाओं की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि 'ब्लू फ्लैग' समुद्र तटों के पास 25 रिसाइकलिंग प्लांट (13 मछली पकड़ने के नायलॉन निर्मित गियर के लिए और 12 प्लास्टिक कचरे के लिए) स्थापित करने के वास्ते एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। सहायता राशि में प्लांट और मशीनरी की लागत शामिल होगी लेकिन भूमि, निर्माण कार्य या अन्य खर्च शामिल नहीं होंगे।

प्लास्टिक अपशिष्ट रिसाकलिंग यूनिट्स के लिए अनुदान प्रति टन उत्पादन क्षमता के लिए 19 लाख रुपये होगा या प्लांट कॉस्ट का 40 प्रतिशत होगा लेकिन अधिकतम सीमा 38 लाख रुपये होगी। मछली पकड़ने के नायलॉन निर्मित गियर के रिसाइकलिंग प्लांट के लिए अनुदान प्रति टन क्षमता के लिए 24 लाख रुपये होगा या प्लांट कॉस्ट का 40 प्रतिशत होगा लेकिन अधिकतम सीमा 48 लाख रुपये होगी। लागत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और परियोजना के प्रस्तावक के बीच 40 और 60 के अनुपात में साझा की जाएगी।

सफाई अभियान

इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य को 720 किलोमीटर लंबी तटरेखा का आशीर्वाद प्राप्त है। इसे साफ रखने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मुंबई में गिरगांव चौपाटी पर 17 सितंबर को शुरू किया गया स्वच्छता अभियान दो अक्टूबर तक जारी रहेगा।

संकट में फंसी कंपनी ने की 30000 करोड़ की बड़ी डील, 10 का है शेयर, सरकार के पास भी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क इक्विपमेंट की सप्लाई के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह कॉन्ट्रैक्ट तीन साल के लिए है। कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर या 55,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा की थी। यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है। बीते शुक्रवार को यह शेयर 10.52 रुपये पर बंद हुआ था। कई ब्रोकरेज कंपनियों का मानना है कि वोडा आइडिया के शेयरों में तेजी आ सकती है। बता दें कि कंपनी में सरकार की 23.15 प्रतिशत की बड़ी हिस्सेदारी है। कंपनी ने बयान में कहा, ''वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) का एक बड़ा सौदा किया है।'' बयान में कहा गया है कि इस पूंजीगत व्यय कार्यक्रम का लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है। इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी। बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है। नोमुरा ने वोडाफोन आइडिया को अपनी पिछली रेटिंग न्यूट्रल से अपग्रेड करके बाय कर दिया, लेकिन इसका टारगेट प्राइस 15 प्रति शेयर बरकरार रखा है। इसके अलावा यूबीएस ने वोडाफोन आइडिया पर अपनी बाय की सिफारिश बरकरार रखी है। ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर पर 19 का टारगेट प्राइस रखा है। बता दें कि पिछले सप्ताह वोडा आइडिया के शेयरों में जबरदस्त गिरावट आई थी। पांच दिन में यह शेयर 22 प्रतिशत तक टूट गया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित कई कंपनियों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया

एडलवाइस म्यूचुअल फंड की सीईओ राधिका गुप्ता ने फिर एक बहस छेड़ दी

उन्होंने भारतीय विमानन कंपनियों से पूछा है कि वे भारतीय व्यंजन क्यों नहीं परोसते

एयरलाइन सैंडविच जैसे विदेशी व्यंजन परोसती हैं जो कहीं से हेल्दी नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। एडलवाइस म्यूचुअल फंड की सीईओ राधिका गुप्ता अपनी सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से अक्सर सुर्खी बटोरती हैं। हाल ही में उन्होंने एक घरेलू एयरलाइंस द्वारा परोसे जाने वाले मानक इन-फ्लाइट सैंडविच पर अपनी निराशा साझा की।

ट्वीट की अपनी भावना

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर, उन्होंने कल दोपहर में एक पोस्ट किया, कि कैसे ये भोजन- जिसमें अक्सर पनीर और कोलस्ला से भरी ब्रेड होती है। इनमें रचनात्मकता, स्वाद और भारत की विविध खाद्य संस्कृति से जुड़ाव की कमी होती है। उन्होंने सवाल किया कि

एयरलाइंस पश्चिमी शैली के नाश्ते परोसना क्यों जारी रखती हैं, जिसे उन्होंने बेस्वाद और प्रेरणाहीन पाया। इस पोस्ट को आज सुबह तक 36.8 लाख से भी ज्यादा लोगों ने देख लिया था।

भारतीय नाश्तों में विविधता

अपने पोस्ट में राधिका गुप्ता ने एयरलाइन्स से बदलाव का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि एयरलाइंस को भारतीय नाश्ते के मुख्य व्यंजनों को अपनाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे पराठे, इडली और ढोकला जैसी चीजें न केवल स्वादिष्ट अनुभव प्रदान कर सकती हैं बल्कि एयर ट्रेवल का प्रैक्टिकल रिक्वायरमेंट भी पूरा करती हैं। ये व्यंजन न सिर्फ अफोर्डेबल हैं बल्कि उनकी शेल्फ लाइफ भी अच्छी है। सबसे अच्छी बात यह है कि भारतीय नाश्ते हेल्दी हैं।

क्या लिखा है पोस्ट में

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है मैं एयरलाइंस और बॉक्स्ड फूड बनाने वालों से यह प्रथा बंद करने की मांग कर रही हूं जो नाश्ते के नाम पर पनीर और कोलस्ला (वेज सैंडविच) से भरी दो ब्रेड परोसते हैं। यह भारत है, पश्चिम नहीं। हमारे पास देश भर से अद्भुत नाश्ता है - पराठा, इडली, ढोकला और अनगिनत अन्य - जो स्वस्थ, स्वादिष्ट, सस्ती हैं और उनकी शेल्फ लाइफ है। हमारी मां बची हुई सब्जी से लाजवाब परांठा रोल बनाती हैं जो लाजवाब होते हैं। कृपया रचनात्मक बनें। हमें सैंडविच से बचाएं। हम बेहतर कर सकते हैं। राधिका गुप्ता के पोस्ट पर लोगों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। इस पर एक यूजर ने टिप्पणी की, पूरी तरह से सहमत हूं कि भारतीय शेफ निश्चित रूप से एयरलाइंस के भोजन में एक रचनात्मक और स्वस्थ मोड़ दे सकते हैं।

थोड़ा बदला ट्रेंड और खुल गई किसान की किस्मत... अब सालाना 1 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के रहने वाले फुमन सिंह कौरा ने गाजर की खेती करके अपनी और अपने परिवार की किस्मत बदल दी है। उन्होंने 30 साल पहले धान की जगह गाजर की खेती शुरू की थी। आज वह सालाना 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा रहे हैं। उनके पास इतना बड़ा बीज बैंक भी है जिससे 650 एकड़ से ज्यादा जमीन पर खेती हो सकती है। आइए, यहां फुमन सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। फुमन सिंह कपूरथला के गांव परमजीतपुरा के रहने वाले हैं। छह भाई-बहनों में सबसे छोटे फुमन सिंह ने बचपन में अपने परिवार को हमेशा आर्थिक तंगी से जूझते देखा। पिता और दादा खेतों में कड़ी मेहनत करते थे। लेकिन, घर खर्च चलाना भी मुश्किल होता था। हालात इतने खराब थे कि फुमन सिंह को क्लास सेकेंड ईयर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। कॉलेज की फीस भरने के लिए पैसे नहीं थे। ऐसे में उन्होंने अपने परिवार के साथ धान और गेहूं की खेती में हाथ बंटाना शुरू कर दिया। दूध बेचने का काम भी करते थे। लेकिन, उन्हें एहसास हुआ कि इससे आमदनी बहुत कम हो रही है। लंबे समय तक गुजारा करना मुश्किल होगा। अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उन्होंने दूसरे रास्ते तलाशने शुरू कर दिए।

सभी को गलत किया साबित

फुमन सिंह ने गाजर की खेती को एक अच्छा विकल्प पाया। परमजीतपुरा, जिसे अल्लूपुर भी कहा जाता है, कपूरथला जिले के सुल्तानपुर लोधी ब्लॉक में स्थित है। यह गाजर की खेती के लिए मशहूर है। उन्होंने एक किसान से मदद मांगी जो थोड़ी सी जमीन पर गाजर उगा रहा था। मदद करने के बजाय उस किसान ने उन्हें ताना मारा कि यह काम उनके बस का नहीं है। इस बात से फुमन सिंह को गाजर की खेती में सफल होकर खुद को साबित करने की और भी ज्यादा प्रेरणा मिली। पिछले 30 वर्षों में 65 साल के इस किसान ने सभी को गलत साबित कर दिखाया है। 4.5 एकड़ जमीन से शुरुआत करके फुमन सिंह ने गाजर की खेती के दम पर अपने परिवार की तकदीर ही बदल दी। आज उनके परिवार के पास 80 एकड़ से ज्यादा जमीन है। यहां मुख्य रूप से गाजर की खेती होती है। गाजर उगाने के अलावा, वह बीज भी बेचते हैं - इतने कि 650 एकड़ से ज्यादा जमीन पर बुवाई हो सके। आज वह अपने बेटे के साथ मिलकर गाजर और बीज की खेती से सालाना 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाते हैं। फुमन सिंह के बचपन में बड़े-बड़े सपने थे। वह उच्च शिक्षा और नौकरी के लिए विदेश जाना चाहते थे। लेकिन, गरीबी के कारण उनके सपने पूरे नहीं हो सके। अपने आसपास के माहौल और गाजर की प्रॉफिटेबिलिटी को भली-भांति जानते हुए फुमन सिंह ने 1993 में इस दिशा में अपना सफर शुरू किया। किताबें पढ़ और पास के कृषि विश्वविद्यालय का दौरा करके उन्होंने गाजर की खेती की बारीकियां सीखीं। फिर उन्होंने साहसिक कदम उठाते हुए अपने परिवार की सारी 4.5 एकड़ जमीन पर गाजर के बीज बो दिए। यह प्रयोग सफल साबित हुआ।

पंत, गिल और अश्विन रहे जीत के हीरो

भारत ने 280 रन से जीता चेपॉक टेस्ट

चेन्नई, एजेंसी। टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला भारत के नाम रहा। चेपॉक में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 280 रन से हराते हुए सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। रविवार को मुकाबले का चौथा दिन था और पहले सेशन में ही भारत ने यह मुकाबला अपने नाम किया। 515 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहमान टीम दूसरी पारी में 234 रन पर सिमट गई। अश्विन ने दूसरी पारी में 6 विकेट, रवींद्र जडेजा ने 3 और जसप्रीत बुमराह ने 1 विकेट लिया।

अपने घरेलू मैदान पर अश्विन के ऑलराउंडर प्रदर्शन ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में विकेट रहित अश्विन ने बल्ले से धमाल मचाया और शतकीय पारी खेली, जबकि दूसरी पारी में उन्हें छह विकेट चटकाए।

इससे पहले टीम इंडिया ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। इस दौरान अश्विन ने 113 रन और रवींद्र जडेजा ने 86 रन की जबरदस्त पारी खेली थी। टीम के 144 रन पर 6 विकेट गिर जाने के बाद दोनों ने 199 रन की मजबूत साझेदारी की थी। जवाब में बांग्लादेश की टीम 149 रन ही बना सकी थी। जसप्रीत बुमराह ने इस दौरान 4 विकेट, वहीं जडेजा, आकाशदीप और सिराज ने 2-2 विकेट चटकाए थे। भारतीय टीम को पहली पारी में 227 रन की बढ़त मिली थी। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने ऋषभ पंत की 109 रन और शुभमन गिल की नाबाद 119 रन की मदद से 4 विकेट पर 287 रन बनाकर पारी घोषित की और कुल 514 रन की बढ़त हासिल की। भारत की ओर से आर.अश्विन, ऋषभ पंत और शुभमन गिल ने शतक जड़ा। जबकि बांग्लादेश के लिए सबसे सफल बल्लेबाज कप्तान नजमुल हसन शांतो रहे और टीम के अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के आगे संघर्ष करते नजर आए। दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा।

शतरंज ओलंपियाड:

भारत ने जीता ऐतिहासिक स्वर्ण

विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो को हराया

बुडापेस्ट (हंगरी), एजेंसी। हंगरी की राजधानी में आयोजित शतरंज ओलंपियाड में भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने में सफलता पाई है। विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो को हरा दिया है। शतरंज ओलंपियाड में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक मिला है। भारतीय पुरुष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के 10वें दौर में मजबूत अमेरिका को 2.5-1.5 से हराकर एक दौर शेष रहते ही ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पर कब्जा तय कर लिया है। भारत 19 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है। अगले दौर में हारने पर भी उच्च टाईब्रेक स्कोर के कारण चैंपियन बन जाएगा। गुकेश-अर्जुन ने बाजियां जीतीं। डी गुकेश ने फाबियानो कारुआना को शिकस्त दी। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में आयोजित प्रतियोगिता में ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो कारुआना को शिकस्त देकर भारत को पुरुष वर्ग में पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण दिलाने में मदद की। इसकी पुष्टि ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से और प्रगनानंदा के कोच आर बी रमेश ने भी की। आर बी रमेश ने टीम को स्वर्ण जीतने पर बधाई भी दी।

- **19 अंक के साथ भारतीय पुरुष टीम शीर्ष पर कायम है** –प्रवीण थिप्से ने कहा कि भारत 11वां दौर हार भी जाता है और दूसरी टीम से उसके बराबर अंक रह जाते हैं तो भी ट्राई ब्रेकर में भारत का स्कोर अच्छा है जिससे उसका स्वर्ण पक्का है। 45वें शतरंज ओलंपियाड के 10वें दौर में भारतीय पुरुष टीम ने अमेरिका को 2.5–1.5 से हराया। भारतीय पुरुष टीम टूर्नामेंट में हारी नहीं है और 19 अंक के साथ ओपन वर्ग में शीर्ष पर कायम है। प्रगनानंदा को वेस्ली सो से हार मिली। विदित ने लेवरोन को ड्रॉ पर रोका। अर्जुन ने पेरेज को हराया।
- **महिला टीम ने चीन को दी शिकस्त** – भारतीय महिला टीम ने चीन को 10वें दौर में 2.5–1.5 से शिकस्त दी। महिला टीम ने इससे पहले अमेरिका की टीम से ड्रॉ खेला था और अब चीन पर जीत के साथ वापसी की। भारतीय महिला टीम में सिर्फ दिव्या देशमुख को जीत मिली जबकि नोएडा की वंतिका अग्रवाल, वैशाली और हरिका ने ड्रॉ खेला। दिव्या ने शिक्केन को हराया। वंतिका ने मियाओई को बराबरी पर रोका। शीर्ष बोर्ड पर हरिका को झू जिनेर के खिलाफ ड्रॉ खेलना पड़ा जबकि वंतिका ने मियाओइ को बराबरी पर रोक दिया।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के नए अध्यक्ष बने कलिकेश सिंह देव, वीके ढल को 36-21 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल अप्रैल में रणिंदर के इस्तीफे के बाद से एनआरएआई का कामकाज इसके वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश देख रहे थे। उनके कार्यवाहक प्रमुख रहते भारत ने पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में तीन पदक जीते। कलिकेश नारायण सिंह देव भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष चुने गए। शनिवार को हुए चुनावों में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी वीके ढल को 36-21 से हराया। यह पद पिछले साल से खाली था। ऐसे में ओडिशा के पूर्व सांसद एनआरएआई के दैनिक कामकाज की देखभाल कर रहे थे। पिछले साल रणिंदर सिंह ने इस पद से इस्तीफा दिया था।पिछले साल खेल मंत्रालय ने निर्देश जारी किया था कि राष्ट्रीय खेल महासंघों का कोई पदाधिकारी राष्ट्रीय खेल कोड के तहत 12 वर्ष से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकता। इसके बाद रणिंदर ने इस्तीफा दिया था। उनके 12 साल 29 दिसंबर 2022 को पूरे हुए थे। पिछले साल अप्रैल में रणिंदर के इस्तीफे के बाद से एनआरएआई का कामकाज इसके वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश देख रहे थे।

सीपीएल 2024 में 9 विकेट लेने वाले ने जिताया मैच

नाम बदलने के बाद तीसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑल आउट हुई ये टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। 21 सितंबर को सीपीएल 2024 की टॉप की दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ. बारबाडोस रॉयल्स और सेंट लुसिया किंग्स के बीच हुई इस टक्कर में उम्मीद तो वैसे रनों की बारिश के होने की थी लेकिन देखने को विकेटों की पतझड़ मिली. सेंट लुसिया किंग्स के गेंदबाजों का कहर बारबाडोस रॉयल्स के बल्लेबाजों पर जमकर टूटा, जिसका नतीजा ये रहा कि वो नाम बदलने के बाद टी-20 में अपने तीसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑल आउट हो गए. सेंट लुसिया किंग्स के जिस गेंदबाज ने बारबाडोस रॉयल्स को सबसे ज्यादा तंग किया वो रहे सीपीएल 2024 की पिच पर 9 विकेट लेने वाले अल्जारी जोसेफ.

23 छक्के लगाने वाले डिकॉक के लिए खास प्लान – 27 साल के अल्जारी जोसेफ ने मैच में पहले बैटिंग करने उतरी बारबाडोस रॉयल्स के टॉप से लेकर मिडिल ऑर्डर तक हमला बोला. जबरदस्त प्लानिंग के साथ किए अपने अटैक की बदौलत वो बारबाडोस रॉयल्स के सारे नामी गिरामी बल्लेबाजों को निवाला बनाने में कामयाब रहे. अल्जारी ने जैसा मैच के बाद बताया कि उन्होंने सीपीएल 2024 में 23 छक्के लगाने वाले इनफॉर्म क्विंटन डिकॉक के लिए खास प्लान बनाया था, जो कि कामयाब रहा. उन्होंने अराउंड द विकेट जाकर डिकॉक को स्टंप पर गेंद खिलाने का प्लान बनाया था.

सीपीएल 2024 में अल्जारी जोसेफ ने दिया अपना बेस्ट – दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने सीपीएल 2024 में अब तक का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया. उन्होंने बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ 22 रन देकर 4 विकेट लिए. इसी के साथ सीपीएल 2024 में अब तक खेले 7 मैचों में उनके विकेटों की कुल संख्या 9 हो गई. बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने टॉप ऑर्डर में रहकीम कॉर्नवॉल और क्विंटन डिकॉक को तो आउट किया ही, उनके अलावा मिडिल ऑर्डर में कप्तान रोवमैन पावेल और डेविड मिलर के विकेट लिए. यानी, बारबाडोस के सारे बड़े विकेट उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में ले लिए.

नाम बदलने के बाद तीसरा सबसे लोएस्ट स्कोर – अल्जारी की असरदार गेंदबाजी का नतीजा ये हुआ कि बारबाडोस रॉयल्स से 100 रन भी नहीं बने. 20 ओवर में 9 विकेट पर वो सिर्फ 96 रन ही बना सके. टी20 क्रिकेट में नाम बदलने के बाद बारबाडोस रॉयल्स का ये तीसरा सबसे लोएस्ट टोटल है. साल 2021 में बारबाडोस ट्राइडेंट्स का नाम बदलकर बारबाडोस रॉयल्स किया गया था. बहरहाल, बारबाडोस रॉयल्स से 97 रन बनाने का जो लक्ष्य फाफ डु प्लेसी की कप्तानी वाली सेंट लुसिया किंग्स को मिला, उसे उसने 37 गेंद शेष रहते जीत लिया. सेंट लुसिया किंग्स ने 13.5 ओवर में 3 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया और इसी के साथ प्लेऑफ खेलने का लाइसेंस भी हासिल किया।

सार समाचार

200 वनडे विकेट हासिल करने वाले पहले इंग्लिश स्पिनर बन गए हैं आदिल राशिद

लीड्स, एजेंसी। आदिल राशिद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान 50 ओवर के प्रारूप में 200 विकेट लेने वाले तीसरे इंग्लिश गेंदबाज और पहले स्पिनर बनकर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। राशिद पहले से ही इस प्रारूप में इंग्लैंड के अग्रणी स्पिनर हैं, मोइन अली (111) और ग्रीम स्वान (104) 100 से अधिक पुरुष वनडे विकेट लेने वाले एकमात्र अन्य स्पिनर हैं। सोफी एक्लेस्टोन के नाम महिला टीम के लिए 100 वनडे विकेट भी हैं। राशिद ने हेडिंग्ले में दूसरे इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया वनडे में अपने छठे ओवर में ग्लेन मैक्सवेल (7) को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। मैक्सवेल ने लेग स्पिनर को मैदान से बाहर करने की कोशिश की लेकिन सीधे डीप मिडविकेट पर कैच हो गए। आदिल राशिद ने अगस्त 2009 में आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए अपना वनडे डेब्यू किया, लेकिन इस प्रारूप में दोबारा आने से पहले उन्हें लगभग छह साल तक इंतजार करना पड़ा। अपनी वापसी के बाद, राशिद सफेद गेंद के नियमित खिलाड़ी बन गए, और मोईन अली के साथ वनडे में इंग्लैंड के लिए एक शक्तिशाली स्पिन साझेदारी बनाई। अपने अविश्वसनीय वनडे आंकड़ों के साथ-साथ, 36 वर्षीय खिलाड़ी के पास अन्य दो प्रारूपों में भी मजबूत आंकड़े हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 122 विकेट हैं और उन्होंने अब तक इंग्लैंड के लिए 19 टेस्ट मैचों में 60 विकेट लिए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स का बड़ा फैसला, पंत के साथ इन खिलाड़ियों को करेगी रिटेन, बस बीसीसीआई के ऐलान का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग की रिटेंशन पॉलिसी का अभी तक ऐलान नहीं किया है. इस बार मेगा ऑक्शन होना है, ऐसे में सभी टीमों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. लेकिन टीमों को कितने खिलाड़ी रिटेन करने की छूट मिलेगी ये अभी तक साफ नहीं हुआ है. इन सब के बीच दिल्ली कैपिटल्स के खेमें से बड़ी जानकारी निकलकर आई है. ऋषभ पंत का रिटेन होने लगभग तय हो गया है, पंत के साथ और कौन से खिलाड़ी रिटेन होंगे इस पर भी बड़ा अपडेट आया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को आईपीएल 2025 के लिए रिटेन करने का फैसला कर लिया है. ऋषभ पंत फ्रेंचाइजी की तरफ से टॉप रिटेंशन चॉइस हैं. पंत को पिछले सीजन तक दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से 16 करोड़ रुपए मिल रहे थे, ऐसे में उन्हें इस बार भी ये रकम मिलना तय है. हालांकि इसमें इजाफा होने की उम्मीद भी है. ऋषभ पंत साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं और आने वाले सीजन में भी वह इसी टीम के लिए खेलते हुए दिखने वाले हैं. बता दें, पिछली बार मेगा ऑक्शन से पहले सभी टीमों को 4-4 खिलाड़ी रिटेन करने की छूट मिली थी. लेकिन इस बार उम्मीद है कि रिटेंशन की संख्या बढ़ाई जा सकती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई पांच से ज्यादा खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देता है तो दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को भी रिटेन करेगी. वहीं, विदेशी रिटेंशन के रूप जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स टीम के साथ बने रह सकते हैं. इसके अलावा अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल दिल्ली कैपिटल्स की पहली पसंद रहने वाली है.

पिछली बार इन खिलाड़ियों को किया था रिटेन – दिल्ली कैपिटल्स ने 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, एनरिक नॉर्खिया और पृथ्वी शॉ रिटेन किया था. लेकिन एनरिक नॉर्खिया चोट के चलते टीम के लिए ज्यादा मैच नहीं खेल सके, वहीं पृथ्वी शॉ लगातार फ्लॉप रहे. ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों की छुट्टी होना अब तय माना जा रहा है. दूसरी ओर जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स ने पिछले सीजन में टीम के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था. ऐसे में टीम इस बार इन खिलाड़ियों को छोड़ने के मुड में नहीं है.

रविचंद्रन अश्विन ने वह कर दिखाया, जो अब तक दुनिया का कोई भी ऑलराउंडर नहीं कर पाया, शेन वॉर्न को भी छोड़ा पीछे

चेन्नई, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन वह कर दिखाया जो टेस्ट क्रिकेट में अब तक दुनिया का कोई भी ऑलराउंडर नहीं करा पाया था। रविचंद्रन अश्विन ने भारत की पहली पारी में शतक जड़ा था। बांग्लादेश की दूसरी पारी में 6 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में एक ही मैदान पर एक ही मैच में शतक लगाने और 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने की उपलब्धि दो बार हासिल करने वाले पहले ऑलराउंडर बन गए। इससे पहले उन्होंने चेन्नई में 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ 106 रन बनाए थे और 43 रन देकर 5 विकेट लिये थे।

रविचंद्रन अश्विन ने 37वीं बार टेस्ट में 5 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वॉर्न ने भी 37 बार 5 विकेट लिए थे। हालांकि, अश्विन ने केवल 101 टेस्ट में ऐसा कर दिया है। वहीं वॉर्न ने 145 टेस्ट में ऐसा किया था। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 67 बार 5 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के रिचर्ड हेडली ने 86 टेस्ट में 36 बार और दिग्गज अनिल कुंबले ने 132 टेस्ट में 35 बार 5 विकेट लिए हैं।

इयान बॉथम की बराबरी करने से 1 विकेट दूर – इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर इयान बॉथम ने 5 बार एक ही मैच में शतक लगाने और 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया है। अशअविन ने 4 बार ऐसा किया है। वेस्टइंडीज के दिग्गज गैरी सोबर्स, पाकिस्तान के मुश्ताक मोहम्मद, साउथ अफ्रीका के दिग्गज जैक कैलिस, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और भारत के रविंद्र जडेजा ने 2-2 बार ऐसा किया है। टेस्ट मैच की चौथी पारी में रविचंद्रन अश्विन का सातवीं पांच विकेट लिया। इस मामले में उन्होंने दिग्गज शेन वार्न और मुरलीधरन की बराबरी कर ली। वह अब सिर्फ श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर रंगना हेराथ से पीछे हैं। उन्होंने 12 बार ऐसा किया है। रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट में 522 विकेट हो गए हैं। वह टेस्ट में 8वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कर्टनी वॉल्श को पीछे छोड़ दिया। उनके 519 विकेट हैं।

तमीम इकबाल को पछाड़कर मुशफिकुर रहीम बने बांग्लादेश के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

चेन्नई, एजेंसी। मुशफिकुर रहीम ने शनिवार को यहां एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में भारत के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, क्योंकि वह तमीम इकबाल के रनों को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

रविचंद्रन अश्विन द्वारा तीसरे दिन के अंतिम सत्र में आउट होने से पहले 13 रन की पारी खेलने वाले रहीम ने सभी प्रारूपों में 464 मैचों में 20 शतकों और 82 अर्द्धशतकों सहित 15,205 रन बनाए हैं। इससे पहले, पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने 387 मैचों में 25 शतकों और 94 अर्धशतकों सहित 15,192 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था।

अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन 446 मैचों में 14 शतकों और 100 अर्द्धशतकों के साथ 14,701 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। वह वर्तमान में छह रन पर नाबाद हैं और रविवार को कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (51*) के साथ अपनी पारी फिर से शुरू करेंगे, क्योंकि वे मैच जीतने के लिए 515 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। पहली पारी में, भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रहीम को आठ रन पर आउट किया और शुक्रवार को मेहमान टीम को 149 रनों पर समेटने के लिए 4-50 के आंकड़े के साथ लौटे। इससे पहले दिन में, ऋषभ पंत और शुभमन गिल के शतकों ने रोहित शर्मा को दिन के दूसरे सत्र में 287/4 पर दूसरी पारी घोषित करने की अनुमति दी।

पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद गिल ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 119 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत की अगुआई की। वापसी कर रहे टेस्ट मैच में पंत ने शानदार 109 रन बनाए - जिसमें उन्होंने 13 चौकों और चार छक्कों की मदद से आक्रामक शॉट लगाने से पहले थोड़ा समय लिया।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी कर बांग्लादेशी गेंदबाजों का मनोबल गिरा दिया। दूसरे सत्र में मुख्य दिलचस्पी हमेशा इस बात पर रही कि भारत अपनी पारी कब घोषित करेगा। पंत ने पहले अपना शतक पूरा किया - शाकिब को छक्का लगाकर और फिर चार रन के लिए स्वीप किया। इसके बाद उन्होंने मेहदी हसन मिराज को कट कर चौका लगाया और फिर 124 गेंदों में लॉन्ग-ऑफ से दो रन बनाकर अपना शतक पूरा किया। अपने छठे टेस्ट शतक के साथ, पंत ने अब लंबे प्रारूप में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे अधिक शतकों के मामले में एम.एस. धोनी की बराबरी कर ली है।

दो चौके लगाने के बाद, पंत और अधिक आक्रामक होने के प्रयास में सीधे मेहदी को वापस कैच दे बैठे। गिल ने शाकिब की खराब लेंथ का फायदा उठाते हुए लगातार चौके लगाए और फिर 161 गेंदों पर अपने पिछले पांच टेस्ट मैचों में अपना तीसरा टेस्ट शतक पूरा किया।

केएल राहुल ने भी चार फ्री-फ्लोइंग बाउंड्री खेली और 21 रन बनाकर नाबाद रहे, इससे पहले रोहित शर्मा ड्रेसिंग रूम से बाहर आए और बल्लेबाजों को बुलाकर भारत की दूसरी पारी घोषित की। शनिवार को खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स होने के बाद बांग्लादेश मैच के अंतिम दिन 158/4 से अपनी पारी फिर से शुरू करेगा। वे अभी भी जीत के लक्ष्य से 357 रन पीछे हैं।

कैटी पेरी ने ऑरलैंडो ब्लूम के साथ गर्मागर्म बहस की बात की कबूल

लॉस एंजिल्स। गीतकार कैटी पेरी ने कहा है कि वह और उनके पार्टनर ऑरलैंडो ब्लूम बहुत तेज हैं और ऊर्जा से भरे हुए हैं। उन्होंने यह भी कबूल किया कि उनके बीच गर्मागर्म बहस होती है। रिपोर्ट के अनुसार, 39 वर्षीय गायिका की सगाई हॉलीवुड स्टार ऑरलैंडो ब्लूम से हुई है और उनकी चार साल की बेटी डेजी है। उन्होंने पहली बार जनवरी 2016 में डेटिंग शुरू की थी।

घर में व्याप्त ऊर्जा के बारे में बताते हुए गायिका ने स्वीकार किया कि वह परिवार को अराजकता का समूह कहती हैं। उन्होंने एप्पल म्यूजिक के जेन लोव के साथ अपने नए एल्बम 143 का प्रचार करते हुए कहा, हम एक शोरगुल वाला परिवार हैं। हम आग हैं। अपने रिश्ते में बारे में कैटी ने कहा, ऑरलैंडो और मैं, जब बहस करते हैं, तो हम बहुत गर्मागर्म बहस करते हैं और फिर बहुत जल्दी शांत हो जाते हैं। यह ऐसा ही है, मैं तुमसे प्यार करता हूं। ठीक है, चलो आगे बढ़ते हैं। उन्होंने अपने पति को रोमांटिक पार्टनर बताते हुए कहा कि, वह एक सच्चा संत है। हम दोनों के पास खुद के हिस्से हैं। कैटी ने माना कि उनका और ऑरलैंडो का व्यक्तित्व उनकी बेटी में झलक रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी शर्मीली नहीं है। डेजी ने अपने गायन की शुरुआत कैटी द्वारा जारी नवीनतम ट्रैक से की।

वीर-जारा ने रचा इतिहास

बॉलीवुड में इन दिनों एक ट्रेंड शुरू हुआ है, जिसमें देखने के लिए मिल रहा है कि एक के बाद एक 90 के दशक की फिल्मों में फिर से रिलीज किया जा रहा है। इसी में से एक 'वीर जारा' भी है, जिसे री-रिलीज किया गया है। 'वीर जारा' 90 के दशक में हिट फिल्मों में से एक रही है। ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की कमाल की केमिस्ट्री देखने के लिए मिली थी। उस समय भी ये मूवी रिलीज के बाद पर्दे पर छा गई थी। ऐसे में अब री-रिलीज के बाद भी इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई करके इतिहास ही रच दिया। दरअसल, शाहरुख खान और प्रीति जिंटा स्टारर फिल्म 'वीर जारा' को 13 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया। फिल्म को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग मिली। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, पहले दिन 'वीर-जारा' ने 20 लाख रुपए कमाए थे। शनिवार को इसका कलेक्शन 32 लाख और रविवार को 38 लाख रहा था। फिर वीक डेज में सोमवार को 20 लाख, मंगलवार 18 लाख, बुधवार 15 लाख और गुरुवार 14 लाख का बिजनेस किया। वहीं, अगर तरण आदर्श की मानें तो फिल्म ने दूसरे हफ्ते के शुक्रवार को 22 लाख का बिजनेस किया। शनिवार को भी फिल्म का ठीकठाक कलेक्शन बताया जा रहा है। हालांकि, अभी इसके आंकड़े सामने नहीं आए हैं। लेकिन, इसके वर्ल्डवाइड कलेक्शन को लेकर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श की ओर से बताया जा रहा है कि ये 100 करोड़ का आंकड़ा 20 सितंबर को ही पार कर चुकी है। जबकि फिल्म को 282 स्क्रीन्स ही मिले हैं। भारत में इसे केवल 203 सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। इसके साथ ही 'वीर जारा' के घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात की जाए तो ये 1.57 करोड़ रुपए पहुंच चुका है और विदेश में 1.80 करोड़ का बिजनेस कर चुकी है।

जयम रवि ने केनिशा फ्रांसिस से अफेयर की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

तमिल अभिनेता रवि जयम ने पत्नी आरती से अपनी शादी के 15 सालों के बाद तलाक की घोषणा की है। तलाक की सोशल मीडिया पर अभिनेता की घोषणा के बाद जयम की पत्नी आरती का अपडेट आया है। आरती ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनके पति उनको तलाक दे देंगे। इस बात की जानकारी उनको सोशल मीडिया के जरिए हुई है। इस बीच जयम रवि को लेकर चर्चा होने लगी कि उनका गायिका केनिशा फ्रांसिस के साथ अफेयर की बात हो रही है।

बातचीत के दौरान जयम रवि ने कहा, जब लोग मेरी उस छवि को खराब करने की कोशिश करते हैं, जिसे मैंने सालों की मेहनत और स्क्रिप्ट के चयन के जरिए बनाया है, तो मैं बस हंस सकता हूं। मेरा नाम खराब करना आसान नहीं है। अगर आप सोच सकते हैं कि घोषणा के साथ ही पूरी बात सामने आ गई, तो ऐसा नहीं है। जयम ने कहा, उन्होंने अपने वकील के माध्यम से आरती को तलाक का नोटिस भेजा था, जिसे उनके पिता ने स्वीकार कर लिया था। उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी के इस दावे को खारिज कर दिया कि सार्वजनिक घोषणा पर चर्चा नहीं की गई और बताया कि कैसे उनके माता-पिता दोनों वहां मौजूद थे। फिर ये कैसे सच हुआ कि किसी को पता नहीं था और सोशल मीडिया से पता चला है। उन्होंने बताया, आरव का जन्मदिन जून में था और मैं उसे मनाने के लिए चेन्नई में था। जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें भी हैं। वे कहते हैं कि मेरी कार को अलग-अलग तारीखों पर अलग-अलग शहरों में देखा गया था।

तब अमिताभ जीतने के आदी थे हार से सदमा लगा था: सलीम खान

सलीम-जावेद जोड़ी के अनुभवी पटकथा लेखक सलीम खान ने एक बार बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के जीवन के बुरे दौर के बारे में बात की। लहरें द्वारा साझा किए गए एक पुराने फुटेज में सलीम को बिग बी के जीवन पर आई असफलताओं के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए दिखाया गया है।

उन्होंने कहा, मैं मनोचिकित्सक नहीं हूं, इसलिए मैं यह नहीं बता सकता कि अमिताभ बच्चन के साथ क्या गलत हुआ। मैं इस समय उनके बहुत करीब नहीं हूं, एक समय था। मैंने उनके साथ 14-15 फिल्में की। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति जीतने का इतना आदी हो जाता है कि जब वह हारता है तो उसे सदमा लगता है। उन्होंने आगे कहा, मैं आपको एक उदाहरण देता हूं, अगर श्रीलंका क्रिकेट मैच जीतता है, तो यह आश्चर्य की बात है कि वे जीते। अगर वेस्टइंडीज मैच हार जाता है तो यह भी आश्चर्य की बात है। अमिताभ बच्चन जीतने के इतने आदी हो गए थे कि एक छोटी सी असफलता भी उन पर गहरा प्रभाव डालती थी, और वह अपनी असफलता को बहुत गलत नजरिए से देखते थे। यह वीडियो 80 या 90 के दशक की शुरुआत का लग रहा है, जब बिग बी मुश्किलों में घिरे हुए थे। 1980 के दशक में, मनोरंजन के क्षेत्र में तकनीकी उन्नति के रूप में वीसीआर ने भारत में अपनी जगह बनाई, जिससे हिंदी फिल्म उद्योग में संकट पैदा हो गया, इस लहर ने बिग बी के स्टारडम को भी प्रभावित किया। फिर 1980 के दशक के मध्य में बिग बी बोफोर्स घोटाले में उलझ गए, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी समेत भारत और स्वीडिश सरकार के कई अन्य सदस्यों। हालांकि, बिग बी ने अपनी ओर से कहा कि उनका नाम इस घोटाले में फंसाया गया था। बाद में जब बिग बी बोफोर्स कांड की छाया से बाहर निकले, तो वह भारी कर्ज में डूब गए, जब उनके प्रोडक्शन हाउस अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भारी घाटा हुआ। मिस वर्ल्ड सौंदर्य प्रतियोगिता के 1996 संस्करण की विफलता के बाद प्रोडक्शन हाउस कर्ज में डूब गया। वह बिग बी के जीवन का सबसे खराब दौर था, क्योंकि उनके पास लेनदारों को उधार देने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था।

हादसे का शिकार हुए सुदेश लहरी, लाफ्टर शेफ्स के सेट पर चाकू से घायल

मशहूर कॉमेडियन सुदेश लहरी इन दिनों टीवी अदाकारा निया शर्मा के साथ लाफ्टर शेफ्स में नजर आ रहे हैं। इस शो में शूटिंग के दौरान सभी कलाकारों को जमकर मस्ती करते हुए देखा जाता है। हालांकि, शो में अब तक कई हादसे भी हो चुके हैं। हाल ही में रीम शेख का मुंह तेल से जल गया था। वहीं, अब खबर है कि सुदेश लहरी भी शो के सेट पर घायल हो गए हैं। विभिन्न न्यूज पोर्टल में छपी खबरों की मानें तो शूटिंग के दौरान निया ने गलती से लाफ्टर शेफ्स के सेट पर सुदेश लहरी को घायल कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुदेश लहरी निया शर्मा के साथ शूटिंग कर रहे थे, तभी वह चाकू से घायल हो गए। रिपोर्टर्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि खाना बनाते समय उनकी पार्टनर निया शर्मा ने गलती से उन्हें चाकू से घायल कर दिया। सुदेश का काफी खून बह रहा था, जिसके बाद मेडिकल सहायता मुहैया कराई गई। हालांकि, घायल होने के बाद भी कॉमेडियन ने शूटिंग जारी रखी, लेकिन इससे उबरने के लिए उन्होंने अगले दिन छुट्टी ले ली। इससे पहले रीम समीर शेख भी शो के सेट हादसे की शिकार हो गई थीं। उनके चेहरे पर तेल के छींटे पड़ने से उनका चेहरा जल गया। अब वह ठीक हैं। लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट को दर्शक इन दिनों खूब पसंद किया जा रहा है। शो को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।

खोसला का घोसला फेम अभिनेता परवीन डबास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

माई नेम इज खान, रागिनी एमएमएस 2 और खोसला का घोसला जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से सबको प्रभावित करने वाले परवीन डबास एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। फिलहाल वह मुंबई के बांद्रा स्थित होली फैमिली अस्पताल में भर्ती हैं, यहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। दुर्घटना की वजह क्या है इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वह प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक भी हैं।

प्रो पंजा लीग के प्रतिनिधियों ने शनिवार को मीडिया सामने आधिकारिक बयान दिया। उनके बयान के मुताबिक, हमें यह बताते हुए खेद है कि प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह शनिवार सुबह एक दुर्घटना में चोटिल हो गए थे। उनका इलाज होली फैमिली अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। डबास को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बयान में आगे बताया गया, इस चुनौतीपूर्ण समय में हमारी संवेदनाएं परवीन और उनके परिवार के साथ हैं।

सितारों का पता नहीं, मैंने दिलों में जगह बनाई है

मैं जो कुछ भी हूं अपनी मां की वजह से हूं: ध्वनि भानुशाली

सबसे कम उम्र में सबसे तेज 100 करोड़ यूट्यूब व्यूज पाने वाली गायिका ध्वनि भानुशाली ने इस शुक्रवार बतौर हीरोइन बड़े परदे पर दस्तक दी है। महिला सशक्तिकरण की बात करती उनकी फिल्म कहां शुरू कहां खतम ने कम बजट की फिल्मों के कारोबार की एक नई राह भी खोली है। लोग आपको ' 'बिलियन बेबी कहकर बुलाते हैं, सोलो आर्टिस्ट के तौर पर ये टाइटल कितनी बड़ी जिम्मेदारी वाली है. मुझे लगता है कि युवा पीढ़ी को अपनी जिम्मेदारी का एहसास अब बहुत शुरू से हो जाता है। तमगों के पीछे हम नहीं भागते लेकिन, हमारी मेहनत को जब ऐसा कोई नाम या इनाम मिलता है तो सिर्फ एक कलाकार ही नहीं बल्कि उसे यहां तक लाने में जो भी लोग हमसफर रहे होते हैं, सबको इस बात पर नाज होता है।

सोशल मीडिया और कॉलेज के युवाओं के बीच ध्वनि भानुशाली का नाम मॉडर्न डे पॉप आइकन के रूप मे लिया जाता है, इस कामयाबी में आपके परिवार का कितना बड़ा हाथ है

मैं आज जो भी हूं, जहां भी अपनी मां रिंकू भानुशाली की वजह से हूं।

गायक दिलजीत दोसांझ अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ फिल्म गुड न्यूज में काम कर चुके हैं। एक बातचीत के दौरान दिलजीत ने कियारा को लेकर ऐसी बात कह दी थी, जिसके बाद कियारा ब्लश करने लगी थीं। साथ ही कियारा को दिलजीत ने परफेक्ट मैरिज मटेरियल बताया था पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ अपने गानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं।

कियारा परफेक्ट मैरिज मटेरियल हैं: दिलजीत

दोसांझ के गानों को काफी पसंद किया जाता है। इन दिनों वह पेरिस कॉन्सर्ट में बिजी हैं। दिलजीत गानों के साथ अपनी फिल्मों के कारण भी चर्चा में रहे हैं।

वह अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ गुड न्यूज फिल्म कर चुके हैं। इस फिल्म में कियारा के साथ काम करने के बाद दिलजीत ने कियारा को लेकर एक खुलासा किया था। आइए आपको बताते हैं कियारा को लेकर दिलजीत ने क्या बातें कही थीं। निर्देशक राज मेहता की डेब्यू फिल्म गुड न्यूज के प्रमोशन के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने सह कलाकार अक्षय कुमार, करीना कपूर और कियारा आडवाणी के साथ एक इंटरव्यू में बात की थी।

इस दौरान दिलजीत से पूछ गया कि उन्होंने कियारा को परफेक्ट मैरिज मटेरियल कैसे बताया।

साभार-एजेंसी